THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 88 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ पूर्णिमा 2083 सोमवार, 29 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल शुरू की

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। लद्दाख के सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने रविवार को जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। नीट पेपर लीक और सीबीएसई की गड़बड़ियों के विरोध में जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन का आज 9वां दिन है। सीजेपी पिछले 20 जून से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही है। भूख हड़ताल शुरू होते ही जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी और स्टूडेंट जुटने लगे। प्रदर्शन में कई किसान नेता भी शामिल हुए। भूख हड़ताल शुरू करने से पहले सोनम वांगचुक और पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी।

फ्रांस में बड़ा विमान हादसा, 11 की मौत

टॉम्ब्लेन, 28 जून (एजेंसियां)। पूर्वी फ्रांस के टॉम्ब्लेन शहर के पास रविवार को एक विमान, जो कई स्काईडाइवर्स को ले जा रहा था, दुर्घटनाग्रस्त हो गया। नैन्सी के पास हुए विमान हादसे में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दुर्घटनास्थल पर आपातकालीन सेवाएं तुरंत पहुंच गईं, जबकि अधिकारियों ने बचाव अभियान शुरू कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त होने वाला विमान पैराशूटिंग सिखाने वाले एक स्कूल का था। प्रशासन ने बताया कि इस हादसे में पायलट और सभी 10 यात्रियों - पांच छात्रों और पांच टीचर की मौत हो गई। क्षेत्रीय प्रसारक फ्रांस थ्री ग्रैंड एस्ट ने बताया कि मरने वालों की संख्या अधिक होने की उम्मीद है।

समुद्र से आकाश तक भारत सुरक्षित : मोदी

देश में 40 से ज्यादा सी-295 विमान बनाए जा रहे, योग में भारत ने 114 पदक जीते

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं। पीएम ने कहा कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के कई कार्यक्रम हुए। भारत ने अहमदाबाद में आयोजित 'विश्व योगासन चैम्पियनशिप' में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 114 मेडल जीते हैं। इनमें 102 गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। भारत पदक तालिका में पहले स्थान पर रहा है।

शादी के लिए सोना रीसाइकल कर रहे लोग :

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने बीते दिनों लोगों से कुछ समय तक सोना ना खरीदने, विदेश यात्रा टालने या कार पूलिंग की अपील की थी मैं देश के हर नागरिक का आभारी हूं कि मेरी अपील का उन्होंने न सिर्फ समर्थन किया बल्कि उसमें सहयोग कर रहे हैं। कई परिवारों ने तय किया है कि घर के विवाह में सोना नहीं खरीदेंगे। जरूरत हुई तो वे पुराने सोने को ही रिसाइकल करेंगे। कई लोगों ने कार पूलिंग के अनुभव भी साझा किए हैं। मुझे इस बात की खुशी है कि हम भारतीय इस संकट से मिलकर मुकाबला कर रहे हैं।

असम: हरगिला आर्मी ने पुरानी सोच बदली :

पीएम मोदी ने कहा कि असम में एक पक्षी पाया जाता है। उसका नाम हरगिला है। हरगिला एक दुर्लभ पक्षी है। ये प्रकृति को स्वच्छ रखने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन असम के कुछ इलाकों में लंबे समय तक इसे अशुभ माना जाता था। लोग इसे अपने आसपास देखना पसंद नहीं करते थे। कई बार उन पेड़ों को भी काट दिया जाता था जिन पर हरगिला के घोसले बने होते थे। इसी दौरान जीव-वैज्ञानिक पूर्णिमा देवी बर्मन ने ये सब देखा। उन्होंने लोगों के मन में बैठी गलत धारणा को बदलने का संकल्प लिया।

उन्होंने महिलाओं से बात की, लोगों को विज्ञान के आधार पर समझाया। धीरे-धीरे महिलाएं इस अभियान से जुड़ने लगीं। फिर एक बड़ा बदलाव शुरू हुआ। जिस पक्षी को कभी अशुभ मानकर भगाया जाता था, वही गांवों की पहचान बनने लगा। हजारों ग्रामीण महिलाएं हरगिला को बचाने के लिए आगे आईं। आज उन्हें 'हरगिला आर्मी' के नाम से जाना जाता है। इन महिलाओं ने समाज को समझाने के लिए दिन-रात काम किया और अंधविश्वास को पीछे छोड़ करके रहे। उन्होंने दिखाया है कि जब सही जानकारी पहुंचाई जाती है, तो वर्षों पुरानी सोच भी बदल सकती है।

मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' की उपाधि

राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी से उपाधि ग्रहण करते हुए पीएम मोदी।

विक्टोरिया, 28 जून (एजेंसियां)। सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य राजकीय स्वागत किया गया। स्टेट हाउस में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, जहां सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी भी मौजूद रहे। इसके साथ ही सेशेल्स ने पीएम मोदी को 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' उपाधि दी।

'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' का मतलब है 'नीले क्षितिज का संरक्षक'। यह एक विशेष सम्मानजनक उपाधि है, जो उन नेताओं या व्यक्तियों को दी जाती है जिन्होंने समुद्र, समुद्री पर्यावरण, जलवायु संरक्षण और समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। सेशेल्स जैसे द्वीपीय देश के लिए महासागर उसकी जीवनरेखा हैं, इसलिए यह सम्मान उसके लिए बेहद खास माना जाता है।

सेशेल्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह उपाधि समुद्री पर्यावरण संरक्षण, ब्लू इकोनॉमी को बढ़ावा देने, हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और सहयोग मजबूत करने तथा जलवायु परिवर्तन से जुड़े वैश्विक प्रयासों में भारत की सक्रिय भूमिका के सम्मान में प्रदान की है। यह सम्मान दोनों देशों के मजबूत संबंधों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति साझा प्रतिबद्धता का भी प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-सेशेल्स संबंधों के सभी प्रमुख पहलुओं की व्यापक समीक्षा की और आपसी हितों से जुड़े क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। तीन दिन की यात्रा पर शनिवार को सेशेल्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति हर्मिनी ने स्टेट हाउस में औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच उच्चस्तरीय वार्ता भी हुई।

सेशेल्स की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत का लक्ष्य हिंद महासागर को 'अवसरों का महासागर' बनाना है, जहां आर्थिक समृद्धि के साथ समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित हो और साझेदारी आकार नहीं, बल्कि आपसी सम्मान और भरोसे पर आधारित हो।

सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद मोदी ने कहा कि हिंद महासागर दोनों देशों का साझा घर है और इसकी सुरक्षा, स्थिरता व समृद्धि साझा जिम्मेदारी है।

तेलंगाना गठन के शहीदों के सपने अधूरे : नितिन नबीन

तेलंगाना में एक ही दिन रिकॉर्ड 9 जिला कार्यालयों का उद्घाटन

विकाराबाद स्थित कार्यालय का उद्घाटन करते हुए नितिन नबीन व रामचन्द्र राव।

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने कहा कि राजनीति सत्ता के लिए नहीं, सेवा के लिए होती है; भोग के लिए नहीं, त्याग के लिए होती है; ऐश्वर्य के लिए नहीं, तपस्या के लिए होती है।

उन्होंने सेवा के संकल्प के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता से तेलंगाना के समग्र विकास के लिए नए संघर्ष की तैयारी करने का आह्वान किया। तेलंगाना राज्य में एक ही दिन में रिकॉर्ड 9 नए जिला भाजपा कार्यालयों का उद्घाटन किया। इनमें रंगारेड्डी ग्रामीण, आदिलाबाद, आसिफाबाद, निर्मल, कामारेड्डी, सिद्दिपेट, मेदक, वनपर्ती और नागरकुर्नूल शामिल हैं। इस अवसर पर इन सभी कार्यालयों को पार्टी सिद्धांतों को दर्शाने वाले संकल्प केंद्र तथा जनता की सेवा के लिए सेवा केंद्र के रूप में स्थापित बताया गया। नेशन फर्स्ट, पार्टी नेक्स्ट, सेल्फ लास्ट के मंत्र के साथ कार्य करने का आह्वान भी किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम के दौरान उन्होंने देश के एकीकरण के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल, तेलंगाना आंदोलन के शहीदों तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के कई वर्षों बाद भी शहीदों के सपने पूरी तरह साकार नहीं हुए हैं और उन सपनों को पूरा करना भाजपा की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि 1984 में जब भाजपा के पूरे देश में केवल दो सांसद थे, उनमें से एक तेलंगाना भूमि से ही चुने गए थे। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक तथ्य पार्टी की जड़ों और संघर्ष को दर्शाता है। उन्होंने उन वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को भी नमन किया जिन्होंने लाठीचार्ज, संघर्ष और कठिन परिस्थितियों के बावजूद तेलंगाना में भाजपा को मजबूत किया। कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों पर तीखा हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन दलों ने राज्य की राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति और स्वार्थ का माध्यम बना दिया है। पिछली सरकारों की विफलताओं के खिलाफ भाजपा ने संघर्ष किया, लेकिन कांग्रेस ने उसका लाभ उठाया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव, गली-गली जाकर जन आंदोलन को मजबूत करें और वर्तमान सरकार की विफलताओं के खिलाफ जनता को जागरूक करें। उन्होंने पश्चिम बंगाल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कठिन परिस्थितियों और हिंसा के बीच भी भाजपा ने संघर्ष कर अपनी जगह बनाई है और वही इतिहास अब तेलंगाना में भी दोहराया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि देश के 140 करोड़ नागरिक एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार अंत्योदय और सुशासन के मार्ग पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में तेलंगाना की भी महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए। केंद्र सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और यदि डबल इंजन सरकार बनेगी तो विकास की गति और तेज होगी।

जस्टिस माहेश्वरी की विदाई

हैदराबाद के नरसिम्हा बने कॉलेजियम सदस्य

जस्टिस पी एस नरसिम्हा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत से एक बड़ी खबर आ रही है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का चेहरा बदल गया है। जस्टिस जे के माहेश्वरी आज रविवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं। उनके स्थान पर अब जस्टिस पी एस नरसिम्हा कॉलेजियम के नए सदस्य बन गए हैं। वे सुप्रीम कोर्ट के पांचवें सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश हैं। जस्टिस नरसिम्हा इस बेहद शक्तिशाली कॉलेजियम में दो मई 2028 तक रहेंगे। इसी दिन वह सेवानिवृत्त भी होंगे। दूसरी ओर, करीब पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद जस्टिस माहेश्वरी ने आज अपना पद छोड़ दिया है।

नई टीम में कितने जज :

जस्टिस माहेश्वरी की विदाई के बाद अब सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का नया स्वरूप सामने आ गया है। इस पांच सदस्यीय कॉलेजियम में अब देश के दिग्गज न्यायाधीश शामिल हैं। इस नई टीम की कमान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के हाथों में है। उनके साथ जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बी वी नागरत्ना, जस्टिस एम एम सुंदरेश और अब जस्टिस पी एस नरसिम्हा इसमें शामिल हो चुके हैं। यही वो पांच सबसे वरिष्ठ जज हैं, जिनके कंधों पर अब भारतीय न्यायपालिका के भविष्य की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

क्या है कॉलेजियम और कैसे करता है काम :

भारत में न्यायाधीशों की नियुक्ति की यह व्यवस्था बेहद अनूठी है। कॉलेजियम प्रणाली की शुरूआत साल 1993 में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद हुई थी। इस व्यवस्था के तहत सुप्रीम कोर्ट के पांच शीर्ष जज मिलकर काम करते हैं। यही समिति सुप्रीम कोर्ट और देश के 25 उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति करती है।

>12

चंपत राय अयोध्या से हटेंगे, दिल्ली जाना तय

अनिल मिश्रा साइडलाइन होंगे, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव या सीईओ बन सकते हैं नृपेंद्र मिश्रा

अयोध्या, 28 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर ट्रस्ट ने आखिरकार 27 जून (शनिवार) को महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे की पुष्टि कर ही दी। करीब 30 घंटे तक ट्रस्ट और विश्व हिंदू परिषद दोनों ही इस्तीफे की खबर को सार्वजनिक करने से बचते रहे। अब 11 जुलाई को अयोध्या के मणिराम दास जी की छावनी में ट्रस्ट की बैठक होगी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया जाएगा।

इतना ही नहीं, अब चंपत राय का अयोध्या से हटना तय हो गया है। उनका अगला ठिकाना दिल्ली होगा। उनको विहिप मुख्यालय में बैठाया जा सकता है। दूसरी ओर, राम मंदिर के निर्माण प्रभारी गोपाल राव को अयोध्या से हटाकर पश्चिम भारत भेजने का मन बना लिया गया है। डॉ. अनिल मिश्रा को ट्रस्ट से हटाकर किसी भी प्रमुख पद की जिम्मेदारी नहीं देने की बात पता चली है।

11 जुलाई को होने वाली बैठक में सरकार के प्रतिनिधियों की ओर से राम मंदिर के बेहतर संचालन और प्रबंधन के लिए ट्रस्ट को सुझाव दिए जा सकते हैं। मंदिर संचालन का नया ब्लू प्रिंट पेशकर उसकी रजामंदी ली जा सकती है। इसी बैठक के बाद ट्रस्ट के अगले महासचिव और सदस्यों पर विचार किया जाएगा। यह भी हो सकता है कि नए महासचिव और सदस्यों की घोषणा भी इसी दिन कर दी जाए।

महासचिव के लिए नृपेंद्र मिश्रा समेत 3 नामों पर मंथन :

सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव पद पर संघ का दबदबा बना रहेगा। इस पद पर संघ का ही कोई पदाधिकारी बैठेगा। इस पदाधिकारी का संतों के बीच लोकप्रिय, मिलनसार के साथ ईमानदार रिकॉर्ड का खोजा जा रहा है।

इस पद के लिए भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा का भी नाम चल रहा है। इस पद के लिए ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंददेव गिरि और ट्रस्टी कृष्णमोहन के नाम की भी चर्चा है। स्वामी गोविंददेव के लिए कोषाध्यक्ष का पद पहले से ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, नृपेंद्र मिश्रा के नाम पर सहमति ट्रस्ट के सदस्यों के बीच नहीं बन पा रही है। ऐसे में संघ यहां पर हस्तक्षेप कर सकता है।

दूसरी ओर, विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रयास यही है कि मंदिर की व्यवस्था पर उनका प्रभुत्व बना रहे। ऐसे में नृपेंद्र मिश्रा की भूमिका अब निर्माण समिति से आगे बढ़ने की बात भी कही जा रही है। यह भी तय माना जा रहा है कि महासचिव राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का ही पूर्णकालिक कार्यकर्ता होगा। अपने प्रशासनिक अनुभव के आधार पर पूर्व आईएएस अफसर और निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की भूमिका में भी आ सकते हैं।

>12

'इसी साल बांग्लादेश लौटूंगी'

शेख हसीना ने किया ऐलान

ढाका, 28 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपनी वतन वापसी को लेकर बड़ा ऐलान किया है। वह दो साल पहले अमेरिका और पाकिस्तान समर्थित एक तख्तापलट के जरिए सत्ता से हटाई गई थीं। तब से शेख हसीना भारत में रह रही हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी वापसी को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वह इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी। शेख हसीना ने आरोप लगाया है कि बांग्लादेश की अदालतों का उनके खिलाफ फैसला राजनीति से प्रेरित है और यह उनकी पार्टी अवामी लीग को नेता विहीन बनाने की कोशिश का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि वह ऐसा होने नहीं देंगी।

हसीना ने बांग्लादेशी अदालतों के फैसले को खारिज किया :

शेख हसीना ने कहा, मेरे खिलाफ आया फैसला न्याय नहीं है। यह एक गैर-कानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित प्रक्रिया का हिस्सा है। अवामी लीग को नेता-विहीन बनाने के लिए न्यायपालिका को राजनीतिक बदले का हथियार बना दिया गया है। ऐसी कोशिशें पहले भी की गई हैं। वे तब भी नाकाम रहीं और आगे भी नाकाम रहेंगी।

शेख हसीना ने बांग्लादेश के कट्टरपंथियों की धमकियों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें मौत से डर नहीं लगता है। इस इंटरव्यू में उन्होंने बांग्लादेश के संस्थापक अपने पिता शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या और 1975 में अपने परिवार के खोने का भी जिक्र किया। शेख हसीना ने जोर देकर कहा कि वह इसी साल बांग्लादेश वापस जाएंगी।

इसी साल बांग्लादेश वापस लौटेंगी शेख हसीना :

हसीना ने आगे कहा, मुझे मौत से डर नहीं लगता। 1975 में मैंने अपने माता-पिता, अपने भाइयों और लगभग अपने पूरे परिवार को खो दिया था। 21 अगस्त को ग्रेनेड से मेरी हत्या की कोशिश की गई थी।

मेरे खिलाफ कई साजिशें रची गई हैं। लेकिन साजिशों के हर जाल को तोड़कर मैं बांग्लादेश के लोगों के साथ खड़ी रही। लोगों के वोट से मैं पांच बार प्रधानमंत्री चुनी गई और देश के अभूतपूर्व विकास के लिए काम किया।

मोदी कैबिनेट में फेरबदल की अटकलें तेज : धर्मेंद्र प्रधान समेत कई मंत्रियों को लेकर चर्चा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्रीय कैबिनेट में जल्द फेरबदल की संभावना प्रतीत हो रही है। सत्तारूढ़ दल के शीर्ष स्तर से मिल रहे संकेतों के अनुसार, यह फेरबदल अब कभी भी संभवतः संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले किया जा सकता है। इस संबंध में सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी की नई टीम की घोषणा के साथ किया जाएगा। बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व पदाधिकारियों की लिस्ट को अंतिम रूप दे चुका है और 'नितिन नवीन की टीम' का ऐलान जल्द होने की संभावना है। पार्टी के युवा चेहरों को संगठन में प्रमुख पदों की जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है।

मंत्रिमंडल विस्तार पर बीजेपी सूत्र क्या कह रहे :

सूत्रों के अनुसार, बीजेपी अध्यक्ष ने पिछले सप्ताह कुछ केंद्रीय राज्य मंत्रियों के साथ भी विचार-विमर्श किया था। इस बात की प्रबल संभावना है कि कुछ केंद्रीय मंत्रियों को बीजेपी में संगठनात्मक भूमिकाएं संभालने के लिए भेजा जाएगा और पार्टी के पदाधिकारियों को मोदी मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। कुछ मंत्रियों के विभाग बदले जाने की भी अटकलें हैं।

धर्मेंद्र प्रधान को लेकर चर्चा तेज :

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली में अनियमितताओं सहित मंत्रालय से जुड़े कई विवादों के कारण शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों ने संकेत दिया कि अगर फेरबदल होता है तो यह जुलाई में कभी भी हो सकता है।

मानसून सत्र से पहले हो सकता है कैबिनेट फेरबदल :

संसद का मानसून सत्र आम तौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है। मंत्रिमंडल में फेरबदल की तारीख प्रधानमंत्री के व्यस्त कार्यक्रम को ध्यान में रखकर तय किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी 27 से 29 जून तक सेशेल्स की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। उनके छह से 11 जुलाई के बीच इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाने की भी संभावना है। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का भी एक से तीन जुलाई तक नई दिल्ली की यात्रा का कार्यक्रम है।

पार्टी संगठन पर भी फोकस :

सूत्रों के अनुसार, सरकार के शीर्ष अधिकारियों के बीच यह राय प्रबल हो रही है कि अहम मंत्रालयों में नए चेहरों को शामिल किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा क्षेत्रीय, राज्यवार, जातीय और राजनीतिक निष्ठा से जुड़े समीकरणों को ध्यान में रखकर मंत्रिपरिषद में संतुलन बनाने की राजनीतिक मजबूरियां भी हैं। दो केंद्रीय मंत्रियों पंकज चौधरी और हर्ष मल्होत्रा को क्रमशः बीजेपी की उत्तर प्रदेश और दिल्ली इकाई की जिम्मेदारी पहले ही दी जा चुकी है।

'एक व्यक्ति एक पद' का नियम होगा लागू :

इस बात की प्रबल संभावना है कि बीजेपी 'एक व्यक्ति, एक पद' के अपने नियम का पालन करेगी जिसके कारण दोनों को सरकार से हटना पड़ सकता है। दो अन्य केंद्रीय मंत्रियों जॉर्ज कुरियन और रवनीत सिंह बिट्टू को हाल में संपन्न राज्यसभा चुनावों के लिए पार्टी ने दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया। उच्च सदन में उनका कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो गया। कुरियन अपने पद से पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं जबकि बिट्टू अब भी मंत्री हैं।

ऐसा बताया जा रहा है कि शीर्ष नेतृत्व ने बिट्टू को आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा है। कांग्रेस के पूर्व नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पौत्र बिट्टू प्रभावशाली जाट सिख समुदाय का प्रमुख चेहरा हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं इसलिए इन तीन राज्यों के और प्रतिनिधियों को मोदी मंत्रिपरिषद में जगह मिलने की संभावना है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की भारी जीत के बाद राज्य से भी पार्टी के कुछ सांसदों को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में शामिल किया जा सकता है।

तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के बागी गुटों के कुछ प्रतिनिधियों को भी मंत्री पद मिलने की संभावना है। ऐसी भी संभावना है कि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के किसी वरिष्ठ पदाधिकारी को कैबिनेट मंत्री बनाया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सात राज्यसभा सदस्यों में से एक या दो को मंत्रिपरिषद में जगह मिल सकती है।

हालांकि, तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) के बागी गुटों के सदस्यों को मंत्रिपरिषद में शामिल करने का कोई भी फैसला लोकसभा अध्यक्ष के निर्णय पर निर्भर करेगा। दोनों के मूल दलों ने दल-बदल विरोधी कानून के तहत उनकी सदस्यता समाप्त करने की मांग की है।

सऊदी में अरामको का हेलिकॉप्टर क्रैश

सभी 14 यात्रियों की दर्दनाक मौत

रास तनुरा, 28 जून (एजेंसियां)। सऊदी अरब के प्रमुख औद्योगिक और तेल केंद्र रास तनुरा से बड़ी खबर सामने आई है। दिग्गज तेल कंपनी सऊदी अरामको का एक हेलिकॉप्टर रविवार सुबह करीब 6 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस भीषण हादसे में हेलिकॉप्टर पर सवार सभी 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र के हवाले से इस दर्दनाक हादसे की पुष्टि की है। सऊदी प्रेस एजेंसी के मुताबिक, इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी 14 लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। यह दुर्घटना रास तनुरा क्षेत्र में हुई, जो फारस की खाड़ी के तट पर स्थित सऊदी अरामको का एक बेहद महत्वपूर्ण तेल और औद्योगिक हब माना जाता है। ऊर्जा मंत्रालय ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और सहानुभूति प्रकट की हैं। मंत्रालय ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद संबंधित अधिकारियों को काम पर लगा दिया गया है। हेलिकॉप्टर के क्रैश होने के असली कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल प्रशासन की ओर से हेलिकॉप्टर के मॉडल या इस बात की जानकारी साझा नहीं की गई है कि इस हादसे से अरामको के तेल परिचालन पर कोई असर पड़ा है या नहीं।

टीएमसी में असली-नकली की लड़ाई

ममता गुट ने ऋतब्रत बनर्जी दल के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

कोलकाता, 28 जून (एजेंसियां)। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी राजनीतिक टकराव अब कानूनी लड़ाई तक पहुंच गया है। ममता गुट ने पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के अवैध इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए ऋतब्रत बनर्जी गुट के खिलाफ पुलिस में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। शिकायतों में जालसाजी, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश, फर्जी दस्तावेज तैयार करने, अवैध बैठकें आयोजित करने, मीडिया में भ्रामक जानकारी फैलाने तथा पार्टी के महत्वपूर्ण दस्तावेजों की कथित तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, शिकायतें कालीघाट थाना और साल्टलेक के एक थाने में दर्ज कराई गई हैं। ममता गुट का आरोप है कि ऋतब्रत गुट बिना किसी वैधानिक अधिकार के तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न का उपयोग कर रहा है। बता दें कि ऋतब्रत ने टीएमसी के 80 विधायकों में से 60 को लेकर अपना नया गुट बना लिया है। उन्हें विधानसभा से विरोधी दल के नेता की मान्यता भी मिल गई है। इस बीच 21 जुलाई के शहीद दिवस समारोह को लेकर भी दोनों गुट आमने-सामने आ गए हैं। ममता गुट ने हर वर्ष की तरह धर्मतला स्थित विक्टोरिया हाउस के सामने सभा आयोजित करने की अनुमति के लिए कोलकाता पुलिस को आवेदन दिया है।

ममता बनर्जी ऋतब्रत बनर्जी

दूसरी ओर, ऋतब्रत गुट ने भी खुद को असली तृणमूल बताते हुए उसी स्थान पर रैली की अनुमति मांगते हुए पुलिस आयुक्त को पत्र भेजा है। गौरतलब है कि 21 जुलाई 1993 को कोलकाता में तत्कालीन युवा कांग्रेस नेता ममता बनर्जी नेतृत्व में राज्य सचिवालय अभियान के दौरान पुलिस की गोलीबारी में 13 कार्यकर्ताओं की मौत हो गई थी। 1998 में टीएमसी के गठन के बाद पार्टी ने इन 13 मृतकों की स्मृति में 21 जुलाई को अपना वार्षिक शहीद दिवस बनाना शुरू किया। तब से हर वर्ष कोलकाता में बड़ी रैली आयोजित की जाती है।

ठगी के आरोपियों की तलाश में इंदौर पहुंची तेलंगाना पुलिस

इंदौर, 28 जून (एजेंसियां)। साइबर ठगी के एक मामले की जांच में तेलंगाना पुलिस की टीम रविवार सुबह इंदौर पहुंची। टीम सबसे पहले पलासिया स्थित पुलिस कंट्रोल रूम पहुंची, जहां से उन्हें खजराना थाना भेजा गया। बताया जा रहा है कि पुलिस साइबर फ्रॉड से जुड़े आरोपियों की तलाश में आई थी। सूत्रों के अनुसार, इस कार्रवाई में इंदौर और भोपाल से तीन लोगों को हिरासत में लिए जाने की भी चर्चा है।

खजराना थाना प्रभारी मनोज सेंधव ने बताया कि रविवार सुबह तेलंगाना पुलिस की एक टीम खजराना थाने पहुंची थी। टीम ने साइबर फ्रॉड से जुड़े एक आरोपी के संबंध में जानकारी जुटाई। कार्रवाई के दौरान खजराना पुलिस भी उनके साथ रही और स्थानीय स्तर पर आरोपी की पहचान कर उसे तेलंगाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

24 से ज्यादा ट्रांसफर और ड्रग के खिलाफ एक्शन आईएएस अफसर तुकाराम मुंढे से क्यों खौफ खाते हैं माफिया?

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के कमिश्नर तुकाराम मुंढे एक बड़े राजनीतिक विवाद के केंद्र में आ गए हैं। राज्य विधानसभा में उनके तबादले की कथित कोशिश और इसमें 'इंटरनेशनल ड्रग माफिया' की मिलीभगत को लेकर सनसनीखेज आरोप लगाए गए हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी (शरद पवार) के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग लॉबी ने एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंढे का तबादला सुनिश्चित करने के लिए 250 करोड़ रुपये जमा किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फार्मास्युटिकल और फूड सेक्टर के ताकतवर लोग और भ्रष्ट अधिकारी मिलावट और गैर-कानूनी व्यापार के खिलाफ आईएएस अधिकारी की सख्ती से नाखुश थे।

आव्हाण ने कहा, मैं अगले सोमवार को विधानसभा में इस रैकेट में शामिल सभी बड़े लोगों के नाम उजागर करूंगा। यह मामले ने सदन में तब तूल पकड़ लिया जब बीजेपी विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने मुंढे के काम की

तारीफ की और कहा कि अधिकारी को कम से कम तीन साल तक इस पद पर बने रहना चाहिए। शिवसेना विधायक अर्जुन खोतकर ने दावा किया कि मुंढे को जान से मारने की धमकियां मिली हैं और उनके लिए सुरक्षा बढ़ाने की मांग की। इस बहस पर प्रतिक्रिया देते हुए महाराष्ट्र के खाद्य और औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल ने तुरंत तबादले की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मुंढे को पद से हटाने का कोई सवाल ही नहीं उठता और उनके काम को असरदार बताया। हालांकि, मंत्री ने माना कि विभाग को अभी भी गाड़ियों और बुनियादी ढांचे की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

एक साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की बूंदें ज़रूर पिलाई जानी चाहिए: अनीता

अनाकापल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। बच्चों को पोलियो की बूंदें पिलाई गईं और हमने पोलियो-मुक्त समाज की दिशा में काम किया। आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता ने यह बात कही। एक साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो का टीका लगवाने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि जीवन भर के लिए पोलियो की दो बूंदें ज़रूरी हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सेहत के लिए पोलियो की बूंदें महत्वपूर्ण हैं। आज रायवरम मंडल के सोमदेवुपल्ली गाँव में कई लोग मौजूद थे।

कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। ग्रामीणों ने गृह मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।सोमदेवु गाँव में, वराहा नदी के किनारे सुरक्षा दीवार बनाने के काम की आधारशिला रखी गई। एसडीएमएफ के तहत 95 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले कामों की आधारशिला रखी गई। सोमदेपल्ली गाँव के एमपीयूपी स्कूल में बच्चों को पोलियो का टीका लगाया गया। इसके बाद, मंत्री अनीता ने धर्मवरम अग्रहारम के पास वराहा नदी पर बने नए पेनूगोलु ग्रोन हाउस का उद्घाटन किया।

वेलिगोंडा प्रोजेक्ट से विस्थापित लोगों को आरऔरआर पैकेज के तहत 300 करोड़ रुपये मिले

ओंगोल, 28 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने मार्कापुर जिले के येर्रागोंडापालेम निर्वाचन क्षेत्र में गंटावानीपल्ले के पास प्रतिष्ठित पुला सुब्बैया वेलिगोंडा जलाशय परियोजना के फीडर नहर कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया। नायडू ने गंटावानीपल्ले के पास खेतों में किसानों और वेलिगोंडा परियोजना से विस्थापित लोगों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आरऔरआर) के लिए विस्थापित परिवारों को 300 करोड़ रुपये का चेक सौंपा।

कई किसान भावुक हो गए और कहा, हम वेलिगोंडा परियोजना को पूरा करने के मुख्यमंत्री के संकल्प के लिए उनके आभारी हैं, जो तीन दशकों से हमारा सपना रहा है। उन्होंने नायडू से अपनी आजीविका सुधारने के लिए मार्कापुर में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने का आग्रह किया। नायडू ने कहा, सिंचाई परियोजना के लिए जमीन देना एक बड़ा त्याग है। आप में से कई लोगों ने इस परियोजना के लिए अपने पूर्वजों से मिली जमीन छोड़ दी। वेलिगोंडा परियोजना इस क्षेत्र के चार जिलों की किस्मत बदल देगी। पानी में फ्लोराइड की अधिक मात्रा के कारण स्थानीय लोग स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। मार्कापुर सूखा-प्रवण क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।

उन्होंने कहा, वेलिगोंडा परियोजना की परिकल्पना पूर्व मुख्यमंत्री एनटी रामाराव के कार्यकाल के दौरान की गई थी। जब भी मैं 1995 में प्रकाशम जिले का दौरा करता था, लोग परियोजना को पूरा करने की मांग करते थे। बाद में, हमने इसकी आधारशिला रखी। इस परियोजना की लागत 10,580 करोड़ रुपये होगी। अब तक 6,736 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, और इसे पूरा करने के लिए 3,844 करोड़ रुपये आवंटित करने की आवश्यकता है। परियोजना से विस्थापित लोगों के पुनर्वास पर, कुल 1,932 करोड़ रुपये की आवश्यकता के मुकाबले 1,906 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। नायडू ने कहा, 2024 में एनडीए सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने इस प्रोजेक्ट पर 759 करोड़ रुपये खर्च किए। हाल ही में, आरऔरआर पैकेज के लिए 905 करोड़ रुपये जारी किए गए। आज हमने 2,351 विस्थापित लोगों को 300 करोड़ रुपये दिए।

अनंत अंबानी ने तिरुमाला में श्रीवारी के दर्शन किए

टीटीडी में 27.5 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश

तिरुपति, 28 जून (एजेंसियां)। जाने-माने उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में आयोजित 'श्रीवारी गुड मॉर्निंग सेवा' में भाग लिया। इसके बाद विशेष पूजा की गई और स्वामी का आशीर्वाद लिया गया। इस मौके पर मंदिर के पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ अनंत अंबानी को आशीर्वाद दिया। स्वामीजी ने उन्हें पवित्र वस्त्र और प्रसाद देकर सम्मानित किया। अनंत अंबानी ने मंदिर के अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक की और टीटीडी के तहत चलाई जा रही विभिन्न सेवाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अनंत अंबानी ने टीटीडी के लिए एक बड़ी मदद की घोषणा की।

उन्होंने तिरुमाला घाट रोड पर पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए 27.5 करोड़ रुपये की लागत से 25 इलेक्ट्रिक बसें मुफ्त देने पर सहमति जताई। उन्होंने न केवल बसें देने का वादा किया, बल्कि उनके रखरखाव के लिए जरूरी चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए भी फंड देने की बात कही। साथ ही, इन बसों के ड्राइवरों का खर्च भी रिलायंस संगठन द्वारा उठाया जाएगा; अनंत अंबानी ने स्पष्ट किया कि यह खर्च वे खुद उठाएंगे। दूसरी ओर,

अनंत अंबानी ने तिरुमला बालाजी मंदिर में दर्शन के बाद टीटीडी को 25 इलेक्ट्रिक बसें दान करने का ऐलान किया

वीकेंड होने के कारण तिरुमाला इलाके में भक्तों की भारी भीड़ थी। देश भर से बड़ी संख्या में भक्त स्वामी के दर्शन के लिए आए थे। भक्तों की कतारें शिलातोरनम और बालाजी नगर कैंपस तक लंबी हो गई थीं। इस वजह से, बिना टोकन वाले आम भक्तों को सर्वदर्शन के लिए लगभग 24 से 26 घंटे का समय लग रहा था।

भक्तों की भीड़ के अप्रत्याशित स्तर तक बढ़ने के कारण टीटीडी अधिकारी सतर्क हो गए और महत्वपूर्ण निर्णय लिए। आम भक्तों को प्राथमिकता देने के लिए, टीटीडी ने सोमवार को वीआईपी ब्रेक दर्शन के साथ-साथ श्रीवाणी ट्रस्ट दर्शन को भी रद्द कर दिया। इसके तहत, रविवार से ही भक्तों से कोई सिफारिश पत्र स्वीकार नहीं किया जा रहा है। साथ ही, वेबसाइट पर तुरंत जारी होने वाले 800 टिकटों को भी अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। तिरुमाला में हजारों भक्तों के आने की संभावना को देखते हुए, टीटीडी के वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थिति पर नज़र रख रहे हैं। श्रद्धालुओं को बिना किसी परेशानी के खाने-पीने की चीज़ें उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए हैं।

650 करोड़ के घोटाले में बड़ी कार्रवाई

पूर्व डीजीएचएस वत्सला अग्रवाल गिरफ्तार, सरकार ने 7 कर्मियों को किया निलंबित

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज (डीजीएचएस) डॉ वत्सला अग्रवाल को गिरफ्तार किया है।

एसीबी इससे पहले सीपीए के पूर्व प्रमुख डॉ विनोद कुमार रंगा को गिरफ्तार कर चुकी है। बाद में दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। उधर, दिल्ली सरकार ने केंद्रीय खरीद एजेंसी (सीपीए) के विभिन्न स्टोर्स में जांच के अनियमितताएं मिलने पर पांच फार्मासिस्टों और दो अधिकारियों को तत्काल से प्रभाव निलंबित कर दिया है।

सरकार का कहना है कि दवाओं की खरीद, भंडारण और प्रबंधन में लापरवाही सामने आने पर यह कार्रवाई की गई है। संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय करते हुए इन कर्मचारियों के खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। हालांकि अभी तक इनके नाम सामने नहीं आए हैं।

मामले की जांच जारी है और दोषी पाए जाने वाले अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकारी व्यवस्था में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक लापरवाही अथवा अनियमितता स्वीकार नहीं की जाएगी। यह मामला केंद्रीय प्रोक्योरमेंट एजेंसी (सीपीए) के माध्यम से दिल्ली सरकार के अस्पतालों के लिए सर्जिकल सामग्री, चिकित्सा उपकरणों और अन्य स्वास्थ्य सामग्री की खरीद में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। जांच में टेंडर प्रक्रिया में हेरफेर, बाजार दर से अधिक कीमतों पर खरीद, वास्तविक आवश्यकता के बिना सामान की खरीद, नियमों की अनदेखी तथा कुछ सप्लायर्स को अनुचित लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों की पड़ताल की जा रही है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग में 650 करोड़ रुपये के चिकित्सा उपकरण खरीद घोटाले की जांच में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और खरीद प्रक्रिया से जुड़े वेंडरों समेत कई लोगों को पूछताछ कर रही है। सामने आ रहे तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जल्द कार्रवाई हो सकती है।

तीन फर्जी पुलिसवाले गिरफ्तार, ऐसा आईडी कार्ड बनाया था, जो होता ही नहीं, वर्दी पहन करते थे वसूली

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)। पुलिस की क्राइम ब्रांच ने तीन फर्जी पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी फर्जी पुलिस का अधिकारी बनकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह में शामिल थे। आरोपियों ने मुंबई पुलिस की यूनिट का ऐसा आई कार्ड बनाया था, जो होता ही नहीं है। आरोपी खुद को पुलिस अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करते थे। डीसीपी डिटेक्शन राज तिलक रौशन ने बताया कि ये लोग बकायदा पुलिस स्टीकर की वैन, पुलिस की वर्दी और पुलिस का डंडा, नकली रिवॉल्वर लेकर घूमते थे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी फर्जी सरकारी पहचान पत्र और पुलिस अधिकारी का रौब दिखाकर बैंक से लोन मंजूर कराने का झांसा देकर लोगों से पैसे ऐंठते थे। आरोपियों के पास से नकली पुलिस अधिकारी के नाम पर बने फर्जी पहचान पत्र और अन्य नकली दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मामले में मुंबई के सहार पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अमरावती में वाईसीपी नेताओं पर हमला

जगन ने चेतावनी दी कि रेप अत्याचार का दोगुना जवाब मिलेगा

कडपा, 28 जून (एजेंसियां)। अमरावती में वाईसीपी नेताओं पर हमले की पूर्व मुख्यमंत्री और वाईसीपी नेता वाईएस। जगन मोहन रेड्डी ने कड़ी निंदा की। उन्होंने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू से पूछा, क्या आप सरकार चला रहे हैं या गुंडों का राज? राजधानी क्षेत्र के किसानों के निमंत्रण पर वाईसीपी नेता सीआरडीए संरक्षण समिति के साथ वहां गए थे।

जगन ने कहा, क्या आप ज़मीन के मालिकों को मारना चाहते हैं? आप यह सब किसानों की मुश्किलों और उनके भविष्य के नाम पर कर रहे हैं। आप किसानों के साथ हो रहे भ्रष्टाचार, शोषण और अत्याचार को उजागर करने के बजाय खुद ऐसे जुल्म क्यों कर रहे हैं? क्या पुलिस सुरक्षा देने के लिए है या जुल्म करने के लिए? पास मौजूद दो पुलिस अधिकारियों ने इस हमले में मदद की। यह बहुत ही शर्मनाक हरकत है। जगन ने अपना गुस्सा ज़ाहिर किया। जगन ने पूछा, क्या अमरावती के नाम पर सरकार के अत्याचारों से परेशान किसानों का साथ देना गलत है? जिन लोगों को ज़मीन नहीं दी गई, उन्हें ज़मीन अधिग्रहण के नोटिस भेजकर परेशान किया जा रहा है और उनके खेतों में जाकर सड़कें तोड़ी जा रही हैं।

ये किसान अपने खेतों की मिट्टी और पानी का गैर-कानूनी तरीके से इस्तेमाल कर रहे हैं। ज़मीन से जबरन बेदखल करने का आरोप लगाया गया। किसानों को ज़मीन देने के मामले में मुश्किल हालात पैदा किए गए, और बिना इजाज़त के वापस मिलने वाले प्लॉट का रजिस्ट्रेशन करने का आरोप भी लगा। अगर किसान रो रहे हैं, तो आपको उन्हें भरोसा दिलाना चाहिए। जगन ने चंद्रबाबू से पूछा कि वह गुंडागर्दी क्यों कर रहे हैं। जगन ने पूछा कि अमरावती के नाम पर हज़ारों एकड़ ज़मीन पहले ही ली जा चुकी है।

'राम मंदिर कम दुकान ज्यादा हो गया है'

चढ़ावा चोरी के बीच उद्धव ठाकरे का बड़ा बयान

परभणी, 28 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार (28 जून) को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है। परभणी में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उद्धव ठाकरे ने कहा, राम मंदिर कम दुकान ज्यादा हो गया है। उन्होंने आगे कहा, मंदिर वहीं बनाएंगे, कहते थे। क्यों बनवाना था अब समझ में आया है।

उद्धव ठाकरे ने आगे कहा, राम मंदिर हिंदुओं का पूजा स्थल है, लेकिन बीजेपी ने वहां दुकान खोल ली है और भगवान राम के नाम पर धंधा शुरू कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा, राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की मामले सिर्फ चोरी नहीं बल्कि यह हिंदुओं और हिंदुत्व के साथ धोखा है। रविवार (28 जून) को होने वाली महाराष्ट्र टीईटी के एग्जाम का पेपर लीक हो गया। इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे ने कहा, पेपर लीक होना राज्य के लिए शर्मनाक है। पेपर को लीक करने वाले एक ही खास परिवार के लोग हैं, इसलिए वे बिना किसी मदद के बच जाएंगे और फिर से पेपर लीक की घटनाओं को अंजाम देने के लिए बाहर आ जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, धोखे का कीड़ा महाराष्ट्र को खोखला कर रहा है। वक्त रहते अगर हमने इसे नहीं कुचला तो न ही महाराष्ट्र बचेगा और न ही यह देश बचेगा। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बागी सांसद संजय देशमुख और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला बोला। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने मतदाताओं से एक 'गद्दार' को मैदान में उतारने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और नागरिकों से बीजेपी को राजनीतिक दलबदल के लिए जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। ठाकरे ने चल रही मानसून की बारिश और महाराष्ट्र के राजनीतिक माहौल के बीच तुलना की। बारिश में देरी के बावजूद अपना कृषि कार्य छोड़कर रैली में शामिल होने आए किसानों को धन्यवाद देते हुए, उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बारिश से नई कोंपलें उगती हैं और सड़े हुए पत्ते बह जाते हैं, उसी तरह विरोधी दल भी बह जाएंगे।

पुलिस ने स्कूटर सवार युवकों को रोका तो मिली चांदी ही चांदी

कुरनूल, 28 जून (एजेंसियां)। जिले की अडोनी पुलिस ने गाड़ियों की रूटीन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान, एक स्कूटर संदिग्ध हालत में घूमता हुआ दिखा। पुलिस को स्कूटर में लगभग 13.5 किलो चांदी के बिस्कुट मिले, जिन्हें देखकर वे हैरान रह गए। इनकी कीमत करीब 33 लाख रुपये है। इन दोनों युवकों के पास इनसे जुड़े सही दस्तावेज़ नहीं थे, इसलिए उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए युवक मामिगनूर शहर के रहने वाले शेख शाकिर और अक्षय जाधव वेंडी हैं, जो व्यापारी हैं। वे अडोनी में चांदी की खरीदारी करने के बाद अपने स्कूटर से वापस मामिगनूर जा रहे थे।

रास्ते में पुलिस की चेकिंग के दौरान उन्हें रोका गया। जब उनसे स्कूटर में रखी चांदी के बिस्कुट के बारे में पूछा गया कि उन्होंने इन्हें कहाँ से और किससे खरीदा है, तो वे यह नहीं बता पाए। साथ ही, उन्होंने चांदी की खरीद से जुड़े बिल, इनवॉइस या कोई अन्य सत्यापन दस्तावेज़ भी नहीं दिखाए। इस वजह से पुलिस को चांदी के इस तरह ले जाए जाने पर शक हुआ। ज़ब्त की गई चांदी के बिस्कुट का वज़न 13.5 किलोग्राम था और उनकी कीमत लगभग 33 लाख रुपये थी। स्कूटर के साथ-साथ आरोपियों से दो मोबाइल फ़ोन भी ज़ब्त किए गए।

अस्पतालों और किसानों को बैरल में आसानी से मिलेगा डीजल

सिर्फ दिखाना होगा आईडी प्रूफ सीएम शुभेंदु अधिकारी ने दी बडी राहत

कोलकाता, 28 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य में आम जनता के दैनिक जीवन, आपातकालीन सेवाओं और राज्य की अर्थव्यवस्था के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में कंटेनरों बैरलों में डीजल की आपूर्ति पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण राज्य के कई हिस्सों में संकट गहरा गया था। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए सरकार ने हस्तक्षेप किया है और राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी किया। उनके इस बयान के बाद राज्य के किसानों, अस्पतालों और आपातकालीन सेवा प्रदान करने वाले संगठनों को राहत मिलने की पूरी संभावना है।

डीजल की आपूर्ति पर प्रतिबंध के इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आम जनता के दैनिक जीवन, आपातकालीन सेवाओं और राज्य की अर्थव्यवस्था के सुचारू रूप से बिना किसी बाधा के चलने को सुनिश्चित करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

हाल ही में कंटेनरों में डीजल की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिससे हमारे किसान भाइयों, विभिन्न अस्पतालों और आपातकालीन सेवा प्रदाता संगठनों के कामकाज पर बुरा असर पड़ा था। आम जनता के हितों की रक्षा के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने कड़े कदम उठाते हुए प्रमुख तेल कंपनियों को नए विश्लेषणात्मक निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने स्वास्थ्य सेवा, खाद्य आपूर्ति, कृषि, सार्वजनिक सेवाओं और चाय बागानों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को ईंधन प्रतिबंध नियम से पूरी तरह से छूट देने का निर्देश दिया है।

अकाली दल को बड़ा झटका, पूर्व विधायक दर्शन सिंह शिवालिक ने थामा वारिस पंजाब दे का दामन

लुधियाना, 28 जून (एजेंसियां)। पंजाब की राजनीति में रविवार को एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। शिरोमणि अकाली दल को उस समय बड़ा झटका लगा, जब गिल विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक दर्शन सिंह शिवालिक ने पार्टी छोड़कर वारिस पंजाब दे का दामन थाम लिया। एक कार्यक्रम के दौरान उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस अवसर पर संगठन के प्रमुख नेता और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह तथा वरिष्ठ नेता मनप्रीत सिंह अयाली भी मौजूद रहे। पार्टी में शामिल होने के बाद दर्शन सिंह शिवालिक ने अपने फैसले के पीछे दो प्रमुख कारण बताए। उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं को नशे की दलदल से बाहर निकालना उनकी पहली प्राथमिकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पंथ की रक्षा और उससे जुड़े मुद्दों पर मजबूती से आवाज उठाना भी उनके इस निर्णय का प्रमुख आधार है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार
"जो बदला जा सके उसे बदलो, जो बदला न जा सके उसे स्वीकारो, और जो स्वीकारा न जा सके उससे दूर हो जाओ, लेकिन स्वयं को हमेशा खुश रखो।"

112.72 एकड़ सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश का आरोप

पूर्व सांसद ने टीडीपी सांसद के खिलाफ सीएम से की कार्रवाई की मांग

नानी ने यह भी आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट से महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए गए। उनका दावा है कि पीएमसी बैंक घोटाले से जुड़े धन का इस्तेमाल इस परियोजना में किया गया

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। विजयवाड़ा के पूर्व सांसद केसिनैनी नानी ने टीडीपी सांसद केसिनैनी शिवनाथ पर हैदराबाद के बाहरी क्षेत्र शमशीगुडा में 112.72 एकड़ सरकारी भूमि पर कथित कब्जे की कोशिश का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मामले में हस्तक्षेप कर कार्रवाई की मांग की है। इस शिकायत को कांग्रेस सरकार के लिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे सरकारी एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में नानी ने आरोप लगाया कि टीडीपी सांसद अपने संवैधानिक पद और राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर प्रगति नगर के समीप शमशीगुडा स्थित सर्वे नंबर-57 की 112.72 एकड़ भूमि पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में मेडचल-मलकाजगिरि कलेक्टर द्वारा दायर जवाबी हलफनामे का हवाला देते हुए कहा कि सर्वे नंबर-57 की कुल 274 एकड़ भूमि सरकारी रिकॉर्ड में सरकारी जमीन के रूप में दर्ज है। इसके बावजूद, आरोप है कि केसिनैनी शिवनाथ और उनके बेटे तथा एक्सेला प्रॉपर्टीज के प्रबंध भागीदार केसिनैनी वेंकट चौधरी ने भूमि के एक हिस्से पर अवैध अधिकार हासिल करने की साजिश रची। नानी ने यह भी आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट से महत्वपूर्ण तथ्य छिपाए गए। उनका दावा है कि पीएमसी बैंक घोटाले से जुड़े धन का इस्तेमाल इस परियोजना में किया गया, जिसका उल्लेख उन्होंने 4 अक्टूबर 2023 को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जारी चेतावनी नोटिस के आधार पर किया।

उन्होंने कहा कि एचडीआईएल के 55 प्रतिशत विकास अधिकारों से जुड़े लेनदेन पर रोक लगाने वाले नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के आदेश को भी एक निजी समझौते के जरिए दरकिनार किया गया। पूर्व सांसद के अनुसार, केसिनैनी डेवलपर्स और एक्सेला प्रॉपर्टीज ने टीएस-आरईआरए में पंजीकरण कराए बिना विवादित भूमि पर सैकड़ों मध्यमवर्गीय परिवारों को भूखंड बेच दिए। नानी ने मुख्यमंत्री से मांग की कि एडवोकेट जनरल को निर्देश देकर कलेक्टर के हलफनामे और टीजीआईआईसी के भूमि आवंटन संबंधी रिकॉर्ड सुप्रीम कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत कराए जाएं तथा निजी आवेदनों को खारिज करने की मांग की जाए। उन्होंने हाइड्रा से विवादित 112.72 एकड़ भूमि को अपने कब्जे में लेने, कथित अतिक्रमण हटाने, अवैध निर्माण ध्वस्त कराने और दोषियों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज कराने की भी मांग की। इस शिकायत के बाद हाइड्रा की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो सरकारी जमीन की सुरक्षा के लिए बनाई गई एजेंसी की नजर से प्रगति नगर जैसे प्रमुख इलाके में 112 एकड़ से अधिक भूमि पर कथित कब्जे की कोशिश कैसे बच गई। यह मामला मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के लिए भी राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वह कांग्रेस में शामिल होने से पहले टीडीपी से जुड़े रहे हैं। ऐसे में एक मौजूदा टीडीपी सांसद पर लगे इन आरोपों के बाद अब सबकी नजर राज्य सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की वार्षिक साधारण सभा संपन्न

कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रथम वार्षिक साधारण सभा रविवार को सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में आयोजित की गई। समाज की मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि सभा का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। सभा की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने की। अपने स्वागत भाषण में उन्होंने उपस्थित अग्रबंधुओं का स्वागत करते हुए समाज की विभिन्न गतिविधियों को सफल बनाने में मिले सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि समाज ने एक वर्ष के दौरान अनेक जनहित एवं सामाजिक योजनाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया है। मंच पर कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन, सहमंत्री प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, सलाहकार सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), सभी जोनों के प्रमुख सुरेश कुमार टंडन, पूर्व अध्यक्ष आर.एन. गुप्ता, सुरेश सिंघल, सुभाष कुमार अग्रवाल तथा बैंक्वेट हॉल के चेयरमैन चिमन लाल सुरेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन ने पिछली ईजीएम की कार्यवाही रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। उन्होंने समाज द्वारा एक वर्ष में संचालित योजनाओं का विस्तृत प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। इसमें इंडक्शन चूल्हों का वितरण, जगन्नाथ तीर्थधाम यात्रा, मछली प्रसाद वितरण, महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम, समर कैंप, आयुर्वेदिक उपचार शिविर, फिजियोथेरेपी एवं ऑर्थोपेडिक शिविरों के सफल आयोजन का उल्लेख किया गया। साथ ही आगामी समय में श्रीशैलम यात्रा, शिक्षा सहायता एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित करने की जानकारी दी गई। सभा में सदस्यों द्वारा प्रस्तुत कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इनमें सिकंदराबाद स्थित समाज के बैंक्वेट हॉल की वर्तमान समिति को भंग कर उसका संचालन अग्रवाल समाज तेलंगाना के अधीन करने का निर्णय लिया गया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की प्रथम वार्षिक साधारण सभा सम्मान समारोह में भाग लेते हुए, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल, अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता, सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ. सीमा जैन एवं समाज के सम्मानित सदस्यगण।

एकल नारी योजना में पाई गई अनियमितताओं की जांच के लिए समिति गठित करने तथा दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। श्रीशैलम प्रोजेक्ट के लिए दानदाताओं से प्राप्त राशि का पूरा हिसाब लेकर संबंधित दानदाताओं को उनकी राशि लौटाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया। सभा में यह भी बताया गया कि कई बार अनुरोध के बावजूद पूर्व कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता द्वारा समाज को आय-व्यय का लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं कराया गया, जिसके कारण सभा में वित्तीय विवरण प्रस्तुत नहीं किया जा सका।

इस पर उनके विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा अग्रसेन बैंक द्वारा समाज का खाता फ्रीज किए जाने से उत्पन्न हो रही समस्याओं पर चिंता व्यक्त करते हुए बैंक के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। सभा के दौरान नियमित रूप से कार्य कर रही विभिन्न समितियों के चेयरमैन, विभिन्न योजनाओं में आर्थिक सहयोग देने वाले दानदाताओं, मछली प्रसाद एवं जगन्नाथ यात्रा के स्वयंसेवकों सहित अनेक समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय समिति के सदस्य, विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, विभिन्न समितियों के चेयरमैन एवं वाइस चेयरमैन, पांचों जोनों के जिला समन्वयक तथा उनके सहयोगियों सहित लगभग 600 अग्रबंधुओं ने भाग लिया। अंत में सहमंत्री प्रतीक नरसरिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया, जिसके साथ सभा का समापन हुआ।

तेलंगाना क्रिकेट में हरियाली की नई पहल का प्रस्ताव

'वेरिफाइड ग्रीन क्रिकेट' मॉडल बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना क्रिकेट में एक नई पर्यावरण-अनुकूल पहल की शुरुआत का प्रस्ताव सामने आया है, जिसके तहत प्रत्येक डॉट बॉल, चौके और छक्के के बदले पौधे लगाए जाने की योजना बनाई गई है। इस अभिनव प्रस्ताव को 'ग्रीन इंडिया चैलेंज' के संस्थापक और पूर्व सांसद जोगिनिपल्ली संतोष कुमार ने प्रस्तुत किया है। इस संबंध में उन्होंने हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव एम. जीवन रेड्डी को आधिकारिक पत्र लिखा है। प्रस्ताव में कहा गया है कि तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं जैसे तेलंगाना स्टेट प्रीमियर लीग और तेलंगाना गोल्ड कप में हर डॉट बॉल, चौके और छक्के के आधार पर पौधे लगाए जाएंगे। प्रस्ताव के अनुसार, गेंदबाज की हर डॉट बॉल को अनुशासन का प्रतीक और बल्लेबाज द्वारा लगाए गए हर चौके-छक्के को प्रकृति को समर्पित उपहार के रूप में देखा जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य खेल और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ना है। जोगिनिपल्ली संतोष कुमार ने अपने पत्र में बताया कि

यह विचार हाल ही में लंदन में आयोजित 'क्लाइमेट एक्शन वीक' और 'प्लेइंग फॉर द प्लैनेट' अवधारणा से प्रेरित है, जिसे वैश्विक स्तर पर व्यापक समर्थन मिला है। उन्होंने बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टाटा समूह द्वारा शुरू किए गए ग्रीन डॉट बॉल कार्यक्रम के तहत आईपीएल में पहले से ही डॉट बॉल के आधार पर पौधारोपण किया जा रहा है, जिसके तहत अब तक लगभग 6.4 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। इस नई योजना में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हर पौधे को जियो-टैगिंग के माध्यम से ट्रैक किया जाएगा। प्रत्येक पौधे के सटीक स्थान को जियो-कोऑर्डिनेट्स के साथ दर्ज किया जाएगा, ताकि कोई भी उसकी स्थिति को सत्यापित कर सके। साथ ही, लगाए गए प्रत्येक पौधे की 1000 दिनों तक देखभाल की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रस्ताव में कहा गया है कि आधिकारिक स्कोरकार्ड के आधार पर लगाए जाने वाले पौधों की संख्या तय की जाएगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी। अनुमान है कि एक टी20 मैच में ही सैकड़ों पौधे लगाए जा सकते हैं, और यदि यह मॉडल अपनाया जाता है तो तेलंगाना के 33 जिलों में हर वर्ष एक लाख से अधिक पौधे लगाए जा सकते हैं। इस पहल को दुनिया का पहला 'वेरिफाइड ग्रीन क्रिकेट' मॉडल बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें क्रिकेट को सीधे पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जाएगा। प्रस्ताव में यह भी उल्लेख किया गया है कि इस परियोजना के लागू होने से तेलंगाना के युवा क्रिकेटरों को न केवल खेल के क्षेत्र में, बल्कि पर्यावरण संरक्षण के दूत के रूप में भी वैश्विक पहचान मिल सकती है।

सीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने भी मुख्यमंत्री के आवास पर पी.वी. के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस बीच, विधानसभा अध्यक्ष गड्डम प्रसाद कुमार, विधान परिषद अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी, विधानसभा उपाध्यक्ष बंडा प्रकाश मुदिराज, एमएलसी वाणी देवी, विधानसभा सचिव रेंडला तिरुपति और अन्य अधिकारियों ने भी विधानसभा प्रांगण में पी.वी. नरसिम्हा राव के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और देश के लिए उनकी सेवाओं को याद किया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और महान नेता, भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव की जयंती पर श्रद्धांजलि दी। मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और अद्लूरी लक्ष्मण कुमार ने भी पी.वी. को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज शाम से दिखेगा 'स्ट्रॉबेरी मून'

आसमान में सुनहरी चमक बिखेरेगा चंद्रमा

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में खगोल प्रेमियों और आम जनता के लिए एक खास खगोलीय घटना देखने को मिलेगी। 29 जून की शाम से लेकर 30 जून की सुबह तक आकाश में वार्षिक 'स्ट्रॉबेरी मून' के दर्शन होंगे, जो चंद्रमा उदय होने के बाद एम्बर, शहद-सुनहरे या गर्म नारंगी रंग की आकर्षक आभा में दिखाई देगा। हालांकि चंद्रमा 30 जून की सुबह लगभग 5:27 बजे अपने पूर्ण प्रकाशमान चरण में पहुंचेगा, लेकिन शौकिया खगोलविदों के अनुसार सोमवार शाम का समय इसका सबसे मनमोहक दृश्य प्रदान करेगा।

'स्ट्रॉबेरी मून' नाम मूल अमेरिकी फसल कैलेंडर से लिया गया है, जो स्ट्रॉबेरी के पकने और कटाई के समय को दर्शाता है। वैज्ञानिक रूप से चंद्रमा वास्तव में लाल नहीं होता, लेकिन पृथ्वी के वायुमंडल में प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण यह उदय के समय सुनहरे और नारंगी रंग में दिखाई देता है, जिससे इसका दृश्य और भी आकर्षक हो जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह पूर्णिमा इस वर्ष का अंतिम 'माइक्रो मून' भी है। इस दौरान चंद्रमा पृथ्वी से अपेक्षाकृत अधिक दूरी पर होने के कारण सामान्य पूर्णिमा की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत छोटा और 15 प्रतिशत कम चमकीला दिखाई देता है।

खगोल प्रेमियों को सलाह दी गई है कि यदि मौसम साफ रहे तो वे 29 जून की शाम लगभग 7:30 बजे से 8:30 बजे के बीच बालकनी या छत से इस खगोलीय दृश्य का सबसे सुंदर नजारा देख सकते हैं, जब चंद्रमा का सुनहरा रंग अपने चरम पर होगा। बारिश या बादल दृश्य को बाधित कर सकते हैं, इसलिए साफ आसमान की स्थिति में ही इसका सर्वोत्तम अनुभव संभव होगा।

केसीआर ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने आर्थिक सुधारों को गति प्रदान की और भारत को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया। केसीआर ने यह संदेश सोशल मीडिया पर साझा किया। पूर्व मंत्री हरीश राव ने भारत रत्न पी.वी. नरसिम्हा राव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य का नाम रोशन किया, वे एक असाधारण प्रशासक और नेता थे जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की अमूल्य सेवा की। हरीश राव ने उनकी जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और सोशल मीडिया पर अपने विचार साझा किए। पूर्व मंत्री केटीआर ने भारत रत्न पीवी नरसिम्हा राव को एक कुशल राजनेता, बहुभाषी और आर्थिक सुधारों का अगुआ बताया। उन्होंने चुनौतीपूर्ण दौर में देश को गंभीर आर्थिक संकट से उबारने के लिए पीवी की प्रशंसा की और कहा कि तेलंगाना में उनका जन्म सभी के लिए गर्व का विषय है। केटीआर ने याद दिलाया कि तेलंगाना के इस प्रिय सपूत पीवी नरसिम्हा राव की जन्म शताब्दी समारोह केसीआर के कार्यकाल में भव्य रूप से आयोजित किए गए थे और बताया कि पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय का नाम उन्हीं के नाम पर रखा गया है। केटीआर ने कहा कि बीआरएस सरकार ने न केवल नेकलेस रोड का नाम बदलकर 'पीवी मार्ग' रखा, बल्कि उनकी अमर विरासत को सम्मान देने के लिए उनकी एक विशाल प्रतिमा भी स्थापित की। उन्होंने पीवी को एक दूरदर्शी नेता बताया, जिन्होंने महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों के माध्यम से राष्ट्र की प्रगति को गति दी और कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने में सक्षम एक बहुभाषी के रूप में उनकी दक्षता पर प्रकाश डाला।

टायर फटने से हवा में उछली कार दो लोगों की मौत, छह घायल

नालगोंडा, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर गुंड्रमपल्ली गांव के पास एक कार का टायर फटने से वह अनियंत्रित होकर हवा में उछल गई और विपरीत दिशा से आ रही दो अन्य कारों पर जा गिरी, जिससे भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई जबकि कम से कम छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान कासिरेड्डी देवेंद्र रेड्डी और सरिता के रूप में हुई है, जो नारकेटपल्ली मंडल के अक्कनापल्ली गांव के निवासी बताए गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, पहले एक कार का टायर फटने के बाद वह सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के प्रभाव से वाहन हवा में उछलकर दूसरी ओर से आ रही दो कारों पर जा गिरा, जिससे कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर लंबा जाम लग गया। पुलिस को राहत और बचाव कार्य में भारी मशक्कत करनी पड़ी और क्षतिग्रस्त वाहनों के मलबे से घायलों को निकालने में एक घंटे से अधिक समय लगा। सभी घायलों को चौटुप्पल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 300 लोगों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबरबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) ने सप्ताहांत में शराब पीकर गाड़ी चलाने के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप 300 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।रक्त में अल्कोहल की मात्रा (बीएसी) के स्तर के आधार पर कुल 259 दोपहिया वाहन, छह तिपहिया वाहन, 34 चार पहिया वाहन और एक भारी वाहन के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। पुलिस का कहना है कि सभी दोषियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस ने दोहराया है कि शराब के नशे में गाड़ी चलाना एक गंभीर अपराध है। यदि कोई व्यक्ति नशे की हालत में गाड़ी चलाते हुए पाया जाता है और किसी घातक दुर्घटना का कारण बनता है, तो ऐसे व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

ओवैसी जंक्शन कॉरिडोर विकास कार्य के चलते यातायात में बदलाव

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद यातायात पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) कार्यालय ने जानकारी दी है कि नलगोंडा एक्स रोड से ओवैसी जंक्शन कॉरिडोर के तहत सईदाबाद जंक्शन से यादगिरी थिएटर तक एलएचएस पर एलीवेटेड कॉरिडोर निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

इस कार्य के कारण 25 जून से 1 जुलाई तक अस्थायी रूप से यातायात डायवर्जन और मार्ग परिवर्तन लागू रहेंगे। निर्माण कार्य के चलते सईदाबाद वाई जंक्शन से यादगिरी थिएटर तक का एक तरफ का मार्ग बंद रहेगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे नलगोंडा एक्स रोड से ओवैसी हॉस्पिटल (डीएमआरएल जंक्शन) तक के मार्ग से बचें, क्योंकि आसपास के क्षेत्रों में भारी ट्रैफिक जाम की संभावना है। ट्रैफिक पुलिस ने वैकल्पिक मार्ग भी निर्धारित किए हैं। संतोषनगर और आईएस सदन की ओर जाने वाले वाहनों को सईदाबाद वाई जंक्शन से डीसीपी साउथ ईस्ट ज़ोन कार्यालय, सईदाबाद कानून व्यवस्था थाना, सरस्वती नगर कमान, सांकेश्वर बाजार, इंडियन पेट्रोल बंक, सिंगारेणी कॉलोनी, ओनस रोबोटिक हॉस्पिटल, चंपापेट मेन रोड होते हुए डीएमआरएल रोटरी मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा, जो मुख्य रूप से चार पहिया वाहन, आरटीसी बसों और भारी वाहनों के लिए है। इसी तरह चंचलगुड़ा से सईदाबाद वाई जंक्शन होकर आईएस सदन जाने वाले दोपहिया और तिपहिया वाहन 105 बस स्टॉप, रामालयम कमान, लक्ष्मी नगर, धोबीघाट फैक्ट्री और धोबीघाट जंक्शन मार्ग से जाएंगे। चंपापेट जाने वाले वाहन भी इसी प्रकार वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करेंगे।

चादरघाट से आने वाले भारी वाहन और आरटीसी बसों को नलगोंडा एक्स रोड, मलकपेट गंज, मूसीरामबाग एक्स रोड, गड्डीअन्नाराम, शिवा गंगा थिएटर, हनीफिया मस्जिद, सिंगारनी कॉलोनी और चंपापेट मेन रोड से डायवर्ट किया गया है। ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रैफिक अपडेट देखें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, INDRAKARAN VINOD KUMAR, S/o. Sri. SUDHAKAR REDDY, R/o. H. No. 6-37/11, Plot No.250, Giraikunta New CLY, West Venkatapuram, Alwal (M), Medchal-Malkajgiri Dist, Telangana -500015. I have lost my original Passport bearing No. F4623526, While travelling from my Home West Venkatapuram Alwal to Alwal Main Road, on dated 15-06-2026, If any found pls call on 8008001154.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सरकारी आवास में मिला सीतापुर के डॉक्टर का शव हार्ट अटैक की आशंका

शाहजहांपुर, 28 जून (एजेंसियां)। कांट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात सीतापुर निवासी डॉ राजीव मेहरोत्रा की मृत्यु हो गई। रविवार सुबह परिसर में ही स्थित सरकारी आवास में शव तख्त पर मिला। सुबह बाहर न आने पर पर कर्मचारी उन्हें बुलाने गए तो गेट अंदर से बंद मिला। पुलिस ने गेट तोड़कर शव बाहर निकला। डॉ राजीव वर्ष 2020 से कांट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात थे। आवास में वह अकेले ही रहते थे। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि ह्रदयगति रुकने से मृत्यु होने की आशंका लग रही है। जांच की जा रही है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में

सभी आठ आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी, अब तक 79 लाख बरामद; टिन्नू यादव के घर पुलिस

अयोध्या, 28 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के सभी आठ आरोपियों के घर रविवार को सुबह पुलिस ने एक साथ दबिश दी। टीमें एक साथ सभी के घर पहुंची। घरवालों से पूछताछ शुरू की। साथ ही पड़ोसियों से बातचीत करके जानकारी जुटाई। पुलिस टीम अनुकल्प मिश्रा, अवनीश शुक्ला, मनीष यादव, टिन्नू यादव समेत अन्य आरोपियों के आवासों पर पहुंची। घरों की तलाशी लेने के साथ मौजूद परिजनों के बयान दर्ज किए।

जांच के दौरान स्थानीय लोगों को भी अपने बयान और साक्ष्य पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के घरों के प्रवेश द्वार पर पुलिस बल तैनात रहा, ताकि जांच में किसी प्रकार का व्यवधान न हो और अनधिकृत लोगों का प्रवेश रोका जा सके। इस मामले में

एफआईआर दर्ज किया गया था। जबकि, शुक्रवार को सभी आठ आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। अब पुलिस साक्ष्य जुटाने और मामले की विवेचना को आगे बढ़ाने में जुटी है। बताते चलें कि बीती छह जून को राम मंदिर की चढ़ावा धनराशि में से चोरी का मामला सामने आया था। बाद में मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित की। दो दिन पहले एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी। इसके बाद बृहस्पतिवार की शाम को मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने गणना में शामिल कर्मियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा व पर्यवेक्षणीय कर्मी सुभाष श्रीवास्तव व महासचिव चंपत राय के चालक रामशंकर उर्फ टिन्नू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

कर्मियों ने चढ़ावा धनराशि की चोरी की

रामजन्मभूमि थाने में दर्ज एफआईआर में कृष्ण मोहन ने बताया कि मंदिर में चढ़ावा धनराशि के गबन/चोरी के संबंध में एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी रिपोर्ट से यह तथ्य प्रकाश में आया है कि गणना प्रक्रिया में सेवारत कुछ कर्मियों ने भेंट/चढ़ावा धनराशि की चोरी की है। पर्यवेक्षणीय कार्य में लगे सुभाष श्रीवास्तव और बैंक पर्यवेक्षणीय कर्मी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की भूमिका भी प्रथम दृष्टया है। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सात फेरों का निभाया वचनः पति की जिंदगी बचाने पत्नी बनी किडनी डोनर, चंडीगढ़ में होगा ट्रांसप्लांट

किशनगंज, 28 जून (एजेंसियां)। पति-पत्नी के रिश्ते में प्रेम, समर्पण और त्याग की एक प्रेरणादायक मिसाल सामने आई है। प्रखंड क्षेत्र की 37 वर्षीय सविता देवी ने अपने बीमार पति पूर्व उपमुख्य पार्षद सह वर्तमान उपमुख्य पार्षद (उर्मिला देवी) के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार सिंहा को नया जीवन देने के लिए अपनी किडनी दान करने का निर्णय लिया है। सविता का यह कदम न केवल पारिवारिक समर्पण का उदाहरण है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गया है। जानकारी के अनुसार, कृष्ण कुमार सिंहा की दोनों किडनी खराब हो चुकी है। चिकित्सकों ने उनकी जान बचाने के लिए किडनी प्रत्यारोपण की सलाह दी है। पति की बिगड़ती सेहत को देखते हुए सविता देवी ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी एक किडनी दान करने का फैसला किया। आवश्यक चिकित्सीय जांच और कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद चिकित्सकों ने प्रत्यारोपण की तैयारी शुरू कर दी है।

बंगला खाली करने से पहले

राबड़ी देवी ने सरकार से मांगी सरकारी सामान की पूरी लिस्ट

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी जल्द ही 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने वाली हैं। इससे पहले उन्होंने भवन निर्माण विभाग से बंगले में मौजूद सरकारी सामान की पूरी सूची मांगी है। इसके लिए विभाग को पत्र भी भेजा गया है। राबड़ी देवी ने अपने पत्र में सरकारी आवास का चार्ज रजिस्टर उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। साथ ही विभाग की ओर से दिए गए सभी सरकारी सामान की आधिकारिक सूची भी मांगी है। ताकि बंगला सौंपते समय हर सामान का रिकॉर्ड से मिलान किया जा सके। राबड़ी देवी का उद्देश्य हैंडओवर प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाना है। वह चाहती हैं कि बंगला खाली करते समय किसी तरह का प्रशासनिक या कानूनी विवाद न हो।

आधिकारिक सूची मिलने के बाद उसी के आधार पर सभी सामान का मिलान किया जाएगा। भवन निर्माण विभाग ने 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने के लिए 29 जून तक का समय दिया है। राबड़ी देवी ने विभाग को बताया है कि बंगले में पैकिंग का काम चल रहा है और शिफ्टिंग की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। राबड़ी देवी ने

पत्र में यह भी लिखा है कि उन्हें 39 हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास में निर्माण कार्य पूरा होने की आधिकारिक सूचना अभी तक नहीं मिली है। इसके बावजूद उन्होंने भरोसा दिलाया है कि तय समय के भीतर पुराना आवास खाली कर दिया जाएगा। राबड़ी देवी का यह कदम पहले हुए एक विवाद के बाद काफी अहम माना जा रहा है। जब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने 5 देशरत्न मार्ग स्थित सरकारी बंगला खाली किया था, तब वहां मौजूद सरकारी सामान को लेकर विवाद खड़ा हो गया था।

इसी तरह की स्थिति दोबारा न बने, इसलिए इस बार पहले से ही सरकारी रिकॉर्ड और सामान की सूची मंगाई गई है। सरकारी नियमों के अनुसार आवास खाली करते समय विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए सभी सामान का मिलान जरूरी होता है।

सोनिया गांधी को याद नहीं

कांग्रेस ने अपने शासनकाल में विदेश नीति के स्तर पर कितनी गलतियां कीः शाहनवाज हुसैन

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। गाजा मुद्दे पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की टिप्पणी के बाद भारतीय जनता पार्टी ने उन पर तीखा हमला बोला। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि भारत की विदेश नीति आज दुनिया में मजबूत और प्रभावशाली मानी जाती है, जबकि कांग्रेस अपने शासनकाल की विदेश नीति की गलतियों को भूल गई है। मीडिया से बातचीत के दौरान शाहनवाज हुसैन ने कहा, हमारी विदेश नीति बहुत सक्षम है। सोनिया गांधी को शायद याद नहीं कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में विदेश नीति के स्तर पर कितनी बड़ी गलतियां की थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के समय भारत ने यह मान लिया था कि वह पाकिस्तान के मामलों में दखल नहीं देगा, जबकि वहीं से आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा था।

शाहनवाज हुसैन ने इसे कांग्रेस सरकार की 'बहुत बड़ी भूल' बताया। भाजपा नेता ने कहा कि आज भारत एक मजबूत और सक्षम देश के रूप में दुनिया के सामने खड़ा है। उन्होंने कहा,

भारत की विदेश नीति आज पूरी दुनिया में अलग पहचान रखती है। यही वजह है कि अमेरिका भी हमारा दोस्त है, चीन भी हमारा दोस्त है, रूस भी हमारा दोस्त है, यूक्रेन भी हमारा दोस्त है। ईरान भी हमारा मित्र है और इजरायल भी हमारे साथ अच्छे संबंध रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक साख लगातार बढ़ी है। गल्फ देशों के जितने बड़े सम्मान और अवॉर्ड हैं, उनमें से कई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिल चुके हैं। आज पूरे खाड़ी क्षेत्र में भारत की जो प्रतिष्ठा और प्रभाव है, वह पहले कभी नहीं था।

बिना वैध वीजा के भारत में रह रहे बांग्लादेशी दंपती बांका के जमदाहा ठाकुरबाड़ी से गिरफ्तार

बांका, 28 जून (एजेंसियां)। बिहार के बांका जिले में स्थित प्रसिद्ध जमदाहा ठाकुरबाड़ी में सेवा-पूजा करने पहुंचे एक बांग्लादेशी दंपति और उनके दो बच्चों को पुलिस ने बिना वैध वीजा और दस्तावेज के भारत में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ है कि दंपति ने करीब ढाई महीने पहले 20 हजार रुपये देकर एक दलाल की मदद से अवैध रूप से भारत-बांग्लादेश सीमा पार की थी। अब पुलिस इस पूरे नेटवर्क और इसमें शामिल दलालों की तलाश में जुट गई है। कटोरिया प्रखंड के जमदाहा ओपी क्षेत्र स्थित श्रीश्री 108 पतित पावन राधा-कृष्ण मंदिर में एक दंपति अपने दो बच्चों के साथ सेवा-पूजा के उद्देश्य से पहुंचा था।

मंदिर के संचालक विजय राय को बातचीत के दौरान जब पता चला कि परिवार बांग्लादेश का रहने वाला है, तो उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान दंपति भारत में प्रवेश और निवास से संबंधित कोई वैध वीजा, पासपोर्ट या अन्य कानूनी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बांग्लादेश के बरिशाल जिले के रहने वाले मिल्टन हल्दर और उनकी

पत्नी झुमारानी दास के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने करीब ढाई माह पहले एक दलाल को 20 हजार रुपये देकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था। उनके अनुसार, सीमा पार करने के बाद वे पहले पश्चिम बंगाल पहुंचे, लेकिन पहचान उजागर होने के डर से वहां अधिक दिनों तक नहीं रुके और बाद में उत्तर प्रदेश के वृंदावन चले गए। वहां कुछ समय तक पूजा-अर्चना और सेवा कार्य करने के बाद वे बांका के जमदाहाठाकुरबाड़ी पहुंचे थे। पुलिस ने दंपति के साथ मौजूद दोनों नाबालिग बच्चों को भी विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत किया। अदालत के निर्देश पर दोनों बच्चों को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

लखनऊ अग्निकांड में बड़ा एक्शन, एलडीए के एई समेत 5 और अधिकारी सस्पेंड

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज में हुए भीषण कोचिंग अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस हादसे में 15 मासूमों की दर्दनाक मौत हो गई थी। पीड़ित परिवारों के लिए ये एक ऐसा जख्म है जो ताउम्र रहेगा। वहीं अब इस मामले में लापरवाही बरतने वाले लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के 5 और इंजीनियरों एवं कर्मचारियों पर गाज गिरी है। जानकारी के मुताबिक शासन ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के चर्चित सहायक अभियंता संजय शुक्ला, अधीक्षण अभियंता आनंद मिश्रा, अधिशासी अभियंता शिवेंद्र शुक्ला और अवर अभियंता हेमंत कुमार पर कार्रवाई की गई है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने सुपरवाइजर के रूप में तैनात बेलदार हरपाल को भी निलंबित कर दिया है। वहीं अब अग्निकांड वाली इमारत पर बुलडोजर कार्रवाई करने की तैयारी है।

इमारत मालिक वीरेंद्र शुक्ला को ध्वस्तीकरण का नोटिस जारी कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि जेल में जाकर मालिक को नोटिस थमाया गया है। जिस बहुमंजिला इमारत में कोचिंग सेंटर चल रहा था, उसे बिना किसी नियम-कायदे और बिना सुरक्षा इंतजामों के बनाया गया था।

वीर थे भरत तिवारी तो क्या भोजपुर एनकाउंटर केस में अब राहुल गांधी की एंट्री होगी?

आरा, 28 जून (एजेंसियां)। भोजपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के बेलौटी गांव में भरत तिवारी के परिजनों से मिलने पहुंचे कांग्रेस नेताओं के दौरे ने इस मामले को नया राजनीतिक मोड़ दे दिया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, हरियाणा के बादली से कांग्रेस विधायक कुलदीप वत्स, बक्सर के पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी और भोजपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष डॉ। श्रीधर तिवारी ने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। इस दौरान कुलदीप वत्स ने दावा किया कि वह पूरे मामले की जानकारी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देंगे और जुलाई में प्रस्तावित बिहार दौरे के दौरान राहुल गांधी भी भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात कर सकते हैं। दरअसल, भरत तिवारी मामले को लेकर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक सक्रियता तेज कर दी है।

रविवार को कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भोजपुर जिले के बेलौटी गांव पहुंचे और शोकाकुल परिवार से मुलाकात की। नेताओं ने भरत तिवारी को 'वीर' बताया और परिजनों को भरोसा दिलाया कि पार्टी इस मामले को अंत तक उठाएगी और न्याय दिलाने की लड़ाई में उनके साथ खड़ी रहेगी। इसी कड़ी में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि

बिलौटी पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने दिए बड़े संकेत

अजय राय और हरियाणा से विधायक कुलदीप वत्स ने संकेत दिया है कि राहुल गांधी भरत तिवारी के परिजनों से मिल सकते हैं.

भरत तिवारी मामले में निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और यदि कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर आवाज उठाएगी। इस दौरान उन्होंने राज्य सरकार पर राजनीतिक आरोप भी लगाए। बिलौटी पहुंचने पर अजय राय सबसे पहले भरत तिवारी की मां आशा देवी से मिलकर उन्हें प्रणाम करते हुए कहा कि उनका बेटा भरत तिवारी वीर था। न्याय मिलने तक कांग्रेस परिवार के साथ खड़ी रहेगी। इसके बाद उन्होंने पिता और अन्य परिजनों से भी बातचीत की। इस दौरान भरत के परिजनों ने आरोप लगाया कि परिवार को लगातार पुलिस प्रशासन की ओर से दबाव और धमकियां दी जा रही हैं। परिजनों की बातें सुनने के बाद अजय राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अन्याय के खिलाफ हमेशा लड़ती रही है और इस मामले में भी परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगी।

लालू यादव की बेटी अब अयोध्या तक पहुंचीं

रोहिणी आचार्य बोलीं- मौन तोड़ें पीएम मोदी

पटना, 28 जून (एजेंसियां)। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता और लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री से इस मामले पर प्रतिक्रिया देने की मांग की। रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर छोटे-बड़े मुद्दे पर बोलते और सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हैं, लेकिन अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में उनकी चुप्पी सवाल खड़े करती है।

उन्होंने पूछा कि आखिर प्रधानमंत्री इस संवेदनशील मुद्दे पर मौन क्यों हैं। रोहिणी ने आगे कहा कि भूमि पूजन से लेकर मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा तक का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी ने लिया था। ऐसे में यदि चंदे और चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आया है, तो इसकी जिम्मेदारी और श्रेय कौन लेगा? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कायदे से इसका श्रेय भी मोदी जी को ही लेना चाहिए। रोहिणी आचार्य ने अपने पोस्ट के अंत में कहा कि प्रभु श्रीराम में आस्था रखने वाले देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु इस मुद्दे पर

प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए लिखा कि पर्ची और टेलीप्रॉम्प्टर की मदद ले लीजिए, मगर अपनी चुप्पी तोड़िए। रोहिणी आचार्य के अलावा उनके पिता लालू प्रसाद यादव की पार्टी ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में प्रतिक्रिया दी है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए चढ़ावे की चोरी बेहद शर्मनाक घटना है। भगवान श्रीराम के नाम का इस्तेमाल किसी को भी अपने निजी स्वार्थ के लिए करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। भले ही इस मामले में इस्तीफा दे दिया गया हो, लेकिन इससे दोषियों पर लगा दाग नहीं मिटेगा। इस घटना ने वहां की पूरी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अखिलेश यादव बोले- इनकी निगाहें नेशन नहीं डोनेशन पर हैं

कहा- भाजपा 4सी पर काम कर रही- चंदा, चोरी, चतुराई, चालाकी

प्रयागराज, 28 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रयागराज में कहा किह राम नगरी में हुए कथित 'गोरखधंधे' को समाजवादी पार्टी ने उजागर किया है। इसके बाद सच्चाई सामने आई। अखिलेश ने कहा- कि जो लोग पहले 'नेशन फर्स्ट' की बात करते थे, उनके लिए अब 'डोनेशन फर्स्ट' हो गया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का मानना है कि आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ हुआ है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के मंदिर को लेकर जिस तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं, वह किसी ने सोचा भी नहीं था। उन्होंने कहा- भाजपा 4सी पर काम कर रही है- चंदा, चोरी, चतुराई, चालाकी। अखिलेश यादव दो दिवसीय दौरे पर रविवार को प्रयागराज पहुंचे।

रुद्राक्ष होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा- राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को कई न्यूज चैनल इस मामले पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन कहीं ऐसा न हो कि इन चर्चाओं के बीच पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे दब जाएं। पेपर लीक मामले का जिक्र करते हुए अखिलेश ने आरोप लगाया कि सवाल उठाने वालों पर दबाव

बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में विरोध के बाद कोचिंग संस्थानों को सील किया गया। लखनऊ में हुए अग्निकांड पर उन्होंने कहा कि यदि पर्याप्त अग्निशमन संसाधन होते तो इतनी बड़ी घटना नहीं होती और इतनी जानें नहीं जातीं। उनका दावा था कि आग से ज्यादा लोगों की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। डिप्टी सीएम और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि उनका विभाग खुद बीमार है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं की बात करती है तो उसे बताना चाहिए कि प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) की स्थिति क्या है। उन्होंने दावा किया कि गोरखपुर में 77 में से केवल 9 पीएचसी संचालित हैं, जबकि प्रयागराज में भी बड़ी संख्या में प्राथमिक विद्यालय बंद हुए हैं। सनातन धर्म के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा कि समाजवादी लोग भी चाहते हैं कि सनातन धर्म की रक्षा हो, लेकिन धर्म की आड़ में किसी तरह का गोरखधंधा नहीं होना चाहिए। इस सरकार ने पिछले 10 साल में सुनियोजित तरीके से घोटाला किया है। पेपर लीक भी उसी का हिस्सा है। गोरखपुर में प्राइमरी स्कूल बंद हो गया। प्रयागराज में पेपर लीक बात न करें तो बात अधूरी रह जाएगी।

कल खबर मिली कि आज महाराष्ट्र में होने वाला टीईटी का पेपर लीक हो गया। जो यूपी में पेपर लीक हुआ है। उसका एक एक पन्ना हम दिखा देंगे। पेपर लीक के मुद्दे पर हमारे किसी भी सवाल का जवाब भाजपा ने नहीं दिया। यूपी की सरकार और सरकार बड़े-बड़े दावा करती है, सच्चाई में जाते हैं तो बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी के दिए हुए संविधान के तहत और सम्मान मिलना चाहिए, उसमें बड़े पैमाने पर घोटाला कर रही इसलिए।

कॉन्सटेबल सुनील कुमार शुक्ला बर्खास्त, गणना प्रभारी पर हर महीने 2000 रुपये लेने का आरोप लगाया था

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नरेट ने कॉन्सटेबल सुनील कुमार शुक्ला को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात रहे सिपाही सुनील कुमार शुक्ला ने कुछ दिन पहले गणना प्रभारी और दूसरे लोगों पर 2000 रुपए हर महीने लेने का आरोप लगाया था और चार वीडियो जारी किए थे। हालांकि, जांच के दौरान वह अपने आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं पेश कर सके। इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई।

लखनऊ पुलिस की तरफ से बताया गया कि विभागीय जांच में सोशल मीडिया/मीडिया मंचों के दुरुपयोग, विभागीय अनुशासनहीनता और नियमों के लगातार उल्लंघन के दोषी पाए जाने पर आरक्षी सुनील कुमार शुक्ला पुलिस सेवा से बर्खास्त किए गए हैं। इस मामले में सात मई को एक जांच समिति बनाई गई थी। जांच समिति ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर संबंधित पुलिसकर्मियों के बयान दर्ज किए।

अखिलेश के सामने लखनऊ में खुली सपा की कलह की फाइल

सांसद रुचि वीरा और विधायक कमाल अख्तर आए आमने-सामने

मुरादाबाद, 28 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की मुरादाबाद इकाई में लंबे समय से सुलग रही गुटबाजी आखिरकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के दरबार तक पहुंच गई। लखनऊ में हुई बैठक में मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र की सांसद रुचि वीरा और कांठ विधायक कमाल अख्तर आमने-सामने आ गए। दोनों नेताओं ने खुलकर अपनी-अपनी शिकायतें रखीं। इस दौरान तीखी बहस भी हुई, जिसे शांत कराने के लिए खुद अखिलेश यादव को हस्तक्षेप करना पड़ा। बैठक में राज्यसभा सदस्य जावेद अली, पूर्व नगर विधायक यूसुफ अंसारी, जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव और सांसद प्रतिनिधि खुशनूद अली भी मौजूद रहे। सांसद रुचि वीरा ने आरोप लगाया कि संगठन के कुछ नेता उन्हें लगातार नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई कार्यक्रमों में न तो उनकी तस्वीर लगाई जाती है और न ही उन्हें आमंत्रित किया जाता है। सांसद रुचि कहा कि महानगर अध्यक्ष इकबाल अंसारी किसी भी मौके पर मेरी फोटो तक नहीं लगाते हैं।

इसके अलावा भी कई ऐसे नेता हैं, जो न तो मुझे अपने कार्यक्रम में बुलाते हैं और न फोटो लगाते हैं। हाल ही में मुरादाबाद देहात विधानसभा क्षेत्र में पीडीए सम्मेलन कराया गया। जिसमें उन्हें बुलाया तक नहीं गया है। इससे भाजपा के नेताओं को सपा के खिलाफ बोलने का मौका मिल गया। सपा मुखिया से बात चल ही रही थी कि इस बीच सांसद प्रतिनिधि खुशनूद अली ने कमाल अख्तर पर पार्टी में गुटबाजी फैलाने का आरोप लगा दिया। इस पर कमाल अख्तर भी चुप नहीं रहे। कहा कि आप न बोलें। आप तो बिजनौर के रहने वाले हैं। इस पर उन्होंने जवाब दिया कि आप भी अमरोहा से यहां आकर विधायक बने हैं। सांसद भी इस बीच पर बोल पड़ीं। उन्होंने कहा कि खुशनूद मेरे परिवार के सदस्य हैं। इनके बारे में कुछ गलत बात न कहें।

अमेरिका के हमलों का ईरान ने दिया जवाब

कुवैत से बहरीन तक यूएस ठिकानों पर दागीं मिसाइलें, ट्रंप की धमकी की उड़ाईं धज्जियां

तेहरान, 28 जून (एजेंसियां)। ईरान और अमेरिका के बीच सीजफायर टूटने की कगार पर पहुंच गया है। अमेरिकी सेना ने बीते 24 घंटे में दो बार ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं, जिसके बाद इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने बहरीन से लेकर कुवैत तक मिसाइलों और ड्रोन से अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। उसने चेतावनी भी दी है कि अमेरिका की किसी भी सैन्य कार्रवाई का करारा जवाब दिया जाएगा। ईरानी नेवी ने बयान जारी कर कहा, 'उसकी नौसेना और एयरफोर्स ने रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 2 बजे से 3 बजे के बीच जॉइंट ऑपरेशन चलाया, जिसमें कुवैत के अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन के पोर्ट सलमान स्थित अमेरिकी 5वें बेड़े के मुख्यालय समेत आठ अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन दागे गए।'

ईरान ने कहा कि यह मिलिट्री ऑपरेशन हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों के जवाब में चलाया गया था। आईआरजीसी ने कहा, 'हमलावर दुश्मन, जिसकी आदत ही वादे तोड़ना और समझौतों का उल्लंघन करना है, उसने आज सुबह इस्लामिक रिपब्लिक की पांच तटीय चौकियों पर हमला किया। यह हमला आईआरजीसी नेवी की ओर से नियमों का उल्लंघन करने वाले एक जहाज के खिलाफ की गई कार्रवाई के बहाने किया गया।' ईरान की ओर से यह भी कहा गया कि वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों के नियमों को और सख्त बनाएगा। उसने कहा, 'अब से, उल्लंघन करने वाले जहाजों से पहले से कहीं अधिक सख्ती से निपटा जाएगा। भविष्य में किसी भी प्रकार की शत्रु आक्रामकता, चाहे उसका बहाना कुछ भी हो, उसे करारा जवाब दिया जाएगा- भले ही, जैसा कि कल रात और आज रात के हमलों में हुआ, वह कम महत्व के ठिकानों को टारगेट बनाए।'

आईआरजीसी ने इस्लामाबाद समझौते का हवाला देते हुए अमेरिका पर सीजफायर तोड़ने का आरोप लगाया। उसने कहा, 'दुश्मन को यह पता होना चाहिए कि सीजफायर का उल्लंघन इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन की पहली धारा का उल्लंघन है और इससे सभी प्रक्रियाएं पूरी तरह से निलंबित हो जाएंगी।' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान को धमकी दी थी। उन्होंने कहा कि अमेरिकी विमानों ने युद्धविराम समझौते का बार-बार उल्लंघन करने पर ईरान के मिसाइल, ड्रोन भंडार और रडार ठिकानों पर हमला किया है।

ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान अपनी हरकतें नहीं रोकता तो अमेरिका आगे और बड़ी सैन्य कार्रवाई करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ऐसा हुआ तो इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का अस्तित्व ही समाप्त हो सकता है।

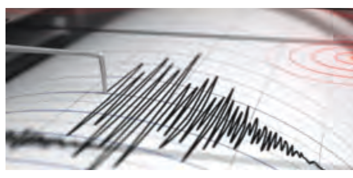

जापान के उत्तर-पूर्वी तट के पास भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 6.1 तीव्रता

टोक्यो, 28 जून (एजेंसियां)। जापान में रविवार सुबह 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसका केंद्र जापान के उत्तर-पूर्वी तट के पास इवाते इलाके के समुद्र में था। यह जमीन से लगभग 40 किलोमीटर नीचे था। भूकंप के झटके आसपास के इलाकों आओमोरी और अन्य क्षेत्रों में भी महसूस किए गए। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने यह जानकारी दी। स्थानीय समय के अनुसार सुबह 7:25 इवाते प्रांत के तट के पास रविवार को भूकंप आया। इसकी गहराई लगभग 40 किलोमीटर थी। इसके झटके आओमोरी प्रांत और आसपास के इलाकों में भी महसूस किए गए। इस भूकंप के बाद किसी तरह की सुनामी चेतावनी जारी नहीं की गई। अभी तक किसी नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। हालांकि, लगातार आ रहे भूकंपों के कारण लोगों में भूस्खलन को लेकर चिंता बढ़ गई है।

टिहरी घेराव के लिए निकले विधायक उमेश और चंद्रशेखर को पुलिस ने रोका कार्यकर्ताओं का हंगामा

हरिद्वार, 28 जून (एजेंसियां)। विधायक खानपुर उमेश कुमार और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद आज भारी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ नई टिहरी घेराव के निकले थे। पुलिस को इसकी भनक लगते ही टीम मौके पर पहुंची। काफिले को भारी पुलिस बल ने हरिद्वार के शंकराचार्य चौक पर रोक दिया। इस दौरान गाड़ियां छोड़कर दोनों नेता कार्यकर्ता और समर्थकों के साथ पैदल ही आगे निकल गए।

पुलिस टीम सीसीआर के पास पहुंची और उन्हें रोका गया। दरअसल, उत्तराखंड के बहुचर्चित केतन हत्याकांड के बाद चंद्रशेखर आजाद पीड़ित परिवार से मिलने के लिए केतन के गांव जा रहे थे। शंकराचार्य चौक पर पुलिस ने काफिले को रोक लिया, जिसके बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। चंद्रशेखर आजाद के समर्थकों की भी बड़ी संख्या मौजूद है और आगे की स्थिति पर नजर बनी हुई है।

अमेरिका-इस्राइल के साथ इटली भी शामिल?

ईरान ने लगाए कई गंभीर आरोप, कहा- ये अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन

तेहरान, 28 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और इस्राइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अब इटली पर भी निशाना साधा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इटली पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एक ओर इटली यह दावा कर रहा है कि उसने ईरान के खिलाफ किसी सैन्य कार्रवाई में हिस्सा नहीं लिया, वहीं दूसरी ओर वह तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता देने की बात स्वीकार कर रहा है। ईरान ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि इटली का बयान विरोधाभासी और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। बघाई ने कहा कि हमलावर देशों को तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता देना एक अवैध युद्ध में सीधी भागीदारी के बराबर है। उन्होंने कहा कि यह केवल सहयोग नहीं, बल्कि एक स्पष्ट और प्रत्यक्ष योगदान है, जिसने अमेरिका और इस्राइल के कथित आक्रामक युद्ध को संभव बनाया। इटली एक तरफ सार्वजनिक रूप से हमलावरों की मदद से इनकार कर रहा है। जबकि दूसरी ओर तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग देने की बात स्वीकार कर रहा है। यह गंभीर अंतरराष्ट्रीय गलत कार्रवाई में शामिल होने जैसा है। तकनीकी और लॉजिस्टिक सहायता देना अवैध युद्ध को सीधे समर्थन देने के बराबर है। ऐसी सहायता संयुक्त राष्ट्र चार्टर की भावना के भी खिलाफ है। इससे पहले इटली के विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से टेलीफोन पर बातचीत की थी। तजानी ने स्पष्ट किया कि इटली ने कभी भी ईरान के खिलाफ किसी सैन्य अभियान में हिस्सा नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि इटली ने अपने किसी भी सैन्य अड्डे को ईरान के खिलाफ युद्ध संबंधी कार्रवाई के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि यह फैसला अमेरिका के साथ हुई संधियों का पूरी तरह सम्मान करते हुए लिया गया है।

इटली के विदेश मंत्री ने बातचीत के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि कई इतालवी मालवाहक जहाज अभी भी इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं, इसलिए समुद्री मार्ग को सामान्य करना जरूरी है। तजानी ने कहा कि तेहरान में इटली के दूतावास को फिर से खोलना संवाद की दिशा में एक सकारात्मक संकेत है और इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक तथा सांस्कृतिक संबंधों को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई: 40 हजार की डील में फंसे अधिकारी, रिश्वत लेते सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार

जम्मू, 28 जून (एजेंसियां)। जम्मू में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने एक सरकारी अधिकारी को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है, जबकि उसके वरिष्ठ अधिकारी को मामले में नामजद किया गया है। जानकारी के अनुसार यह मामला प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट और बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। आरोपी अधिकारियों में सहायक कार्यकारी अभियंता (एईई) रविंदर कुंडू और वरिष्ठ सहायक गुर्दास शामिल हैं। एसीबी के प्रवक्ता ने बताया कि गुर्दास को गिरफ्तार किया गया जब वह एईई रविंदर कुंडू की ओर से रिश्वत ले रहा था।

आरोपी अधिकारी वर्तमान में श्रम विभाग के फैक्ट्री और बॉयलर निरीक्षक कार्यालय में तैनात है। शिकायतकर्ता से फैक्ट्री निरीक्षण से जुड़े मामले को निपटाने के बदले पहले 60,000 रुपये की मांग की गई थी, जिसे बाद में 40,000 रुपये पर तय किया गया। एसीबी ने बताया कि आरोपियों के आवासीय परिसरों पर छापे मारा जा रहा है और मामले की आगे जांच जारी है।

'अयोध्या का गौरव स्थापित करने वाले अखिलेश कौन होते हैं', इंद्रेश कुमार का सपा चीफ पर निशाना

रायपुर, 28 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने बयान दिया कि हम सरकार बनाएंगे और अयोध्या का गौरव स्थापित करेंगे। इसके जवाब में इंद्रेश कुमार ने कहा, अयोध्या का गौरव था, है और सदा रहेगा। गौरव स्थापित करने अखिलेश कौन होते हैं। उन्होंने आगे कहा, क्या वे राम को स्थापित करेंगे, लेकिन राम तो पहले से स्थापित हैं। युगों से स्थापित हैं और जन कण में हैं। राजनेताओं को राजनीति नहीं करनी चाहिए। वो भक्त बनकर जिएं। इस दौरान इंद्रेश कुमार ने कांग्रेस प्रियंका गांधी पर भी तीखा हम बोला है। राम मंदिर दान विवाद पर प्रियंका गांधी ने कहा कि चोरी हो गया। इसको बचाने जिम्मेदारी उन्हीं की है जिन्होंने दान लिया था। इस पर इंद्रेश कुमार ने कहा, एसआईटी है वह हर प्रकार से छानबीन करके जो भी इसमें कसूरवार हैं उनको पकड़ रही है। उन्होंने कहा, किसी भी नेता को इस पर राजनीति करने की जरूरत नहीं है। सरकार, मंदिर ट्रस्ट और समाज इतना जागरूक है वह कोई भी नाइंसाफी नहीं होने देंगे।

मामले पर अखिलेश यादव ने कहा, जनता के दबाव में सरकार को विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करना पड़ा, लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि एसआईटी की रिपोर्ट किसे सौंपी गई और उस रिपोर्ट के आधार पर क्या कार्रवाई की गई। अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या से जुड़ी घटना बेहद दुखद है और इससे पूरे देश के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पहले कहती थी कि देश खतरे में है, लेकिन अब स्थिति ऐसी हो गई है कि लोगों को भगवान की सुरक्षा की चिंता होने लगी है।

कराची में बड़ा अटैक, सिंध रेंजर्स के हेडक्वार्टर पर जमात-उल-अहरार ने बोला धावा, 4 जवानों की मौत, 6 विद्रोही मारे गए

कराची, 28 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने कराची में सिंध रेंजर्स मुख्यालय पर आतंकी हमले को नाकाम करते हुए छह विद्रोहियों को मार गिराया और एक को जिंदा पकड़ लिया। इस हमले में पाकिस्तान के चार जवानों की भी मौत हो गई है। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के अनुसार, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े संगठन जमात-उल-अहरार के विद्रोहियों ने करीब 8:30 बजे कराची के घनी आबादी वाले गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में स्थित सिंध रेंजर्स के भिट्टाई विंग मुख्यालय पर हमला कर दिया। करीब 90 मिनट तक हुई भीषण मुठभेड़ में विशेष सुरक्षा इकाई (एसएसयू) के कमांडो और आतंकवाद रोधी बल (एटीएफ) ने भी रेंजर्स के साथ मिलकर विद्रोहियों से मुकाबला किया। इस हमले में 4 रेंजर्स भी मारे गए। भीषण गोलीबारी के बीच सुरक्षा बलों ने पूरे परिसर और आस-पास की सड़कों को बंद कर दिया। स्थानीय लोगों को घरों के भीतर रहने की सलाह दी गई, जबकि आसपास के कुछ इलाकों में बिजली भी बंद कर दी गई। इस हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली है। यह संगठन टीटीपी से ही जुड़ा हुआ है, जो मुख्य रूप से पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय है

जीतू पटवारी ने मोहन सरकार पर लगाया 500 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप, दिग्विजय सिंह ने दी क्लीन चिट

भोपाल, 28 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस के भीतर चल रही अंदरूनी खींचतान एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के एक बड़े आरोप की हवा खुद उनकी ही पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने निकाल दी है। उज्जैन में दिए दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद भ्रष्टाचार के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश कर रही कांग्रेस खुद बैकफुट पर आ गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पर सीधे घोटाले का आरोप लगाया था।

उनका दावा था कि उज्जैन में सिंधिया परिवार द्वारा बनाई गई करीब 500 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी संपत्ति को मुख्यमंत्री मोहन यादव के सांस्कृतिक सलाहकार श्रीराम तिवारी के वीर भारत न्यास को मात्र 1 की लीज पर दे दिया गया है। जीतू पटवारी ने कहा था, 500 करोड़ की जमीन एक ट्रस्ट को 1 में दे दी गई, यह एक नया खुलासा है। इस ट्रस्ट में श्रीराम जी हैं जो मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार हैं। पीएम नरेंद्र मोदी जी किस मुंह से देश को कहना चाहते हैं कि ना खाऊंगा, ना खाने दूंगा? मुख्यमंत्री से हमारा सवाल है कि 1 में यह जमीन क्यों दी गई?

रविवार को उज्जैन पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने जीतू पटवारी के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए मोहन सरकार के फैसले को क्लीन चिट दे दी। दिग्विजय सिंह ने बकायदा दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि वे बिना रिसर्च के कोई बात नहीं करते। दिग्विजय सिंह ने कहा, प्राइवेट ट्रस्ट नहीं है, यह सरकारी ट्रस्ट है। इस ट्रस्ट के पदेन अध्यक्ष खुद सूबे के मुख्यमंत्री होते हैं। जब कमलनाथ मुख्यमंत्री थे, तब वह भी इसके अध्यक्ष थे। जीतू पटवारी का नाम लिए बिना दिग्विजय सिंह ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, इस देश में दलालों की कमी नहीं है। दलाल लोग झूठे आरोप लगाते हैं और पैसा वसूल करते हैं,

यह सब उसी का खेल है। उन्होंने रजिस्ट्रार पब्लिक ट्रस्ट के दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि 'वीर भारत संस्थान' सार्वजनिक ट्रस्ट के रूप में पंजीकृत है, इसलिए 1 में जमीन देने पर घोटाले का यह आरोप सही नहीं है। दिग्विजय सिंह के इस बयान के बाद बीजेपी को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया है। बीजेपी ने चुटकी लेते हुए कहा कि जीतू पटवारी के आरोपों को खुद उनकी ही पार्टी के सबसे वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने खारिज कर दिया है। बीजेपी का कहना है कि दिग्विजय सिंह ने अपने बयान से यह सिद्ध कर दिया है कि असल में दलाल कौन है।

विजयवर्गीय बोले- संघ में अच्छे लोगों की कमी

मंत्री ने कहा- अब हर अफसर कहता है मैंने भी आरएसएस की चड्डी पहनी है

भोपाल, 28 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा- अब संघ में बहुत भीड़ हो गई है। हमारी संख्या बढ़ गई, हमारी बहुत बड़ी पार्टी बन गई है। जो अधिकारी आता है, वो कहता है मैंने भी संघ की पट्टी बांधी है। आरएसएस की चड्डी पहनी है। कैलाश विजयवर्गीय ने आगे बताया- एक अधिकारी ने मुझसे कहा कि- मेरे पिताजी संघ जाते थे। कोई कहता है कि मेरे पिताजी संघ में अध्यक्ष थे। इस पर तंज कसते हुए कहा- सरकार आने के बाद सभी अधिकारी संघ के हो गए हैं। बीजेपी की सरकार बनने के बाद अधिकारी भी खुद को संघ से जुड़ा बताने लगे हैं। उन्होंने कहा- संघ में लोगों की भीड़ तो हो गई है, लेकिन अच्छे लोगों की कमी है। पहले अच्छे इंसान थे, अब ऐसे इंसानों की संघ में कमी होती जा रही है।

संगठन बढ़ रहा है, विचारधारा भी बढ़ रही है, लेकिन अच्छे लोग नहीं होंगे तो इस विचारधारा का महत्व क्या है? हमें चिंतन और मनन करना चाहिए। कैलाश विजयवर्गीय ने ये बयान भोपाल में शालिगराम तोमर स्मृति कार्यक्रम में दिया है। बयान अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। उनके बयान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा शुरू हो गई है। इसी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी शालिगराम तोमर को याद किया। उन्होंने कहा- शालिगरामजी ने कार्यकर्ताओं को गढ़ने का काम किया। कार्यकर्ताओं की सभी समस्याओं को भी समझते थे। उन्होंने कहा-शालिगरामजी अनुशासन लाने का काम करते थे। मेरी तो शादी भी उन्हीं ने कराई थी। देवधर, मोघेजी जैसे लोगों को देखकर हमें ऊर्जा मिलती है। आज मुझे ऐसा महसूस हो रहा है कि मैं परिषद वाले समय में पहुंच गया हूं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने एक्स पर लिखा- जब खुद मंत्री यह स्वीकार कर रहे हैं कि अधिकारी-कर्मचारियों में खुद को आरएसएस से जुड़ा बताने की होड़ बढ़ गई है, तो यह साफ संकेत है कि सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में ऐसा माहौल बना दिया है।

भ्रष्ट लोग जेल जाने के डर से छोड़ रहे तृणमूल कल्याण बनर्जी का बागी नेताओं पर हमला

कोलकाता, 28 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के जिला अध्यक्ष असित मजूमदार के आह्वान पर आयोजित 21 जुलाई की तैयारी सभा में तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी ने पार्टी छोड़कर जाने वाले नेताओं और भीतर के कथित भ्रष्टाचार पर तीखा हमला बोला। कल्याण ने कहा कि जो लोग तृणमूल कांग्रेस छोड़कर गये हैं, वे वही लोग हैं जिन्होंने सबसे अधिक धन कमाया है और अब खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें कहा गया था कि पार्टी में रहकर भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। सांसद ने कहा- मैं मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगा कि जिन लोगों ने तृणमूल में रहकर चोरी की और धन अर्जित किया है, उन्हें गिरफ्तार किया जाये। इसमें मेरा पूरा समर्थन है। उन्होंने बिना नाम लिए फिरहाद हकीम पर भी निशाना साधा और कहा कि सिर्फ काली को पकड़ने से नहीं होगा, कलम-दवात को भी पकड़ना होगा। कल्याण बनर्जी ने स्नेहाशीष चक्रवर्ती, चंडीतला की विधायक स्वाति खंदकर, चांपदानी के पूर्व विधायक अरिंदम गुइन और संतोष सिंह उर्फ पप्पू का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि 2009 में जिनके घर सामान्य थे, वे आज भव्य भवनों के मालिक बन गये हैं। कल्याण बनर्जी ने आगे आरोप लगाया कि रितब्रत बनर्जी के साथ गये लोग पहले भाजपा में शामिल होना चाहते थे, लेकिन वहां जगह न मिलने के कारण उन्होंने अलग गुट बनाया।

उन्होंने दावा किया कि यह पूरा प्रयास केवल स्वयं को बचाने के लिए किया गया है और इन नेताओं की कोई भी बैठक सफल नहीं हो पायी है। कल्याण ने व्यंग्य करते हुए कहा-रचना बनर्जी कह रही हैं कि क्या मैं सिर्फ तृणमूल के लिए जीती? मैं अपने लिए भी जीती हूं। मेरी बात सुनो, तुम सब बेकार हो।अभिनेत्री को दीदी नंबर 1 कहा जाने लगा और लोग उन्हें देखने के लिए भीड़ बनाकर खड़े हो गए। भगवान का क्या ही खेल है!

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ तीन लड़कियां गिरफ्तार

गुरुग्राम, 28 जून (एजेंसियां)। साइबर सिटी में वजन कम करने के नाम पर लोगों को चूना लगाने वाले एक बड़े कॉल सेंटर का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। साइबर अपराध थाना पश्चिम की टीम ने उद्योग विहार फेज पांच में छापा मारकर तीन महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मौके से 102 मोबाइल फोन, 150 सिम कार्ड और 12 लैपटॉप बरामद हुए हैं। एसीपी गौरव फोगाट के निर्देशन में इंस्पेक्टर संदीप कुमार की टीम ने शनिवार को कार्रवाई की। आरोपित क्यूरेस्ट साइंस एंड वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर हर्बल दवाओं के विज्ञापन चलाते थे।

विज्ञापन पर क्लिक करते ही कॉल सेंटर से फोन आ जाता था। कॉल सेंटर से गिरफ्तार महिलाएं खुद को डॉक्टर, डायटीशियन और ब्यूटीशियन बताकर लोगों को झांसे में लेती थीं। दवा से वजन न घटने पर सौ प्रतिशत रिफंड का वादा करते, फिर नंबर ब्लॉक कर दिया जाता था। जांच में सामने आया कि गैंग ने कई महीनों तक गुजरात में लोगों को इसी तरह फंसाया और करोड़ों रुपये ठगे। हरियाणा, दिल्ली, यूपी समेत कई राज्यों के लोगों को भी निशाना बनाया गया।

स्नान पूर्णिमा महोत्सव आज, भगवान जगन्नाथ बलभद्र और बहन सुभद्रा का होगा पवित्र स्नान

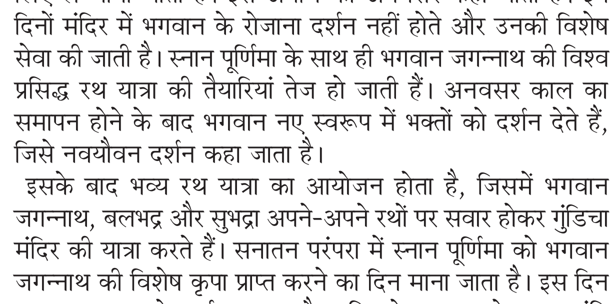

पुरी, 28 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में मनाया जाने वाला स्नान पूर्णिमा महोत्सव साल के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजनों में से एक माना जाता है। यह उत्सव केवल एक विशेष पूजा नहीं, बल्कि विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत का भी प्रतीक है। साल 2026 में स्नान पूर्णिमा का पर्व 29 जून को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का 108 पवित्र कलशों के जल से भव्य महाअभिषेक किया जाएगा। इस दिव्य अनुष्ठान को देखने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचते हैं। स्नान पूर्णिमा, जिसे स्नान यात्रा भी कहा जाता है, ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि पर मनाई जाती है। इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा की प्रतिमाओं को मंदिर के गर्भगृह से बाहर लाकर विशेष स्नान वेदी पर विराजमान किया जाता है। इसके बाद वैदिक मंत्रों और पारंपरिक विधि-विधान के साथ उनका पवित्र अभिषेक किया जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान के दर्शन और पूजा करने से विशेष पुण्य मिलता है और भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। स्नान पूर्णिमा का सबसे प्रमुख आकर्षण भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का 108 कलशों के पवित्र जल से अभिषेक है। मान्यता है कि ये कलश विशेष रूप से मंदिर परिसर के पवित्र कुएं से लाए गए जल से भरे जाते हैं। वैदिक मंत्रों के बीच भगवान का स्नान कराया जाता है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहते हैं। धार्मिक परंपरा के अनुसार, महाअभिषेक के बाद भगवान जगन्नाथ को बुखार आने की मान्यता है। इसी कारण उन्हें लगभग 15 दिनों तक विश्राम के लिए ले जाया जाता है। इस अवधि को अनवसर कहा जाता है। इन दिनों मंदिर में भगवान के रोजाना दर्शन नहीं होते और उनकी विशेष सेवा की जाती है। स्नान पूर्णिमा के साथ ही भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथ यात्रा की तैयारियां तेज हो जाती हैं। अनवसर काल का समापन होने के बाद भगवान नए स्वरूप में भक्तों को दर्शन देते हैं, जिसे नवयौवन दर्शन कहा जाता है।

इसके बाद भव्य रथ यात्रा का आयोजन होता है, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा अपने-अपने रथों पर सवार होकर गुंडिचा मंदिर की यात्रा करते हैं। सनातन परंपरा में स्नान पूर्णिमा को भगवान जगन्नाथ की विशेष कृपा प्राप्त करने का दिन माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु भगवान के दर्शन, पूजा और भक्ति के माध्यम से सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 29 जून - 2026

ड्रग्स तस्करी पर जीरो टॉलरेंस

भारत में मादक पदार्थों की तस्करी कानून-व्यवस्था की चुनौती के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और युवाओं के भविष्य से जुड़ा गंभीर संकट बन चुकी है। सीमापार से होने वाली तस्करी, देश के भीतर बढ़ते संगठित अपराध के मजबूत नेटवर्क ने इस समस्या को और जटिल बना दिया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम में आवश्यक संशोधन की आवश्यकता पर दिया गया जोर समयानुकूल और स्वागतयोग्य है। अब जरूरत इस बात की है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर इस खतरे के विरुद्ध निर्णायक रणनीति अपनाएं। देश में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और अन्य एजेंसियों की कार्रवाई से बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त भी किए जा रहे हैं। इसके बावजूद तस्करों के हौसले बुलंद हैं। सीमावर्ती राज्यों, विशेषकर पंजाब और पूर्वोत्तर के क्षेत्रों में तस्करी का नेटवर्क सक्रिय दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान, म्यांमार और ईरान जैसे देशों से विभिन्न माध्यमों के जरिए नशीले पदार्थ भारत पहुंच रहे हैं। चिंताजनक यह है कि पिछले कुछ वर्षों में देश के भीतर भी चोरी-छिपे मादक पदार्थों का अवैध निर्माण बढ़ा है। वर्ष 2004 से 2014 के बीच जहां लगभग 26 लाख किलोग्राम सिंथेटिक मादक पदार्थ जब्त किए गए थे, वहीं 2014 से 2026 के बीच यह आंकड़ा बढ़कर 1.18 करोड़ किलोग्राम तक पहुंच गया। यह एक ओर एजेंसियों की सक्रियता को दर्शाता है, तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि तस्करी का कारोबार पहले से कहीं अधिक फल-फूल कर व्यापक और संगठित हो चुका है। इसलिए केवल जब्ती के आंकड़ों से संतोष नहीं किया जा सकता, बल्कि इस पूरे नेटवर्क की जड़ों तक पहुंचकर उसे समाप्त करना आवश्यक है। नशीले पदार्थों का कारोबार केवल युवाओं को नशे की गिरफ्त में नहीं धकेलता, बल्कि इससे अर्जित धन का उपयोग संगठित अपराध और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी किया जाता है। कई आपराधिक गिरोह और आतंकी संगठन इसी अवैध कमाई से आधुनिक हथियार खरीदते हैं तथा अपने नेटवर्क का विस्तार करते हैं। इसलिए ड्रग्स तस्करी के खिलाफ कार्रवाई केवल स्वास्थ्य या सामाजिक सुधार का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की अनिवार्य आवश्यकता भी है। सरकार द्वारा 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने की बात निश्चित रूप से सही दिशा में उठाया गया कदम है। इसका वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा जब कानून का भय तस्करों तक पहुंचे। एनडीपीएस अधिनियम को और प्रभावी बनाने, राज्यों के सुझावों को शामिल करने, सीमाओं पर निगरानी बढ़ाने, आधुनिक तकनीक का उपयोग करने तथा जांच एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। साथ ही ड्रग्स माफिया की अवैध संपत्तियों की जब्ती और आर्थिक नेटवर्क को ध्वस्त करना भी जरूरी हो गया है। इसके साथ-साथ समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार, विद्यालय, महाविद्यालय और सामाजिक संस्थाओं को युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलानी होगी। यदि मांग कम होगी तो अवैध कारोबार स्वतः कमजोर पड जाएगा। नशामुक्ति केंद्रों का विस्तार, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर और खेल व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना भी इस समस्या के स्थायी समाधान का हिस्सा होना चाहिए। भारत को नशे के इस काले कारोबार के विरुद्ध केवल कानून के सहारे नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और प्रशासनिक दृढ़ता के साथ व्यापक अभियान चलाना होगा। यदि समय रहते तस्करों और उनके नेटवर्क पर निर्णायक प्रहार नहीं किया गया, तो इसकी सबसे बड़ी कीमत देश की युवा पीढ़ी और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुकानी पड़ेगी। इसलिए अब केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि परिणाम देने वाली कठोर और निरंतर रणनीति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

गांव का पुस्तकालय

आरके जैन

विकास की सच्ची पहचान चौड़ी सड़कों या बड़े उद्योगों से नहीं, बल्कि अवसरों की समान पहुंच से होती है। जब प्रतिभा को अपने ही गांव में भविष्य गढ़ने का अवसर मिले, तभी लोकतंत्र सार्थक होता है। हरियाणा ने 'अटल ई-पुस्तकालय' अभियान से यह उदाहरण प्रस्तुत किया है। राज्य के 985 से अधिक गांवों में स्थापित आधुनिक पुस्तकालय केवल अध्ययन-कक्ष नहीं, बल्कि लाखों ग्रामीण युवाओं के सपनों के नए आधार बन चुके हैं। यहां नवीनतम पुस्तकें, डिजिटल अध्ययन-सुविधाएं, तीव्रगति इंटरनेट, शांत वातानुकूलित वातावरण और एकाग्र अध्ययन का अनुकूल परिवेश उपलब्ध है। परिणामस्वरूप गांव का युवा अब अपने ही गांव से प्रशासनिक सेवाओं, पुलिस सेवा, बैंक, कर्मचारी चयन आयोग, शिक्षक भर्ती तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पूरे आत्मविश्वास के साथ कर रहा है।

इस पहल की सबसे बड़ी उपलब्धि केवल पुस्तकालयों का निर्माण नहीं, बल्कि उस धारणा को बदलना है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल शहरों की पहचान है। वर्षों तक बेहतर संसाधनों की तलाश में ग्रामीण विद्यार्थियों को घर छोड़ना पड़ता था और शिक्षा परिवार पर आर्थिक बोझ बन जाती थी। हरियाणा ने यह स्थिति बदल दी है। अब गांव का विद्यार्थी अपने ही गांव में डिजिटल संसाधनों, राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन अभ्यास परीक्षाओं और नवीनतम अध्ययन सामग्री का लाभ उठाकर बिना पलायन अपने भविष्य की मजबूत नींव रख रहा है। यह केवल सुविधा का विस्तार नहीं, बल्कि शिक्षा के भूगोल में ऐतिहासिक परिवर्तन है। इसने सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा का भविष्य स्थान नहीं, अवसर तय करते हैं।इन पुस्तकालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने अध्ययन को व्यक्तिगत संघर्ष से सामूहिक शक्ति में बदल दिया है। गांव के युवा यहां साथ बैठकर तैयारी करते हैं, समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं, एक-दूसरे की शंकाओं का समाधान करते हैं और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाते हैं। डिजिटल पुस्तकालय और तीव्रगति इंटरनेट उन्हें विश्वस्तरीय ज्ञान, नवीनतम अध्ययन सामग्री तथा बदलते परीक्षा-पैटर्न से निरंतर जोड़ते हैं। जिन सुविधाओं के लिए कभी बड़े शहरों की महंगी कोचिंग और किराए के कमरों पर निर्भर होना पड़ता था, वे आज गांव में ही उपलब्ध हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है, साथ ही परिवार और समाज से जुड़ाव भी बना हुआ है। आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना का सबसे सशक्त और जीवंत स्वरूप आज हरियाणा के इन ग्रामीण पुस्तकालयों में दिखाई देता है। इस व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जमीनी भागीदारी है। पुस्तकालयों का संचालन केवल सरकारी तंत्र नहीं, बल्कि ग्राम पंचायतों की सक्रिय सहभागिता से हो रहा है। इसलिए प्रत्येक पुस्तकालय स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित हुआ है। जहां कृषि संबंधी प्रतियोगी परीक्षाओं की मांग है, वहां उसी अनुरूप अध्ययन सामग्री है; जहां सरकारी नौकरियों की तैयारी प्रमुख है, वहां आवश्यक संसाधन उपलब्ध हैं। यह ऊपर से थोपा गया मॉडल नहीं, बल्कि गांव की जरूरतों से निर्मित व्यवस्था है।

सिद्धांतविहीन होती राजनीति

रघु ठाकुर

भारतीय राजनीति निरंतर पतन से अधःपतन की ओर बढ़ रही है। 30 जनवरी 1948 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या के बाद सत्ताधारी कांग्रेस का नेतृत्व लगभग नियंत्रण मुक्त हो गया था। जो लोकप्रियता खोने के भय या सम्मान के चलते महात्मा गांधी की सलाह कुछ सुनी या मानी जाती थी उसकी भी संभावना समाप्त हो गई थी। 1952 के बाद कांग्रेस सरकार ने अपने वर्चस्व को बनाये रखने के लिये कई प्रकार के अनैतिक उपक्रम शुरू किये। केरल की विरोधी सरकार को दलबदल कर गिराया और ऐसे कई प्रयोग कालान्तर में 1957 और 1962 के बाद कई सूबों में किये गये। विंदेश्वरी प्रसाद मंडल जिनके नाम से मंडल कमीशन जाना जाता है, वे बिहार के मधेपुरा से संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के विधायक चुनकर आये थे और राज्य सरकार में मंत्री थे। उस समय की कांग्रेस पार्टी ने उन्हें मुख्यमंत्री पद का लालच दिया, सरकार गिराई गई और कुछ समय के लिये वे मंत्री बने और फिर उन्हें भी हटा दिया गया। बाद में वही विंदेश्वरी मंडल 1969 में कांग्रेस के विभाजन के समय संगठन कांग्रेस याने मुरारजी कांग्रेस के साथ चले गये। उनके इन्हीं रिश्तों के चलते जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद जब जनता पार्टी की सरकार से उपप्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को मंत्रीमंडल से हटाया गया, तब उनके जनाधार को कम करने के लिये जनता पार्टी के तत्कालीन नेतृत्व ने पिछड़े वर्ग के आरक्षण के लिये आयोग बनाने की बात स्वीकार की और जब वह आयोग बना तब उसका अध्यक्ष उन्हीं वी.पी. मंडल को बनाया, जो पिछड़े वर्ग को धोखा देकर कांग्रेस के हाथ के खिलौना बने थे। देश में दलबदल की शुरुआत कराने वाली भी कांग्रेस और उसके मुखिया थे। जहां कहीं भी प्रतिपक्ष का आधार बढ़ा उसे कमजोर करने के लिये कांग्रेस नेतृत्व ने हर प्रकार के हथकंडे अपनाये। दल के भीतर रहकर, दल के निर्णय के खिलाफ कार्य करने की परिपाटी भी कांग्रेस ने ही शुरू की थी। 1969 में कांग्रेस के विभाजन का एक कारण यह भी था कि कांग्रेस संगठन व सरकार के बीच गहरे मतभेद व टकराव थे। जवाहर लाल नेहरू ने यह परिपाटी शुरू कर दी थी कि संगठन की तुलना में सत्ता सर्वोपरि है और उन्होंने अपने प्रधानमंत्रित्व काल में धीरे-धीरे सत्ता का केंद्रीयकरण किया इसके परिणामस्वरूप या तो संगठन को अप्रभावी बनाया या अपने कब्जे में ले लिया।जवाहर लाल नेहरू के जीवनकाल में श्रीमती इंदिरा गांधी कार्यवाहक अध्यक्ष बनी थीं तथा वह सरकार के निर्णयों को प्रभावित करने लगी थी। राजनैतिक निर्णयों को करने के लिये प्रधानमंत्री पार्टी के नेताओं को इंद्रा जी के पास जाने के इशारे देने लगे थे। एक प्रकार से अप्रत्यक्ष, अलिखित सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसी प्रक्रिया को 1971 के बाद श्रीमती इंदिरा गांधी ने आगे बढ़ाया तथा अप्रत्यक्ष व अलिखित तौर पर सत्ता का नियंत्रक अपने बेटे संजय गांधी को बनाया था। 1969 में कांग्रेस संसदीय बोर्ड ने राष्ट्रपति पद के लिये नीलम संजीव रेड्डी को प्रत्याशी बनाया, इस पार्लियामेंट्री बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री के तौर पर श्रीमती इंदिरा गांधी उपस्थित थीं। उन्होंने न किसी नाम का प्रस्ताव किया और न कोई राय दी व चुप बैठी रहीं तथा बाद में वीवी गिरि को निर्दलीय तौर पर खड़ा कराया, उनका समर्थन किया, कांग्रेस प्रत्याशी को हराकर निर्दलीय प्रत्याशी को ऐनकेन प्रकारेण जिताया। कांग्रेस में अनुशासनहीनता की विधिवत और उच्च स्तरीय शुरुआत तो सश्रीमती गांधी ने की थी। इसी प्रकार की अनेकों घटनाओं का उल्लेख किया जा सकता है, उन्होंने पार्टी को व्यक्ति केन्द्रित बनाया। कांग्रेस के संगठन व ढांचे का विभाजन और पिछलग्गूपन यहीं से शुरू हुआ तथा महात्मा गांधी के जीवनकाल में जो परंपरा रही थी, कि सत्ता की तुलना में संगठन सर्वोपरि है, उस आदर्श परंपरा को मिटा दिया गया। इस व्यक्तिपरक और सत्तापरक सत्ता के प्रभुत्व के सिद्धांत की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी और अब धीरे-धीरे यह परिपाटी लगभग सभी पार्टियों में पहुंच चुकी है। पार्टियों में अब अनुशासनहीनता वक्ती अपराध है याने चाहे वह कांग्रेस हो या भाजपा अब सबकी स्थिति के साथ ही संगठन की स्थिति दोयम दर्जे की है।

जो लोग चुनाव का टिकिट नहीं मिलने पर, मंत्री नहीं बनने पर या मुख्यमंत्री नहीं बनने या हटाये जाने पर किसी सिद्धांत के लिये नहीं बल्कि स्वार्थों के लिये पार्टी छोड़ते हैं, दलबदल करते हैं और बाद में बहुमत में कमी रहती है तब उन्हें ही दलों की सत्ता व संगठन पर वापिसी के नाम पर ससम्मान बुलाती और सत्ता में हिस्सेदारी देती है, जो कार्यकर्ता और विशेषतौर पर जमीनी कार्यकर्ता दल के नीति सिद्धांत से बंधे रहते हैं, उन दल बदलुओं को उनके ही सिर पर थोप दिया जाता है। कुल मिलाकर कोई भी दल हो उसे सत्ता चाहिए, सत्ता के लिये जो भी अनैतिक कार्य करना हो वह करने को सत्ताधारी पक्ष तैयार रहता है। आजकल यह जुमला चल गया है कि भाजपा वाशिंग मशीन है और यह इसलिये कि जिन लोगों को भाजपा ने विपक्ष के रूप में भ्रष्टाचारी कहा, सीबीआई से मुकदमे दर्ज कराये 100-200 करोड़ नहीं बल्कि हजारों करोड़ के आरोप लगाये परंतु अपनी सत्ता बनाने के लिये उन्हें ही ससम्मान वापिस लाकर पूरी पार्टी के सिर पर बैठा दिया गया। अजीत पवार को सरकार बनाने के लिये एनसीपी से तोड़कर उपमुख्यमंत्री की शपथ दिलाई, उनको निर्दोष सिद्ध करने के लिये सीबीआई केस वापिस ले लिये गये और जब वे वापस एनसीपी में चले गये तो उसी सीबीआई ने बेशर्मी के साथ पुनः कार्यवाही की शुरुआत की। क्या सीबीआई के यह कार्य केंद्र की सरकार के इशारे पर नहीं थे? 2023 के विधानसभा चुनाव के समय फिर उन्हें मिलाया, फिर केस हटाया, फिर उपमुख्यमंत्री बनाया।

याने जिन राजनैतिक अपराधों या राजैनतिक अनैतिकता की शुरुआत कांग्रेस ने अपने व्यापक सत्ता के दौरान की थी उन्हीं तरीकों को और अधिक ताकत के साथ भाजपा आगे ले जा रही है। हरियाणा में दलबदल का खेल छुटपुट चलता रहा परंतु देवी लाल को, मुख्यमंत्री पद से हटाने के लिये भजनलाल जो कांग्रेस के थे, पूरे विधायकों के साथ जनता पार्टी में शामिल कराकर मुख्यमंत्री बनाया गया। 1980 के विधानसभा चुनाव में जब कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला और देवीलाल को लगभग बहुमत होने के बाद भी रोकने के लिये कि वह मुख्यमंत्री न बन सकें, श्रीमती इंदिरा गांधी ने जनता पार्टी के मुख्यमंत्री व मंत्रियों याने सारे मंत्री मंडल को वापिस कांग्रेस में शामिल करा दिया। क्या बिगड़ जाता अगर कांग्रेस एक दो राज्यों में अपने विरोधी दलों की सरकार को बर्दाश्त करती और अपनी पार्टी को नैतिक तरीकों से मजबूत बनाती। नैतिकता के सिद्धांत को तो कांग्रेस ने पहले आम चुनाव के बाद ही त्याग दिया दिया था जब समाजवादियों ने कांग्रेस से निकलकर सोशलिस्ट पार्टी बनाई तो आचार्य नरेन्द्र देव के नेतृत्व में कांग्रेस के चिन्ह पर निर्वाचित विधायकों ने विधायक पद से नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दिये थे।

क्या पासपोर्ट नागरिकता का कानूनी दस्तावेज है?

अशोक भाटिया

भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में 'कागज' यानी आधिकारिक दस्तावेजों की भूमिका आम आदमी के जीवन में सर्वोपरि है। जन्म प्रमाण पत्र से लेकर मृत्यु प्रमाण पत्र तक, एक नागरिक का पूरा अस्तित्व सरकारी रिकॉर्ड के पन्नों में सिमटा होता है। इसी व्यवस्था के बीच एक बहुत पुरानी और गहरी सामाजिक धारणा चली आ रही है कि यदि किसी व्यक्ति के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया चमचमाता हुआ वैध 'पासपोर्ट' है, तो वह देश का अकाट्य नागरिक है। आम तौर पर माना जाता है कि पासपोर्ट का होना ही राष्ट्रीयता की अंतिम संप्रभु मुहर है।

लेकिन कानून की दुनिया धारणाओं से नहीं, बल्कि वैधानिक संहिताओं और न्यायिक व्याख्याओं से चलती है। हाल ही में विदेश मंत्रालय द्वारा दिए गए एक स्पष्टीकरण ने इस विषय पर देशव्यापी बहस को दोबारा जीवित कर दिया है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने दो-टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि भारतीय पासपोर्ट मूल रूप से केवल एक यात्रा दस्तावेज है, न कि नागरिकता का अंतिम या संप्रभु प्रमाण । इस बयान ने आम जनमानस में अनगिनत सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि देश की सीमाओं को पार करने की अनुमति देने वाला सर्वोच्च दस्तावेज भी नागरिकता का अकाट्य प्रमाण नहीं है, तो फिर आखिर कानून की नजर में नागरिकता का वास्तविक आधार क्या है? इस पूरे कानूनी पेंच को समझने के लिए हमें भारत के दो अलग-अलग कानूनों के बुनियादी अंतर को समझना होगा। पहला है 'नागरिकता अधिनियम, 1955' और दूसरा है 'पासपोर्ट अधिनियम, 1967'। 'नागरिकता अधिनियम, 1955' भारत में नागरिकता प्राप्त करने, उसके बने रहने या उसकी समाप्ति के लिए एकमात्र संप्रभु कानून है। यह कानून तय करता है कि कौन व्यक्ति भारतीय है और कौन नहीं। इसके विपरीत, 'पासपोर्ट अधिनियम, 1967' मुख्य रूप से एक विनियामक कानून है। इसका प्राथमिक उद्देश्य भारतीय नागरिकों को अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा प्रदान करना, विदेशों में उन्हें भारत सरकार का राजनयिक संरक्षण दिलाना और देश से बाहर जाने व वापस आने की प्रक्रियाओं को विनियमित करना है। अंतरराष्ट्रीय नियमों जैसे इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के तहत, पासपोर्ट पर अंकित 'राष्ट्रीयता विदेशी बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर यह प्रमाणित करने के लिए पर्याप्त है कि संबंधित व्यक्ति किस देश का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन घरेलू स्तर पर, विशेष रूप से जब किसी व्यक्ति की कानूनी नागरिकता पर विवाद खड़ा होता है, तो पासपोर्ट की भूमिका केवल 'प्रथम दृष्टया' साक्ष्य तक सीमित हो जाती है। इसका मतलब यह है कि जब तक किसी व्यक्ति की नागरिकता को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक पासपोर्ट को उसकी भारतीय पहचान का मजबूत आधार माना जाएगा। परंतु, जैसे ही मामला अदालत में जाएगा, पासपोर्ट स्वतः ही एक निर्णायक प्रमाण होने का दर्जा खो देता है। भारतीय न्यायपालिका ने भी समय-समय पर इस कानूनी स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट किया है। अदालतों का हमेशा से यह मानना रहा है कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं के तहत जारी किए गए पहचान पत्र नागरिकता के मूल कानूनी सिद्धांतों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकते।सर्वोच्च न्यायालय का रुख (मेनका गांधी बनाम भारत संघ, 1978)बताता है : इस ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पासपोर्ट को 'व्यक्तिगत स्वतंत्रता' (अनुच्छेद 21) का हिस्सा माना और कहा कि विदेश यात्रा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। हालाँकि, अदालत ने यह भी माना कि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया एक प्रशासनिक कृत्य है, जो पुलिस सत्यापन पर आधारित होती है। चूंकि पुलिस सत्यापन एक सतत प्रक्रिया नहीं है और केवल एक निश्चित समय पर की गई जांच है, इसलिए इसे नागरिकता का स्थायी या अंतिम प्रमाण नहीं माना जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय (मई 2026) के अनुसार एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम भारत निर्वाचन आयोग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने साफ किया कि मतदाता सूची से किसी व्यक्ति का नाम हटने मात्र से उसकी नागरिकता समाप्त नहीं हो जाती और न ही मतदाता सूची में नाम होना नागरिकता का अंतिम प्रमाण है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि नागरिकता का निर्धारण केवल और केवल 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के तहत स्थापित न्यायाधिकरणों या प्रक्रियाओं द्वारा ही किया जा सकता है बॉम्बे हाई कोर्ट ने 2013 में ही यह सिद्धांत प्रतिपादित कर दिया था कि पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम दस्तावेज नहीं है। इसके बाद, अगस्त 2025 में बाबू अब्दुल रऊफ सरदार बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में न्यायमूर्ति अमित बोरकर की पीठ ने इस स्थिति को और कड़ा करते हुए कहा कि केवल आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी होना किसी व्यक्ति को भारत का नागरिक नहीं बनाता। ये दस्तावेज केवल नागरिक सेवाएं प्राप्त करने या कर चुकाने के माध्यम हैं, नागरिकता साबित करने के कानूनी हथियार नहीं। कानूनी विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं के पास पासपोर्ट को नागरिकता का अकाट्य प्रमाण न मानने के पीछे अत्यंत ठोस और तार्किक कारण हैं। इन्हें मुख्य रूप से दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है: धोखाधड़ी और जालसाजी की निरंतर चुनौतियाँ हम एक ऐसी दुनिया में रह रहे हैं जहाँ तकनीक के विकास के साथ-साथ दस्तावेजों की जालसाजी भी अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है।

देश में ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं जहाँ अवैध प्रवासियों या असामाजिक तत्वों ने फर्जी जन्म प्रमाण पत्र, जाली राशन कार्ड या हेरफेर किए गए स्थानीय दस्तावेजों के आधार पर पुलिस सत्यापन को चकमा दिया और वैध भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लिया। यदि भारतीय कानून यह मान ले कि 'पासपोर्ट ही नागरिकता का अंतिम और अकाट्य प्रमाण है', तो भविष्य में किसी भी ऐसे व्यक्ति की नागरिकता को चुनौती देना या उसे देश से निर्वासित करना असंभव हो जाएगा जिसने धोखाधड़ी से पासपोर्ट हासिल कर लिया है। कानून को हमेशा देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए एक ऐसा झरोखा खुला रखना पड़ता है जिससे किसी भी दस्तावेज की वैधता की दोबारा जांच की जा सके 2. 'दोहरी नागरिकता' का अभाव और नागरिकता का स्वतः अवसान भारतीय संविधान का अनुच्छेद 9 देश में एकल नागरिकता का प्रावधान करता है।

आंकड़ों से भविष्य गढ़ने का विज्ञान है सांख्यिकी

योगेश कुमार गोयल

हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी (स्टैटिस्टिक्स) के उपयोग को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 29 जून को 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' मनाया जाता है। आर्थिक नियोजन और सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रो. प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा दिए गए उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उनकी जयंती को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाने के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया था और इस आशय की अधिसूचना भारत के राजपत्र में 5 जून 2007 को प्रकाशित की गई थी। 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' का वर्ष 2026 का विषय है 'प्रशासनिक डेटा की क्षमता को उजागर करना', जो इस तथ्य को रेखांकित करता है कि सरकारी विभागों द्वारा प्रतिदिन एकत्र किए जाने वाले विशाल प्रशासनिक आंकड़े केवल अभिलेख नहीं हैं बल्कि वे नीति निर्माण, सेवा वितरण, पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशी विकास के सबसे प्रभावी उपकरण बन सकते हैं। 29 जून 1893 को कलकत्ता में जन्मे प्रो. पी.सी. महालनोबिस जाने-माने भारतीय सांख्यिकीविद् थे, जिन्होंने 'महालनोबिस दूरी' तैयार करने के अलावा दूसरी पंचवर्षीय योजना में औद्योगीकरण के लिए भारत की रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने दो डेटा सेटों के बीच तुलना का एक माप तैयार किया था, जिसे अब 'महालनोबिस दूरी' के रूप में जाना जाता है।

प्रो. महालनोबिस ने 17 दिसम्बर 1931 को कलकत्ता में भारतीय सांख्यिकी संस्थान की स्थापना की थी, जिसे 1959 में राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकीय गतिविधियों के समन्वय के लिए केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन की स्थापना की।

प्रो. महालनोबिस एक प्रशिक्षित भौतिक विज्ञानी थे, जिन्होंने अपने शिक्षक डब्ल्यू एच मैकाले के कहने पर 'बायोमेट्रिका' नामक एक किताब पढ़ी और वह किताब पढ़ने के बाद ही उनका रुझान सांख्यिकी की ओर होने लगा था।

उसके बाद ही उन्होंने पता लगाया कि मौसम विज्ञान और मानव विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में सांख्यिकी का उपयोग किया जा सकता है। यही उनके वैज्ञानिक जीवन में बेहद महत्वपूर्ण क्षण साबित हुआ। भारत में एंथ्रोपोमेट्री अथवा मानव माप के अध्ययन के क्षेत्र में वे अग्रणी थे और उन्होंने बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण तथा नमूनाकरण विधियों के डिजाइन में भी सहायता की। उन्होंने फेल्डमैन-महालनोबिस मॉडल बनाया, जो आर्थिक विकास का एक नव-मार्क्सवादी मॉडल था, जिसका उपयोग भारत की दूसरी पंचवर्षीय योजना में किया गया, जिसने देश में तेजी से औद्योगीकरण को बढ़ावा दिया। उन्होंने भारत के पहले योजना आयोग में भी काम किया और उन्हें उनके महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पद्म विभूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बड़े पैमाने पर नमूना सर्वेक्षण करने के लिए उन्होंने नई तकनीकों का आविष्कार किया और अव्यवस्थित नमूने की विधि का उपयोग करके एकड़ और फसल की पैदावार की गणना की। लोगों के विभिन्न समूहों की सामाजिक आर्थिक स्थितियों की तुलना करने के लिए उन्होंने फ्रैक्टाइल ग्राफिकल विश्लेषण नामक एक सांख्यिकीय पद्धति भी तैयार की। बाढ़ नियंत्रण के लिए उन्होंने सांख्यिकी को आर्थिक नियोजन में भी लागू किया। 28 जून 1972 को कलकत्ता में प्रो. महालनोबिस का निधन हो गया। सांख्यिकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्यों और योगदान के सम्मान में ही हर साल 29 जून को राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस मनाया जाता है।

माना जाता है कि सांख्यिकी की उत्पत्ति हजारों वर्ष पूर्व की गई जनगणना में हुई थी लेकिन एक विशिष्ट वैज्ञानिक अनुशासन के रूप में इसे 19वीं शताब्दी की शुरुआत में आबादी, अर्थव्यवस्थाओं और नैतिक कार्यों के अध्ययन के रूप में और बाद में उस शताब्दी में ऐसी संख्याओं के विश्लेषण के लिए गणितीय उपकरण के रूप में विकसित किया गया था। राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सही मायनों में लोगों को यह समझाता है कि नीतियों को आकार देने और तैयार करने में सांख्यिकी किस प्रकार मदद करती है और इस दिवस को मनाते हुए यह उम्मीद की जाती है कि यह आयोजन सामाजिक-आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता बढ़ाएगा।

प्राकृतिक आपदाओं की जानकारी के संबंध में रिपोर्ट भेजने के लिए हम प्रायः कुछ एजेंसियों अथवा विभागों की घोषणाओं पर ही भरोसा करते हैं। दरअसल भूकम्प, मौसम और ज्वालामुखी संबंधी भविष्यवाणियों की गणना सांख्यिकीय तरीकों की एक श्रृंखला के माध्यम से ही की जाती है। रिकॉर्ड और फॉर्मूले के बगैर हम यह अनुमान ही नहीं लगा सकते कि नवीनतम तूफान या कोई बड़ा भूकम्प कब आएगा और ऐसे में हम इसके अभाव में समय रहते आवश्यक सावधानियां नहीं बरत सकते। इसके लिए आंकड़े ही हमें सचेत करते हैं ताकि हम आपातकालीन स्थिति के लिए पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकें, जिससे जान-माल का नुकसान न्यूनतम हो सके।सांख्यिकी अनुभवजन्य डेटा एकत्र करने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने और प्रस्तुत करने के तरीकों के विकास और अध्ययन से संबंधित विज्ञान है। यह गणित की वह शाखा है, जिसमें आंकड़ों का संग्रहण, प्रदर्शन, वर्गीकरण और उसके गुणों के आकलन का अध्ययन किया जाता है।

आखिरी आवेदन

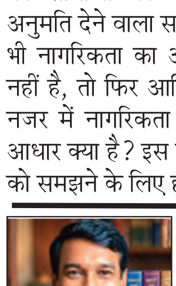

सुरेश कुमार मिश्रा

नगर निगम के पुराने रिकॉर्ड रूम में एक आवेदन मिला। धूल से भरा हुआ, किनारों से पीला पड़ चुका और ऊपर लाल स्याही से लिखा था, अति आवश्यक।

यह कोई नई बात नहीं थी। हमारे यहाँ अति आवश्यक का मतलब अक्सर यही होता है कि उसे सबसे पहले भुला दिया जाए। फाइलें भी शायद यही सोचती होंगी कि जिस पर जितना बड़ा अति आवश्यक लिखा हो, उतनी ही गहरी नींद सोना चाहिए।

क्लर्क रामदीन ने आवेदन खोला। तारीख़ देखकर चौंक गया। आवेदन पैंतीस साल पुराना था।

उसमें लिखा था - महोदय, मेरे मोहल्ले में पीने का पानी नहीं आता। बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। कृपया पानी की व्यवस्था कर दीजिए।₹ नीचे हस्ताक्षर थे ₹रघुनाथ प्रसाद।₹ रामदीन को हँसी आ गई। पैंतीस साल पुरानी प्यास। सरकारी भाषा में इसे इतिहास कहते हैं। फाइल अफसर के पास पहुँची। अफसर ने गंभीर चेहरा बनाया। सरकारी गंभीरता वैसे भी सबसे सस्ती चीज़ है। मुफ़्त में मिल जाती है। उसने कहा, मामला संवेदनशील है। तुरंत जाँच हो।

जाँच अधिकारी पहुँचे। रिपोर्ट बनी। रिपोर्ट पर रिपोर्ट बनी। फिर रिपोर्ट की समीक्षा हुई। फिर समीक्षा की समीक्षा हुई। इतनी समीक्षा हुई कि समस्या को खुद शक होने लगा कि वह वास्तव में समस्या है भी या नहीं। आख़िरकार निर्णय हुआ कि आवेदक को बुलाया जाए। नोटिस जारी हुआ। नोटिस वापस आ गया। कारण लिखा था पता नहीं मिला। अफसर नाराज़ हो गया। उसने कहा, पूरा पता ढूँढो। जनता की समस्या हमारी प्राथमिकता है। यह वही वाक्य था जिसे हर अधिकारी उतनी ही सहजता से बोलता था जितनी सहजता से बच्चा कविता सुनाता है। पूरे शहर में खोज शुरू हुई। आख़िर एक बूढ़ा आदमी मिला जिसने रघुनाथ प्रसाद का नाम सुना था। उसने बताया, अरे, वह तो बहुत अच्छे आदमी थे। रोज़ दफ्तर के चक्कर लगाते थे। कहते थे पानी आ जाए तो बच्चों की ज़िंदगी बच जाएगी। फिर? फिर कुछ बच्चे बीमार पड़ गए। एक मर गया। बाकी बड़े होकर शहर छोड़ गए। रघुनाथ भी एक दिन मर गए। कमरे में सन्नाटा छा गया। लेकिन सरकारी मशीनरी सन्नाटे से नहीं रुकती। वह दुख से भी नहीं रुकती। वह सिर्फ़ लंच टाइम पर रुकती है। अफसर ने कहा, फिर भी प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए। पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए। पता चला कि रघुनाथ के नाम से अब कोई जीवित नहीं है।फिर भी फाइल चलती रही। क्योंकि हमारे यहाँ इंसान मर सकता है, प्रक्रिया नहीं।

मामला राज्य स्तर तक पहुँचा। वहाँ से आदेश आया कि मानवता के आधार पर आवेदन स्वीकार किया जाए। पूरा विभाग खुश हो गया। पैंतीस साल बाद न्याय मिलने वाला था। समाचार पत्रों को सूचना भेजी गई। मंच सजाया गया। बैनर लगे। नेताओं को बुलाया गया। अधिकारियों ने भाषण तैयार किए। सबको लगा कि यह संवेदनशील प्रशासन की ऐतिहासिक उपलब्धि है। समारोह वाले दिन एक बड़ा पानी का टैंकर उस मोहल्ले में भेजा गया जहाँ कभी रघुनाथ रहता था। कैमरामैन कैमरे लेकर खड़े थे। नेता मुस्कुरा रहे थे। अधिकारी गर्व से सीना फुलाए हुए थे। फिर अचानक एक बूढ़ी औरत आगे आई। उसकी आँखें धँसी हुई थीं। उसने पूछा, यह पानी किसके लिए है?अधिकारी ने गर्व से कहा, रघुनाथ प्रसाद के आवेदन पर कार्रवाई हुई है। बूढ़ी औरत काँप गई। धीरे से बोली, मैं उनकी पत्नी हूँ। भीड़ शांत हो गई। अधिकारी मुस्कुराए। उन्हें लगा अब धन्यवाद मिलेगा। लेकिन वह औरत रोने लगी। बहुत देर तक रोती रही। फिर उसने कहा, साहब, पानी अब मत भेजिए।अधिकारी चौंक गया। क्यों? बूढ़ी औरत ने सामने श्मशान की तरफ़ इशारा किया। कहा, रघुनाथ वहीं हैं। उनका बेटा भी वहीं है। उनकी बेटी भी वहीं है। मैं भी अब कुछ दिनों की मेहमान हूँ।

ज्येष्ठ मास की अंतिम तिथि आज

भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण का करें अभिषेक, हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर करें सुंदरकांड का पाठ

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पूजा-पाठ के साथ ही नदी स्नान और भगवान सत्यनारायण की कथा पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है। इस दिन किए गए धर्म-कर्म से अक्षय पुण्य मिलता है। अक्षय पुण्य यानी ऐसा पुण्य, जिसका असर जीवनभर बना रहता है। पूर्णिमा तिथि पर ज्येष्ठ खत्म होगा और फिर अगले दिन यानी 30 जून से आषाढ़ मास शुरू हो जाएगा। पूर्णिमा पर गंगा, यमुना, अलकनंदा, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। अगर किसी कारणवश नदी तक जाना संभव न हो, तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए। स्नान के दौरान सभी पवित्र नदियों, तीर्थस्थलों और देवस्थानों का ध्यान करना चाहिए। ऐसे स्नान करने से भी तीर्थस्नान के समान पुण्य मिल जाता है। ऐसी मान्यता है। पूर्णिमा पर सुबह जल्दी जागना चाहिए और सूर्योदय के समय सूर्यदेव की पूजा से करनी चाहिए। स्नान के बाद तांबे के लोटे में जल भरकर सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। अर्घ्य देते समय ॐ सूर्याय नमः मंत्र का जप करें। इस दिन भगवान विष्णु और माता महालक्ष्मी का विधिपूर्वक अभिषेक करना चाहिए। दक्षिणावर्ती शंख में दूध लेकर उसमें थोड़ी-सी केसर मिलाएं और इस केसर मिश्रित दूध से भगवान का अभिषेक करें। इसके बाद शुद्ध जल से पुनः अभिषेक करें। भगवान को पीले रंग के सुंदर वस्त्र अर्पित करें। सुगंधित पुष्पों से उनका श्रृंगार करें। इत्र चढ़ाएं। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं, धूप-दीप प्रज्वलित करें। ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करते हुए आरती करें। पूजा के बाद परिवार और अन्य लोगों में प्रसाद वितरित करें, स्वयं भी लें। घर के मंदिर में विराजमान भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बाल गोपाल की भी विशेष पूजा-अर्चना करनी चाहिए। बाल गोपाल का अभिषेक करके नए वस्त्र पहनाएं। पुष्पों से श्रृंगार करें। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। बाल गोपाल को माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ अर्पित करें, धूप-दीप जलाकर आरती करें। भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा के साथ ही श्रीमद् भगवद् गीता, विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों का पाठ भी कर सकते हैं। ग्रंथों का पाठ अपने समय के अनुसार कर सकते हैं।

पूर्णिमा पर भगवान हनुमान की भी विशेष पूजा की जाती है। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। अगर पर्याप्त समय उपलब्ध हो, तो सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। आप चाहें तो राम नाम का जप भी कर सकते हैं।

वट पूर्णिमा व्रत के दिन क्या करें क्या न करें? पूजा से पहले जान लें ये जरूरी नियम

वट पूर्णिमा व्रत का व्रत सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और सुख-समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना से रखती हैं। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से बरग के वृक्ष की पूजा करने और सावित्री-सत्यवान की कथा सुनने से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसे में यदि आप यह व्रत करने जा रही हैं, तो पूजा से पहले कुछ जरूरी नियम और सावधानियां जान लेना बेहद जरूरी है।

हिंदू धर्म में सुहागिन महिलाओं के लिए वट पूर्णिमा व्रत का विशेष महत्व है। यह व्रत विवाहित महिलाओं द्वारा अपने पति की लंबी आयु, अच्छी सेहत और सुख-समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना के लिए बेहद श्रद्धा और विश्वास के साथ रखा जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन माता सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और पातिव्रत धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस मांग लिए थे। मुख्य रूप से यह पर्व महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और पश्चिमी भारत के राज्यों में बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस साल 29 जून 2026, सोमवार को वट पूर्णिमा का व्रत रखा जाएगा। यदि आप भी इस साल यह पवित्र व्रत रखने जा रही हैं, तो पूजा से पहले इसके जरूरी नियम जरूर जान लें।

वट पूर्णिमा व्रत 2026 कब है?

द्रिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि 29 जून 2026 को सुबह 3:06 बजे शुरू होगी और 30 जून 2026 को सुबह 5:26 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर वट पूर्णिमा व्रत 29 जून 2026, सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन विवाहित महिलाएं व्रत रखकर बरगद के वृक्ष की पूजा करेंगी और अपने पति के सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना करेंगी।

वट पूर्णिमा के दिन क्या करें?

वट पूर्णिमा के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और साफ या नए कपड़े पहनें। इसके बाद भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और माता सावित्री का स्मरण करते हुए व्रत का संकल्प लें। पूजा के समय बरगद के वृक्ष पर जल अर्पित करें, रोली, अक्षत, फूल, धूप, दीप और फल चढ़ाएं।

इसके बाद कच्चा सूत या मौली लेकर बरगद के पेड़ की परिक्रमा करते हुए उसे लपेटें। सावित्री-सत्यवान की कथा सुनें या पढ़ें और अपने पति की लंबी आयु, अच्छे स्वास्थ्य तथा सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करें। इस दिन जरूरतमंद लोगों को दान-पुण्य करना और भगवान का ध्यान करना भी शुभ माना जाता है।

वट पूर्णिमा के दिन क्या न करें?

वट पूर्णिमा के दिन क्रोध, झूठ, विवाद और किसी का अपमान करने से बचना चाहिए। पूजा के दौरान जल्दबाजी न करें और पूरे श्रद्धाभाव से पूजा को पूरा करें। बरगद के पेड़ की बेवजह टहनियां या पत्तियां नहीं तोड़नी चाहिए, क्योंकि इसे पवित्र माना जाता है। व्रत के दिन मांस, मदिरा, तामसिक भोजन और किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। इसके अलावा मन में नकारात्मक विचार न आने दें और परिवार के सदस्यों के साथ प्रेम व सम्मान का व्यवहार करें। मान्यता है कि सच्ची श्रद्धा, संयम और सकारात्मक सोच के साथ किया गया वट पूर्णिमा व्रत अधिक फलदायी माना जाता है।

वट पूर्णिमा व्रत का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट पूर्णिमा व्रत का संबंध माता सावित्री और उनके पति सत्यवान की कथा से जुड़ा है। कहा जाता है कि माता सावित्री ने अपने अटूट प्रेम, तप और दृढ़ संकल्प के बल पर यमराज से अपने पति के प्राण वापस लिए थे। तभी से यह व्रत अखंड सौभाग्य और दांपत्य जीवन की खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। बरगद के वृक्ष को भी हिंदू धर्म में बहुत ही पवित्र माना गया है। इसकी लंबी आयु और विशाल स्वरूप को स्थिरता, समृद्धि और लंबे जीवन का प्रतीक माना जाता है।

क्या है स्ट्रॉबेरी मून की कहानी, वट पूर्णिमा पर दिखेगा आसमान में गजब नजारा?

इस साल जून का महीना खगोल प्रेमियों और त्योहार मनाने वालों के लिए बेहद खास होने जा रहा है। आने वाली 29 जून यानी ज्येष्ठ पूर्णिमा को जहां देश भर में महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए वट पूर्णिमा का व्रत रखेंगी, वहीं इसी रात आसमान में एक दुर्लभ और बेहद खूबसूरत नजारा भी देखने को मिलेगा। इस रात आसमान को चमकाएगा स्ट्रॉबेरी मून। आइए जानते हैं क्या है स्ट्रॉबेरी मून और क्यों यह आम दिनों से अलग होने वाला है।

द्रिक पंचांग के अनुसार, 29 जून 2026 को ज्येष्ठ पूर्णिमा के साथ ही वट पूर्णिमा का पावन पर्व मनाया जाएगा। इस दिन धार्मिक महत्व के साथ-साथ खगोल विज्ञान के नजरिए से भी एक खास घटना देखने को मिलेगी। 29 जून की रात आसमान में 'स्ट्रॉबेरी मून' दिखाई देगा। हर साल जून महीने की पूर्णिमा को इसी नाम से जाना जाता है। हालांकि, नाम सुनकर कई लोगों को लगता है कि चांद का रंग स्ट्रॉबेरी की तरह लाल या गुलाबी होगा, लेकिन इसकी असली कहानी कुछ और ही है। आइए जानते हैं।

क्या होता है स्ट्रॉबेरी मून?

स्ट्रॉबेरी मून जून महीने में पड़ने वाली पूर्णिमा का पारंपरिक नाम है। यह नाम किसी वैज्ञानिक कारण से नहीं, बल्कि उत्तरी अमेरिका की प्राचीन जनजातियों की परंपरा से जुड़ा हुआ है। वहां जून के महीने में जंगली स्ट्रॉबेरी पकने लगती थी। इसी वजह से उस समय दिखाई देने वाली पूर्णिमा को स्ट्रॉबेरी मून कहा जाने लगा। समय के साथ यह नाम पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया और अब जून की पूर्णिमा को इसी नाम से जाना जाता है।

क्या होता है स्ट्रॉबेरी मून?

स्ट्रॉबेरी मून जून महीने में पड़ने वाली पूर्णिमा का पारंपरिक नाम है। यह नाम किसी वैज्ञानिक कारण से नहीं, बल्कि उत्तरी अमेरिका की प्राचीन जनजातियों की परंपरा से जुड़ा हुआ है। वहां जून के महीने में जंगली स्ट्रॉबेरी पकने लगती थी। इसी वजह से उस समय दिखाई देने वाली पूर्णिमा को स्ट्रॉबेरी मून कहा जाने लगा। समय के साथ यह नाम पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया और अब जून की पूर्णिमा को इसी नाम से जाना जाता है।

क्या सच में गुलाबी या लाल दिखता है चांद?

अक्सर लोग सोचते हैं कि स्ट्रॉबेरी मून का मतलब गुलाबी रंग का चांद होता है, लेकिन ऐसा नहीं है। सामान्य परिस्थितियों में चांद का रंग सफेद या हल्का सुनहरा ही दिखाई देता है। हालांकि, जब चंद्रमा क्षितिज के करीब होता है, तब पृथ्वी के वातावरण में मौजूद धूल, नमी और अन्य कणों की वजह से उसका रंग हल्का पीला, नारंगी या लालिमा लिए हुए दिखाई दे सकता है। यह पूरी तरह प्राकृतिक प्रकाशीय प्रभाव होता है।

इस बार क्यों रहेगा खास?

29 जून 2026 की पूर्णिमा कई लोगों के लिए खास रहने वाली है। खगोलविदों के अनुसार, इस दौरान चंद्रमा क्षितिज के काफी करीब नजर आएगा। इसी कारण वह सामान्य दिनों की तुलना में बड़ा और ज्यादा चमकदार महसूस हो सकता है। हालांकि, यह वास्तविक आकार में बड़ा नहीं होता, बल्कि इसे मून इल्यूजन कहा जाता है। जब चांद क्षितिज के पास होता है, तो आसपास मौजूद पेड़, इमारतें और बाकी चीजें उसे हमारी आंखों को अधिक विशाल दिखाती हैं।

कब और कैसे देखें स्ट्रॉबेरी मून?

अगर मौसम साफ रहा तो 29 जून की शाम सूर्यास्त के बाद पूर्व दिशा में चंद्रमा का सुंदर नजारा देखा जा सकेगा। जैसे-जैसे रात बढ़ेगी, चांद आसमान में ऊपर की ओर बढ़ता जाएगा और पूरी रात अपनी चमक बिखेरता रहेगा। खुले मैदान, छत या किसी ऊंची जगह से इसका नजारा और भी आकर्षक लग सकता है।

वट पूर्णिमा और पूर्णिमा का खास संयोग

इस वर्ष वट पूर्णिमा और जून की पूर्णिमा एक ही दिन पड़ रही है। वट पूर्णिमा का व्रत विशेष रूप से विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। इस दिन वट यानी बरगद के पेड़ की पूजा की जाती है और उसकी परिक्रमा कर रक्षा सूत्र बांधा जाता है। इसके साथ ही स्ट्रॉबेरी मून का यह दुर्लभ संयोग लोगों के लिए इस दिन को और भी खास बना देगा।

ज्ञान के बिना व्यक्ति सत्य और जीवन के लक्ष्य को समझ नहीं पाता है

अज्ञान हमारा सबसे बड़ा शत्रु है। जब व्यक्ति को सही ज्ञान नहीं होता है, तो वह सत्य को समझ नहीं पाता है। उसे यह भी स्पष्ट नहीं हो पाता है कि जीवन का लक्ष्य क्या है, उद्देश्य क्या होना चाहिए और जीवन को कैसे जीना चाहिए। अज्ञान की वजह से व्यक्ति गलत रास्ते पर चला जाता है और सत्य से दूर हो जाता है। इसलिए ज्ञान बहुत जरूरी है, क्योंकि वही हमें सही और गलत में फर्क करना सिखाता है और जीवन को सही दिशा देता है।

अमरनाथ : जहां बर्फ की गुफा में छिपा है जीवन-मृत्यु का रहस्य!

सुरेश गांधी

तीनों लोकों का स्वर्ग कहा जाने वाला कश्मीर जितना प्राकृतिक कारणों से खूबसूरत है, उतना ही धार्मिक स्थलों की वजह से भी। एक तरफ आदि शक्ति जगत जननी मां वैष्णवी देवी का जहां स्थायी निवास है तो दुसरी तरफ सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा, जगत के पालनहार विष्णु व संपूर्ण जीवों के संरक्षक महादेव की भी तपोभूमि है। यही वजह है कि अमरनाथ धाम केवल एक तीर्थ नहीं, बल्कि सनातन आस्था, अध्यात्म और अमरत्व के रहस्य का जीवंत प्रतीक है। यहां की हसीन वादियों के पग-पग पर श्रद्धालुओं को पवित्र धामों के दर्शन तो होते ही है, प्रकृति की मनोहारी-अनुपम छटा भी नजर आती है। यहां बड़ी-बड़ी पहाडियां बर्फ से ढंकी रहती हैं, हिमालय की वनस्पतियों के नजारे और झीलें आंखों को सुखद अहसास देते हैं। भगवान भोलेनाथ यानी अमरनाथ की यात्रा को तो श्रद्धालु स्वर्ग के साथ-साथ मोक्ष की भी प्राप्ति मानते हैं। शायद यही वजह भी है कि अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से सबसे प्रमुख है। इसे तीर्थो का तीर्थस्थल कहा जाता है, क्योंकि यहीं पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व के रहस्य की जानकारी दी थी। यहां की खासियत है कि पवित्र गुफा में बर्फ से प्राकृतिक शिवलिंग का निर्माण। इसे स्वयंभू हिमानी यानी बाबा बर्फानी शिवलिंग भी कहते हैं।

खास यह है कि यह पवित्र गुफा वर्ष में केवल कुछ सप्ताह के लिए खुलती है, लेकिन इन कुछ दिनों में यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में होती है। इस वर्ष 3 जुलाई से आरंभ होने वाली अमरनाथ यात्रा 57 दिनों तक चलेगी और श्रावण पूर्णिमा अर्थात रक्षाबंधन तक जारी रहेगी। कहते हैं कि यदि धरती पर कहीं शिव की दिव्यता प्रत्यक्ष रूप में अनुभव की जा सकती है तो वह बाबा बर्फानी की इस पवित्र गुफा में। यही कारण है कि अमरनाथ यात्रा को केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण और मोक्ष की यात्रा माना जाता है। गुफा में शिवलिंग के साथ ही श्रीगणेश, पार्वती और भैरव के हिमखंड भी निर्मित होते हैं। इसकी महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 5 किमी की लम्बी दुर्गम पैदल यात्रा करने के बाद जब व्यक्ति 13600 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में हिमलिंग के दर्शन करता है तो उसकी सारी थकान पल भर में छू-मंतर हो जाती है। भक्तों को अद्भुत आत्मिक आनंद की अनुभूति होती है। इसीलिए अमरनाथ यात्रा को अमरत्व की यात्रा भी कहा जाता है। यहां अक्सर बर्फ गिरती रहती है और इस क्षेत्र का तापमान माइनस 5 डिग्री तक पहुंच जाता है। रास्ते का सौंदर्य बयान करना शब्दों से परे है, हां इतना कह सकते हैं कि प्राकृतिक नजारा देखकर हृदय के अंदर आनन्द का संचार होता रहता है। पूरे रास्ते छोटे झरने, जलप्रपात का दृश्य नयनाभिराम लगते हैं। पूरे रास्ते नदी, पहाड़ एवं झरनों का अद्भुत नजारा है।

जो भी हो इतना तो तय है कि अमरनाथ यात्रा भले ही अमरत्व की आकांक्षा लिए हो, लेकिन यह देश को कन्याकुमारी से कश्मीर तक भी जोड़ती है। यात्रा के मार्ग पर हिमानी घाटियां, ऊंचे झरने, बर्फ से लबरेज सरोवर, कुदरत के रचे बर्फीले पुल श्रद्धालुओं की आस्था को रोमांचित कर देते हैं। इस कठिन यात्रा के समापन पर तन-मन एक अनूठी शांति से भर जाता है। तभी तो कुछ इसे स्वर्ग की प्राप्ति का रास्ता बताते हैं तो कुछ मोक्ष प्राप्ति का, लेकिन यह सच है कि अमरनाथ, अमरेश्वर आदि के नामों से विख्यात भगवान शिव के स्वयंभू शिवलिंगम्‍ का दर्शन, जो हिम से प्रत्येक पूर्णमासी को अपने पूर्ण आकार में होता है, दिल को सुकून देने वाला होता है। इतनी लंबी यात्रा तथा अनेक बाधाओं को पार करके अमरनाथ गुफा तक पहुंचना कोई आसान कार्य नहीं है। प्रत्येक यात्री जो गुफा के भीतर हिमलिंगम के दर्शन करता है, अपने आप को धन्य पाता है और खुद को भाग्यशाली समझता है क्योंकि कई तो खड़ी चढ़ाइयों को देख आधे रास्ते से ही वापस मुड़ जाते हैं। वैसे भी जम्मू-कश्मीर को यूं ही देवलोक नहीं कहा जाता है। इसे धरती का देवलोक कहे जाने के पीछे बड़ी वजह यह है कि यहां 45 से अधिक शिवधाम, 60 से अधिक विष्णुधाम, 3 ब्रह्मधाम, 22 शक्तिधाम तथा 700 नागधाम हैं। इन्हीं तीर्थ स्थलों में परम आस्था का प्रतीक है अमरनाथ की यात्रा, जहां हर श्रद्धालु जीवन में एक बार अवश्य ही जाने को लालायित रहता है।

हिमलिंग में साकार होते हैं महादेव

अमरनाथ गुफा की सबसे बड़ी विशेषता है यहां प्राकृतिक रूप से निर्मित होने वाला हिमलिंग। गुफा की छत से टपकती जल बूंदें बर्फ में परिवर्तित होकर शिवलिंग का स्वरूप धारण करती हैं। श्रद्धालु इसे स्वयंभू हिमानी शिवलिंग अथवा बाबा बर्फानी के रूप में पूजते हैं। आश्चर्य यह है कि चंद्रमा के घटने-बढ़ने के साथ हिमलिंग का आकार भी बदलता है। श्रावण पूर्णिमा पर यह अपने पूर्ण आकार में होता है और अमावस्या की ओर धीरे-धीरे छोटा होता जाता है। गुफा में केवल शिवलिंग ही नहीं, बल्कि गणेश, माता पार्वती और भैरवनाथ के हिमखंड भी निर्मित होते हैं। यही कारण है कि यह स्थल शिवभक्तों के लिए अद्वितीय आस्था का केंद्र बन गया है।

अमरत्व के रहस्य से जुड़ी है अमरनाथ की कथा

पौराणिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव से पूछा था कि वे अजर-अमर क्यों हैं और उनके गले में नरमुंडों की माला का रहस्य क्या है। माता के आग्रह पर भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व और सृष्टि के सृजन का गूढ़ रहस्य बताने का निर्णय लिया। इसके लिए उन्होंने ऐसी जगह की तलाश की जहां कोई तीसरा जीव उस रहस्य को न सुन सके। इसी उद्देश्य से वे हिमालय की इस निर्जन गुफा तक पहुंचे। यात्रा के दौरान उन्होंने अपना नंदी बैल पहलगाम में, चंद्रमा चंदनवाड़ी में, गले का सर्प शेषनाग में, पुत्र गणेश को महागुणस पर्वत पर तथा पंचतत्वों को पंचतरणी में छोड़ दिया। इसके बाद गुफा के चारों ओर अग्नि प्रज्ज्वलित कर माता पार्वती को अमर कथा सुनानी आरंभ की। कथा के दौरान माता पार्वती को नींद आ गई, लेकिन गुफा में मौजूद दो कबूतर कथा सुनते रहे। जब भगवान शिव को इसका आभास हुआ तो वे क्रोधित हुए, किंतु कबूतरों ने कहा कि यदि अमर कथा सत्य है तो वे अमर हो चुके हैं। तब भगवान शिव ने उन्हें अमरत्व का वरदान दिया।

'पहले ट्रेलर था, अब गोलियां नहीं चूकेंगी'

रोहित शेट्टी को फिर मिली मारने की धमकी लॉरेंस गैंग ने मांगे 20 करोड

बॉलीवुड फिल्ममेकर रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी मिली है. यह धमकी उन्हें ऑडियो क्लिप के जरिए मिली है. इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है. उन्होंने 20 करोड़ रुपए की मांग की है. यह नई धमकी उनके जुहू स्थित घर के बाहर चार राउंड गोलियां चलने के कुछ ही महीनों बाद मिली है. शुभम लोनकर की ओर से रोहित शेट्टी की टीम को भेजी गई इस कथित ऑडियो चेतावनी में सुना जा सकता है. ऑडियो में कहा गया है, "चार महीने पहले उनके जुहू स्थित घर पर हुई फायरिंग तो बस एक ट्रेलर थी. अगर मांगों को नज़रअंदाज़ किया गया, तो इस बार गोलियां चूकेंगी नहीं."

रोहित शेट्टी की टीम ने एक औपचारिक आपराधिक शिकायत दर्ज कराई है. मुंबई पुलिस की क्राइम और जुहू के स्थानीय प्रशासन ने एक एंटी एक्सटोर्शन विंग को एक्टिव कर दिया है. जांचकर्ताओं के शुरुआती वॉइस-मैचिंग एनालिसिस से पता चला है कि जेल में बंद गैंग लीडर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी सहयोगी और फरार गैंगस्टर शुभम लोनकर ने ही वह ऑडियो टेप रिकॉर्ड किया था.

रोहित शेट्टी की आने वाली फिल्में और टीवी शो

बात करें वर्कफ्रंट की, तो रोहित शेट्टी अभी अजय देवगन की 'गोलमाल 5' पर काम कर रहे हैं. इसके अलावा, मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर राकेश मारिया पर आधारित जॉन अब्राहम के साथ एक नई एक्शन फ़िल्म बनाने में बिजी हैं. वह 'खतरों के खिलाड़ी सीज़न 15' को भी होस्ट कर रहे हैं।

'उसने इंडस्ट्री को 3500 करोड़ रुपये दिए', 'डॉन 3' विवाद पर सुनील शेट्टी ने किया रणवीर सिंह का बचाव

फिल्म 'डॉन 3' का विवाद अब शांत हो गया है। ऐसे में सुनील शेट्टी ने इस विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने रणवीर सिंह का समर्थन किया है और एक्टर पर बैन लगाने की मांग पर सवाल उठाए हैं। 'वेलकम टू द जंगल' के प्रमोशन के दौरान शेट्टी ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि कोई ऐसे एक्टर को क्यों सजा देना चाहेगा जिसने इंडस्ट्री के लिए 3500 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया है।

इंडस्ट्री को दिए 3500 करोड़

रणवीर सिंह पर बैन की मांग पर शेट्टी ने कहा 'बैन करने वाले आप कौन होते हैं? समझने की कोशिश कीजिए कि इस लड़के ने इंडस्ट्री को 3500 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दिया है। आप उसे बैन क्यों करना चाहेंगे? अगर

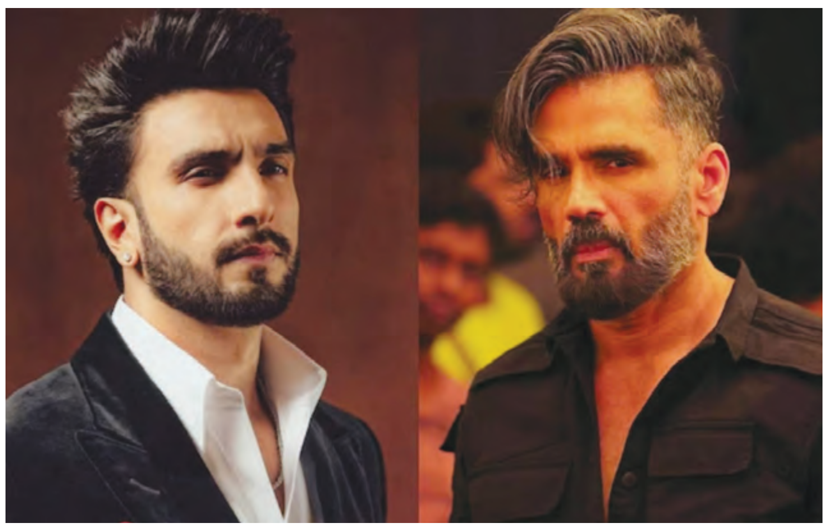

आप किसी ऐसी चीज को बैन करते हैं, जिसे लोग देखना चाहते हैं, तो आप असल में क्या हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं?'

एक्टर को बैन नहीं किया जा सकता

शेट्टी ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि कोई व्यक्ति या संगठन किसी एक्टर को काम करने से रोक सकता है। 'टाइम्स नाउ' के साथ बातचीत में उन्होंने कहा 'कोई भी एक्टर को बैन नहीं कर सकता, कोई भी कला को बैन नहीं कर सकता। किसी को ऐसा करने का अधिकार नहीं है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले को एक सेकंड में खारिज कर देगा।'

रणवीर से की गई 45 करोड़ की मांग

सुनील शेट्टी की यह टिप्पणी फरहान अख्तर की 'डॉन 3' से रणवीर सिंह के कथित तौर पर बाहर होने से जुड़े विवाद के बाद आई है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि फिल्म से रणवीर सिंह के कथित तौर पर बाहर होने के बाद एक्सेल एंटरटेनमेंट ने प्री-प्रोडक्शन लागत की भरपाई के लिए उनसे लगभग 45 करोड़ रुपये की मांग की।

जारी हुआ था असहयोग का निर्देश

स्थिति तब और गंभीर हो गई जब फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने रणवीर सिंह के खिलाफ असहयोग का निर्देश जारी किया। इसके बाद एक्टर ने संगठन को कानूनी नोटिस भेजा। उनकी कानूनी टीम ने तर्क दिया कि किसी कलाकार पर प्रतिबंध लगाने का कोई कानूनी अधिकार इस संस्था के पास नहीं है।

सुलझ गया विवाद

बाद में इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (IMPPA) की मध्यस्थता से यह गतिरोध सुलझ गया, जिसके बाद FWICE ने अपना असहयोग निर्देश वापस ले लिया। हालांकि फिलहाल का विवाद सुलझ गया है।

रश्मिका मंदाना फिर करेंगी अल्लू अर्जुन के साथ काम, 'राका' में निभाएंगी अहम भूमिका!

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी।

अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका!

रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख खान का होगा कैमियो?

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं।

फिल्म से जुड़ी और जानकारी

बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक रहा, तो फिल्म की शूटिंग 2026 के अंत तक पूरी हो सकती है। वहीं, रिपोर्ट्स के अनुसार, मेकर्स इसे दिसंबर 2027 में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अभी तक रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

उर्वशी पर चढ़ा फुटबॉल वर्ल्ड कप का बुखार, जमकर किया डांस

इन दिनों देश और दुनिया भर के फुटबॉल फैंस खुशी से झूम रहे हैं। फीफा वर्ल्ड का खुमार उनके सिर चढ़कर बोल रहा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला भी फीफा वर्ल्ड कप के रंग में रंग गई है। एक्ट्रेस ने डांस वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों को अपना सपोर्ट दिखा रही हैं।

इस फुटबॉलर की दीवानी बनीं उर्वशी रौतेला?

उर्वशी ने रविवार को एक डांस वीडियो पोस्ट किया, इसमें वह कई चर्चित फुटबॉलर के सिग्नेचर स्टेप्स को डांस फॉर्म में कर रही हैं। जहां तक सपोर्ट की बात है तो उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'UR7 (उर्वशी रौतेला) की तरफ से रोनाल्डो UR7 के लिए।' इस तरह उर्वशी ने बता दिया कि उनके पसंदीदा फुटबॉल प्लेयर क्रिस्टियानो रोनाल्डो हैं। उनका जर्सी नंबर 7 हैं।

कब होगा फीफा वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला?

फीफा विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। फैंस अपनी पसंदीदा टीम को जीतते हुए देखना चाहते हैं। बता दें कि फीफा वर्ल्ड कप का प्री-क्वार्टर फाइनल यानी राउंड ऑफ 16 के बाद क्वार्टर फाइनल होगा। इसके बाद सेमीफाइनल और 19 जुलाई को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। फुटबॉल फैंस को इस दिन का बेसब्री से इंतजार है।

उर्वशी रौतेला पिछले दिनों कान फेस्टिवल में अपने अलग-अलग लुक के लिए चर्चा में रहीं। इसके अलावा रणदीप हुड्डा स्टारर सीरीज में वह उनकी पत्नी के रोल में नजर आईं। इन दिनों वह फिल्म 'कसूर 2' की शूटिंग भी कर रही हैं।

सैफ ने 'हैवान' को लेकर कही यह बात, अक्षय को बताया बड़ा भाई' 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी नहीं होगी यह फिल्म

सैफ अली खान और अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म 'हैवान' में एक साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर सैफ ने बताया कि उनकी आने वाली फिल्म 'हैवान' उनकी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी बिल्कुल नहीं है।

अक्षय और 'हैवान' को लेकर सैफ की राय

सैफ ने बताया कि 'हैवान' में अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन के रोल में नजर आएंगे। सैफ उन्हें इस नए अवतार में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। सैफ ने अक्षय को अपने बड़े भाई जैसा बताया है। उनका कहना है कि दोनों की 30 साल पुरानी दोस्ती है, दोनों एक-दूसरे की बहुत इज्जत करते हैं और उनके बीच की केमिस्ट्री कमाल की है।

सेट पर खूब हुई मस्ती

भले ही फिल्म 'हैवान' की कहानी बहुत गंभीर है, लेकिन शूटिंग के दौरान अक्षय और सैफ कैमरे के पीछे खूब मजाक-मस्ती करते थे। उनकी इन शरारतों को देखकर निर्देशक प्रियदर्शन उन्हें अक्सर बच्चों की तरह डांटते भी थे। 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' जैसी पिछली फिल्मों में दोनों ने दर्शकों को खूब हंसाया था। लेकिन सैफ ने साफ किया है कि 'हैवान' कोई कॉमेडी फिल्म नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर कहानी पर आधारित है।

आखिर में सैफ ने कहा कि अगर भविष्य में कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिली, तो वह अक्षय के साथ फिर से कोई कॉमेडी फिल्म जरूर करेंगे। लेकिन फिलहाल दर्शकों को 'हैवान' में इन दोनों का एक बिल्कुल अलग और रोमांचक अंदाज देखने को मिलेगा।

कब रिलीज होगी 'हैवान'

'हैवान' का निर्देशक प्रियदर्शन कर रहे हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है। 'हैवान' में अक्षय कुमार और सैफ अली खान साथ नजर आएंगे। यह फिल्म 11 सितंबर को रिलीज हो सकती है।

'लॉकअप 2' रियलिटी शो में गोविंदा की पत्नी ने काटा बवाल

रियलिटी शो 'लॉकअप 2' के पहले ही एपिसोड में टीवी एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला ने अपने अलगाव की खबर सुनाईं। वहीं हर्षद चोपड़ा ने गर्लफ्रेंड से मिले धोखे की कहानी को बयां किया। इनके अलावा गोविंदा की पत्नी सुनीता ने भी इस शो पर ऐसी बातें कहीं, जो सुर्खियों में आ गई हैं। जानिए, गोविंदा को लेकर सुनीता आहूजा ने क्या खुलासे किए हैं।

'लॉकअप 2' के होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख ने सुनीता के सामने एक खबर पढ़कर सुनाई। यह बयान सुनीता का ही था। खबर में लिखा था, 'जब तक पति पत्नी साथ हों तो अंखियों से गोली मारे। जब थर्ड पार्टी आ जाए तो घुटनों पर गोली मारे।'

इस पर सुनीता ने जवाब दिया, 'सुन रहे हो चीची (गोविंदा) तो सुन लेना। घुटनों पर गोली तभी लगती है जब कोई लाइफ में आ जाती है। वो भी मैंने झूठ नहीं बोला।' वह आगे कहती हैं, 'वैसे मेरा निशाना मिस नहीं होता है।' इस बात पर फराह भी कहती हैं कि सुनीता ने कहा था कि वह घुटनों पर नहीं सीने पर गोली मारती। बता दें कि गोविंदा को घर पर बंदूक साफ करते हुए घुटनों पर गोली लग गई थी। वह कई दिन हॉस्पिटल में रहे। इसी बात पर अब सुनीता ने तंज कसा है।

पहले भी अफेयर का सुनीता ने लगाया था आरोप

कुछ महीने पहले सुनीता आहूजा ने एक पॉडकास्ट में अपने और गोविंदा के रिश्ते को लेकर खुलकर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने गोविंदा पर धोखा देने का आरोप लगाया। पत्नी सुनीता के आरोपों पर गोविंदा ने खुलकर बात की है। अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को गलत बताया था।

कौन हैं करीना कपूर की रोल मॉडल? अपनी बहन करिश्मा के बारे में कही यह खास बात

अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी बड़ी बहन करिश्मा कपूर से बेहद प्यार करती हैं और उनका बहुत सम्मान करती हैं। एक पुराने टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' में करीना ने दिल खोलकर करिश्मा की तारीफ की थी।

करिश्मा को मानती हैं आदर्श

करीना ने शो 'जीना इसी का नाम है' में बताया कि वह हर मामले में करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं। इसके साथ ही करीना ने कहा कि वह हमेशा उनकी तरह बनने की कोशिश करती हैं। उन्हें करिश्मा का आत्मविश्वास और बात करने का तरीका बेहद पसंद है।

'आपके बिना मैं एक मिनट भी नहीं रह सकती'

करीना ने करिश्मा के लिए एक प्यारा सा वीडियो मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा, 'आपमें ऐसी बहुत सी बातें हैं, जो मुझे बहुत पसंद हैं। आज के समय में ऐसी लड़कियां बहुत कम होती हैं, जो इतनी समझदार हों और जिन्हें पता हो कि लाइफ में क्या करना है।'

करीना ने आगे कहा, 'मैं हर तरह से आपके जैसी बनना चाहती हूं और इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हूं। मेरे साथ हमेशा खड़े रहने और मेरी ताकत बनने के लिए शुक्रिया, क्योंकि आपके बिना मैं एक मिनट भी नहीं रह सकती।'

बचपन की यादें हुईं ताजा

शो 'जीना इसी का नाम है' के दौरान होस्ट फारूक शेख ने दोनों बहनों का बचपन का एक पुराना वीडियो भी दिखाया। इस वीडियो में करिश्मा बड़े प्यार से अपनी छोटी बहन करीना को खाना खिलाती नजर आ रही थीं। इस वीडियो को देखकर दोनों भावुक हो गईं।

फिल्म 'दायरा' में नजर आएंगी करीना

फिल्म निर्देशक मेघना गुलजार की आगामी थ्रिलर फिल्म का नाम 'दायरा' है, जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। अपराध और न्याय की जटिलताओं पर आधारित इस फिल्म में करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन पहली बार एक साथ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

मुश्किल में पड़ी श्रद्धा कपूर की 'ईठा' परिवार ने फिल्म के नाम पर खड़े किए सवाल

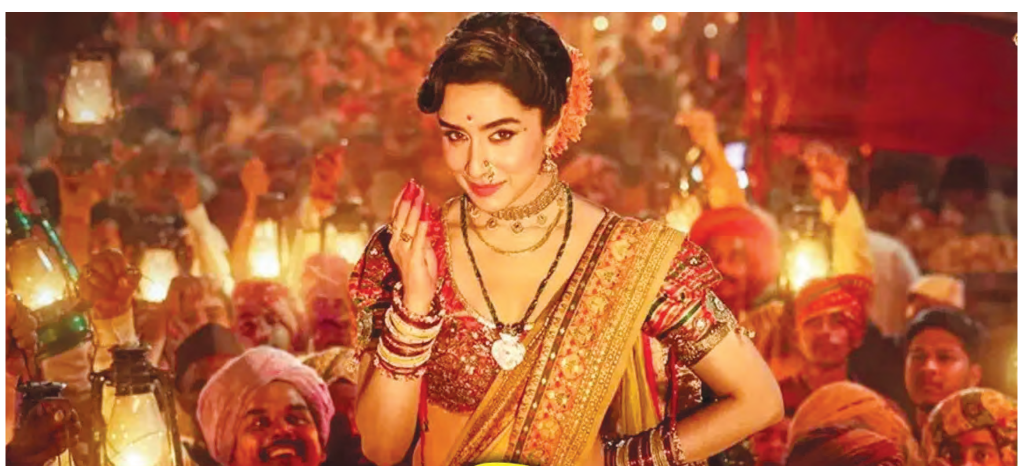

श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म ईठा का हाल ही में टीजर रिलीज हुआ था जिसने दर्शकों के रोंगटे खड़े कर दिए. ये फिल्म महाराष्ट्र की मशहूर लावणी डांसर विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है. फिल्म में श्रद्धा का लुक काफी दमदार है, लेकिन अब इसकी मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं. यह फिल्म अपनी कहानी से ज्यादा अपने टाइटल (शीर्षक) को लेकर एक बड़े विवाद में घिर गई है. फिल्म के नाम को लेकर महाराष्ट्र के राजनीतिक और सांस्कृतिक गलियारों में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं. इसके साथ ही विठाबाई के परिवार ने भी फिल्म के टाइटल पर सवाल खड़े किए हैं.

एक रिपोर्ट के अनुसार, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के फिल्म और सांस्कृतिक विभाग ने फिल्म के नाम 'ईठा' पर कड़ी आपत्ति जताई है. पार्टी का स्पष्ट कहना है कि यह शीर्षक महाराष्ट्र की महान तमाशा कलाकार और प्रसिद्ध लावणी डांसर विठाबाई नारायणगांवकर की ऐतिहासिक विरासत और उनके योगदान के साथ न्याय नहीं करता है. फिल्म अगर उनके जीवन पर आधारित है तो इसका नाम ईठा की जगह विठा क्यों नहीं है.

फिल्म के नाम पर उठ रहे सवाल

एनसीपी के फिल्म एवं सांस्कृतिक विभाग के महाराष्ट्र अध्यक्ष बाबासाहेब पाटिल ने इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब यह पूरी फिल्म विठाबाई नारायणगांवकर के गौरवशाली जीवन पर आधारित है, तो मेकर्स ने इसका नाम 'विठा' या 'विठाबाई' रखने के बजाय 'ईठा' क्यों चुना? उनका मानना है कि महाराष्ट्र की लोक कला को वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान दिलाने वाली इस महान कलाकार के सम्मान में फिल्म का शीर्षक सीधे तौर पर उनके नाम से जुड़ा होना चाहिए.

इस मांग को खुद विठाबाई नारायणगांवकर के परिवार का भी पूरा समर्थन मिला है. विठाबाई के बेटे कैलाश नारायणगांवकर, राजेश नारायणगांवकर और उनके पोते मोहित नारायणगांवकर भी एनसीपी के इस रुख के साथ मजबूती से खड़े हैं. परिवार और पार्टी दोनों का मानना है कि विठाबाई के जीवन और उनके संघर्ष को पूरी गरिमा और सम्मान के साथ बड़े पर्दे पर पेश किया जाना चाहिए.हालांकि, इस पूरे विवाद पर अब तक फिल्म के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर या प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. साथ ही फिल्म के तथ्यों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

'पैसे मांगने पर की मारपीट, जान से मारने की दी धमकी' 'लापता लेडीज' के एक्टर ने निर्देशक पर लगाए आरोप

किरण राव की हिट फिल्म 'लापता लेडीज' में अहम भूमिका निभाने वाले एक्टर सतेंद्र सोनी ने इंस्टाग्राम पर एक परेशान करने वाला वीडियो शेयर किया है। वीडियो में सतेंद्र रोते हुए दिखाई दे रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि मध्य प्रदेश में एक फिल्म की शूटिंग के लिए उन्हें न पेमेंट दिया गया और एक डायरेक्टर ने उन्हें मारने की धमकी भी दी।

पैसे मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

वीडियो में सतेंद्र सोनी रो पड़े और बताया कि कैसे फिल्ममेकर ने कथित तौर पर उनकी फीस देने से मना कर दिया और पेमेंट मांगने पर उन्हें धमकी भी दी। उन्होंने कहा, 'मेरा नाम सतेंद्र सोनी है। मैं एक एक्टर हूं। मैं यहां एक फिल्म की शूटिंग के लिए आया था, जिसके डायरेक्टर पुष्पेंद्र हैं।

उन्होंने मुझे 50,000 रुपए साइनिंग अमाउंट दिया था और कहा था कि बाकी पैसे शूटिंग के बाद देंगे। आज शूटिंग के आठ दिन पूरे हो गए हैं और जब मैंने उनसे पैसों के बारे में बात की, तो उन्होंने मुझे पैक-अप करने को कहा और बोले, 'मुझे तुम होटल में नहीं दिखने चाहिए।' वो मुझे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।'

निर्देशक और उनकी पत्नी ने की मारपीट

कैप्शन में सतेंद्र ने डायरेक्टर और उनकी पत्नी पर मारपीट का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, 'हम तीनों टहल रहे थे, तभी उन्होंने कार से हमारा पीछा किया। उनकी पत्नी प्रगति चौहान और डायरेक्टर पुष्पेंद्र सिंह ने मुझे देखते ही सड़क के बीचों-बीच पीटना शुरू कर दिया। जब श्रीधर भैया मुझे बचाने के लिए आगे आए, तो डायरेक्टर ने उन्हें भी पीटना शुरू कर दिया।'

सुरक्षित मुंबई पहुंचे सतेंद्र

कुछ देर पहले सतेंद्र ने एक अन्य वीडियो साझा किया है। इसमें सतेंद्र दो और कलाकारों के साथ मुंबई के एक रेलवे स्टेशन पर दिखाई दे रहे हैं और बता रहे हैं कि वे सुरक्षित शहर पहुंच गए हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश पुलिस और उन लोगों का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने उन्हें और बाकी कलाकारों को सुरक्षित मुंबई पहुंचने में मदद की।

दबाव बढ़ा लेकिन रास्ते भी खुले, दोहरे संकट में समाधान-केंद्रित सोच की जरूरत

आज की तेज रफ्तार दुनिया में चुनौतियां अक्सर एक साथ आती हैं। कई बार निजी और पेशेवर मुश्किलें एक ही समय पर आने से तनाव बढ़ जाता है, सोचने-समझने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है और सही निर्णय लेना कठिन हो जाता है। ऐसे समय में अगर हम व्यर्थ के दबाव में आ जाएं, तो हमारी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और स्वास्थ्य पर भी गंभीर असर पड़ सकता है।

इसलिए समझदारी से कदम उठाना, भरोसेमंद लोगों और सहकर्मियों का समर्थन लेना और मजबूत सिस्टम बनाना बेहद जरूरी है। इससे न केवल मानसिक और पेशेवर स्थिरता बनी रहती है, बल्कि बेहतर प्रदर्शन करने और चुनौतियों का सामना करने में भी मदद मिलती है।

परिस्थिति को स्वीकारें

अक्सर हम मान लेते हैं कि निजी और पेशेवर जीवन को पूरी तरह अलग रखा जा सकता है, लेकिन वास्तव में एक क्षेत्र की परेशानी दूसरे को भी प्रभावित करती है। इसलिए पहला कदम है स्थिति को ईमानदारी से स्वीकार करना। यह समझें कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं। अपनी भावनाओं को पहचानने से ही समाधान का मार्ग मिलता है। स्थिति स्वीकार करने से आपका प्रभाव कम नहीं होता, बल्कि भरोसा बढ़ता है और आप अपने तथा टीम दोनों के लिए एक मजबूत उदाहरण स्थापित करते हैं।

खुद को रीसेट करें

मुश्किल समय में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने का दबाव न लें। इस दौर को जीवन का हिस्सा मानें और दोबारा तैयारी करने का अवसर समझें। मानसिक राहत के लिए थेरेपी लें, लंबी सैर पर जाएं या अपने करीबियों के साथ समय बिताएं। अपने काम को फिर से व्यवस्थित करें, प्राथमिकताएं तय करें और अनावश्यक कार्यों को कम करें। समझें कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। नियमित दिनचर्या, स्पष्ट सीमाएं और छोटे-छोटे रीसेट आपकी स्थिरता बनाए रखते हैं और टीम का भरोसा भी बढ़ाते हैं।

मदद मांगना बुरा नहीं

खासकर जब निजी और पेशेवर दोनों तरह के संकट एक साथ हों, तो आप सहकर्मियों या सीनियर्स से समर्थन ले सकते हैं। इसके लिए दो तरह से मदद मांगें, पहली रणनीतिक, जिसमें सीनियर्स से सलाह लेना, भूमिका में बदलाव पर बात करना या किसी बड़े प्रोजेक्ट में सहायता मांगना शामिल हो। दूसरी टैक्टिकल, जिसमें टीम के किसी सदस्य को किसी प्रोजेक्ट की पूरी जिम्मेदारी देकर अपने काम का बोझ कम करें और उनकी क्षमता भी बढ़ाएं। याद रखें, मदद मांगना आगे बढ़ने का समझदारी भरा तरीका है।

समय के अनुसार फैसले लें

विपरीत परिस्थितियों में पता चलता है कि आपकी व्यक्तिगत क्षमता की सीमाएं क्या हैं। इसलिए हर जिम्मेदारी अकेले उठाना जरूरी नहीं है।

मीटिंग्स में देखें कि फैसले सही स्तर पर लिए जा रहे हैं या नहीं। तय करें कि कौन-से निर्णय टीम ले सकती है और किन मुद्दों के लिए सीनियर स्तर की मदद चाहिए। साथ ही, काम के स्पष्ट मानक निर्धारित करें, ताकि अस्पष्टता कम हो।

अपनाएं ये प्रभावी तरीके, शानदार रहेगा आपका इंटरव्यू और नौकरी भी पक्की

इंटरव्यू के दौरान कई बार कुछ ट्रिकी सवाल पूछ लिए जाते हैं, जो सुनने में आसान लगते हैं, लेकिन उनके जवाब उतने आसान नहीं होते। इनके जवाबों के आधार पर तय होता है कि आपको नौकरी मिलेगी या नहीं। ऐसा ही एक सवाल है कि आपके लिए वर्कप्लेस पर कौन सा काम बड़ी चुनौती बना और उससे कैसे निपटे।

इंटरव्यू के दौरान कई बार कुछ ट्रिकी सवाल पूछ लिए जाते हैं, जो सुनने में आसान लगते हैं, लेकिन उनके जवाब उतने आसान नहीं होते। इनके जवाबों के आधार पर तय होता है कि आपको नौकरी मिलेगी या नहीं। ऐसा ही एक सवाल है कि आपके लिए वर्कप्लेस पर कौन सा काम बड़ी चुनौती बना और उससे कैसे निपटे। ऐसे दें ट्रिकी सवाल का जवाब इस सवाल को पूछने का मकसद है कि जब भी कंपनी में कोई काम चुनौती बनता है, तो आप परेशान होते हैं या दिमाग को कंट्रोल में रखते हुए उसका हल निकालते हैं।

आपके जवाब बताने का तरीका साक्षात्कारकर्ता तक पूरी कहानी पहुंचा देता है। अगर आपकी सोच तार्किक होगी और हर समस्या का समाधान पूरे धैर्य के साथ ढूंढते हैं तो इस सवाल का जवाब बेहतर दे पाएंगे। इसलिए जवाब देते समय यह ध्यान रखें कि आपके बोलने का तरीका स्पष्ट हो। जवाब हड़बड़ी देंगे तो वो समझ जाएंगे कि ऐसे हालात बनने पर आप घबरा जाते हैं।

नजरें मिलाएं

अपना जवाब देते समय साक्षात्कारकर्ता की नजर से नजर मिलाएं। उनसे नजरें न चुराएं। जवाब देते समय स्टेप बाय स्टेप समस्या का समाधान बताएं। अपनी बात को समझाते हुए यह क ह सकते हैं कि पहले मैं समस्या की वजह को समझता हूं। उसके बाद उसका समाधान करने के लिए जो भी हमारे सामने विकल्प हैं, उस पर गौर करता हूं, लेकिन समय का ध्यान रखते हुए।

ऐसे दें ट्रिकी सवाल का जवाब

इस सवाल को पूछने का मकसद है कि जब भी कंपनी में कोई काम चुनौती बनता है, तो आप परेशान होते हैं या दिमाग को कंट्रोल में रखते हुए उसका हल निकालते हैं। आपके जवाब बताने का तरीका साक्षात्कारकर्ता तक पूरी कहानी पहुंचा देता है। अगर आपकी सोच तार्किक होगी और हर समस्या का पूरा समाधान पूरे धैर्य के साथ ढूंढते हैं तो इस सवाल का जवाब बेहतर दे पाएंगे। इसलिए जवाब देते समय यह ध्यान रखें कि आपके बोलने का तरीका स्पष्ट हो। जवाब हड़बड़ी में देंगे तो वो समझ जाएंगे कि ऐसे हालात बनने पर आप घबरा जाते हैं।

डरें नहीं, बात करें

कई बार कैंडिडेट को ऐसे सवालों के जवाब मालूम होते हैं, लेकिन डर के कारण उनके जवाब गलत हो जाते हैं। इसलिए सबसे पहले अपनी मानसिक स्थिति को सामान्य करें। मेंटली जितना ज्यादा स्ट्रॉन्ग होंगे, जवाब उतना ज्यादा सामान्य तरीके से दे सकेंगे। ध्यान रखें कई बार बीच-बीच में साक्षात्कारकर्ता परेशान करने या आपको गुस्सा दिलाने की कोशिश करते हैं। इस स्थिति में परेशान नहीं होना चाहिए।

नई नौकरी की तलाश में हैं तो खुद को निखारें

नए कौशल सीखकर खुद को लगातार बनाएं बेहतर

नई नौकरी में तलाश अक्सर पहाड़ चढ़ने जैसा लगता है, लेकिन जब आप समझ लेते हैं कि रास्ते में आने वाली बाधाओं को कैसे संभालना है, तो यही सफर आसान हो जाता है। सबसे पहले, अनिश्चितता और डर को कम करने के लिए यह तय करें कि आप किस दिशा में जाना चाहते हैं और उसके बारे में जानकारी जुटाएं, क्योंकि स्पष्टता हमेशा डर को छोटा कर देती है।

स्पष्टता जरूरी है

इस दौरान शुरुआत कहां से करें यह समझ न आना स्वाभाविक है। इसे दूर करने के लिए अपनी रुचियों, मूल्यों और ताकतों पर आत्म-चिंतन करें, जर्नलिंग करें और नए विकल्पों पर शोध करें। फिर छोटे कोर्स, वर्कशॉप या फ्रीलांस प्रोजेक्ट के जरिये अलग-अलग क्षेत्रों को आजमाएं। इससे

आपको अपनी दिशा में स्पष्टता और आत्मविश्वास मिलता है

नए क्षेत्र के बारे में सीखते रहें

नई नौकरी प्रवेश के लिए पुराने क्षेत्र को छोड़ने की चिंता, आत्म-संदेह या नए क्षेत्र के लिए खुद को अयोग्य महसूस करना आम है। इसे दूर करने के लिए अपनी उपलब्धियों की सूची बनाएं, अपने स्थानांतरित होने योग्य कौशल पहचानें और खुद के प्रति दयालु रहें। नए क्षेत्र के बारे में सीखते रहें और अपनी सफलता की कल्पना करें।

कौशल और ज्ञान

अक्सर लगता है कि नई भूमिका के लिए हमारे पास जरूरी प्रशिक्षण या प्रमाण-पत्र नहीं हैं, लेकिन इसे छोटे कदम उठाकर आसानी से दूर किया जा सकता है। ऑनलाइन कोर्स, सर्टिफिकेट या स्वयंसेवा के जरिये धीरे-धीरे नए कौशल सीखें, और साथ ही यह समझें कि आपके मौजूदा कौशल भी नई भूमिका में उपयोगी हो सकते हैं।

वित्तीय योजना बनाएं

इस समय आय में कमी और पढ़ाई के खर्च को लेकर होने वाली चिंता स्वाभाविक है। इसे संभालने के लिए एक स्पष्ट वित्तीय योजना बनाएं, जरूरत पड़ने पर पार्ट-टाइम नौकरी के विकल्प देखें, और पढ़ाई से जुड़ी वित्तीय सहायता की जानकारी जुटाएं। इससे बदलाव का दबाव काफी कम हो जाता है।

नेटवर्किंग के लिए अवसर तलाशें

अगर आपके पास नए उद्योग में सही संपर्क नहीं हैं, तो अवसर पाना मुश्किल लग सकता है। इसे दूर करने के लिए नेटवर्किंग बढ़ाने के लिए उद्योग कार्यक्रमों में जाएं, लिंक्डइन पर पेशेवरों से जुड़ें, सलाहकारों से बात करें और लोगों से बातचीत के लिए अनुरोध करें। इससे आपको रेफरल और मौके मिलना आसान हो जाता है।

ऐसे बन सकते हैं एक अच्छे मैनेजर

किसी भी बिजनैस में सफलता के लिए जरूरी है कि आप एक अच्छे मैनेजर साबित हों। अच्छा मैनेजर वही कहलाएगा जो अपने तहत काम करने वाले कर्मचारियों को खुश रखने के साथ ही उनसे बेहतरीन ढंग से काम ले सकता हो।

अच्छे मैनेजरों के तहत काम करने वाले कर्मचारियों की रुचियां कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप होती हैं। यदि आपके साथ ऐसा नहीं है तो यहां दिए 3 तरीकों को आजमाएं, जिनसे यह तालमेल बैठाना सुनिश्चित हो जाएगा कि आपकी कम्पनी कर्मचारियों से जो करवाना चाहती है, वे उसी तरह से काम करें।

अपने कर्मचारियों की सभी प्राथमिकताएं जानें

समीक्षा के समय का इंतजार न करें बल्कि नियमित रूप से अपने कर्मचारियों से पूछते रहें कि वे व्यक्तिगत रूप से किस चीज की सबसे ज्यादा परवाह करते हैं। मैनेजर के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि कौन- सी चीज उन्हें प्रेरित करती है।

कम्पनी की प्राथमिकताएं व्यक्त करें

अपने कर्मचारियों को बता दें कि कम्पनी को अगले सप्ताह महीने और वर्ष में क्या हासिल करने की जरूरत है। प्राथमिकताओं में हेर-फेर न करें। उन्हें यह बात स्पष्टता से और बार-बार बताएं।

रूचियों को जिम्मेदारियों के तालमेल में लाएं: जब दोनों चीजें स्पष्ट हो जाएं तो कर्मचारियों की रुचि को कम्पनी की प्राथमिकताओं के अनुरूप बनाने की अधिकतम कोशिश करें।

15 विदेशी यूनिवर्सिटी को भारत में कैंपस खोलने की मंजूरी

अगस्त से पहला बैच शुरू होगा, विदेश जैसी डिग्री मिलेगी, पढ़ाई का खर्च 30-40% तक कम होगा

भारत में अब विदेशी यूनिवर्सिटी की डिग्री लेने के लिए विदेश जाने की जरूरत नहीं होगी। केंद्र सरकार अब तक 15 विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (LoI) जारी कर चुकी है। इनमें ज्यादातर कैंपस अगस्त से पहला बैच शुरू करेंगे।

शुरुआती चरण में हर कैंपस में 200 से 250 छात्रों को दाखिला दिया जाएगा। अगले पांच सालों में इसे बढ़ाकर हर कैंपस में सालाना 1,000 से 1,200 छात्रों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई, दिल्ली और बेंगलुरु में यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन, ब्रिस्टल, यॉर्क, इलिनोइस टेक, लिवरपूल और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान अपने कैंपस खोल रहे हैं। मौजूदा सत्र के लिए 10 हजार से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं।

विदेशी विश्वविद्यालयों के भारतीय कैंपस में पढ़ाई, परीक्षा, मूल्यांकन और डिग्री पूरी तरह उनके होम कैंपस के वैश्विक मानकों के मुताबिक होगी। पहले चरण में AI, कंप्यूटर साइंस और STEM विषयों पर फोकस रहेगा।

1 से 2 सेमेस्टर विदेश में पढ़ने का भी मौका मिलेगा, जॉब नेटवर्क भी बढ़ेगा

8 सवालों के जवाब में जाने वो सब कुछ जो है जरूरी

1. भारत में किन विदेशी यूनिवर्सिटी के कैंपस खुलेंगे?

यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन (मुंबई), ब्रिस्टल (मुंबई), लिवरपूल (बेंगलुरु), यॉर्क (मुंबई), इलिनोइस टेक (मुंबई) और विक्टोरिया यूनिवर्सिटी (दिल्ली) कैंपस खोल रही हैं। मौजूदा सत्र के लिए 10 हजार से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं।

2. एडमिशन के लिए क्या योग्यता होगी?

12वीं में कम से कम 75% और ग्रेजुएशन में 55% से 70% अंक जरूरी होंगे। बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी में 70% से 85% अंक होने पर IELTS देने की जरूरत नहीं होगी।

3. सिलेबस, परीक्षा और डिग्री कैसी होगी?

पढ़ाई, परीक्षा, मूल्यांकन और डिग्री पूरी तरह होम कैंपस के मानकों के मुताबिक होगी। पहले चरण में AI, कंप्यूटर साइंस और STEM विषयों पर फोकस रहेगा।

4. क्या विदेश के कैंपस में पढ़ने का मौका मिलेगा?

एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 1 से 2 सेमेस्टर विदेश में पढ़ सकेंगे। यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क 2+1 मॉडल लेकर आई है। ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के छात्र ब्रिटेन में मौजूद AI सुपरकंप्यूटर का भी इस्तेमाल कर सकेंगे।

5. फैकल्टी कैसी होगी?

भारतीय और विदेशी प्रोफेसरों का मिश्रण होगा। विक्टोरिया यूनिवर्सिटी की एक-तिहाई फैकल्टी मेलबर्न से आएगी। इलिनोइस टेक विदेशी और भारतीय मूल के अनुभवी शिक्षकों की भर्ती कर रही है।

6. स्कॉलरशिप मिलेगी?

अगले पांच वर्षों के लिए करीब 1,000 करोड़ रुपए का फंड रखा गया है। योग्यता और जरूरत के आधार पर 10% से 100% तक स्कॉलरशिप मिलेगी। एबरडीन 2 लाख और ब्रिस्टल 10 लाख रुपए सालाना तक स्कॉलरशिप देगा।

7. फीस ज्यादा होने के बावजूद फायदा क्या होगा?

विदेश जाकर 80 लाख से 1.2 करोड़ रुपए खर्च करने के मुकाबले भारत में 30-40% कम लागत आएगी। छात्रों को ग्लोबल डिग्री, अंतरराष्ट्रीय फैकल्टी, मजबूत एलुमनाई नेटवर्क और बेहतर करियर अवसर मिलेंगे।

8. 2040 तक क्या तस्वीर हो सकती है?

डेलॉय और नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के मुताबिक, 2040 तक भारत में विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस में 5.6 लाख से ज्यादा छात्र पढ़ सकते हैं। इससे 113 अरब डॉलर (करीब 10.67 लाख करोड़ रुपए) की विदेशी मुद्रा देश से बाहर जाने से बचेगी।

विदेशी यूनिवर्सिटी ने भारत में कैंपस खोलने की वजह बताई

यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क के वाइस-चांसलर प्रो. चार्ली जेफरी ने कहा-

भारत इस समय दुनिया के सबसे अहम शिक्षा बाजारों में से एक है। हम भारतीय छात्रों को अपने होम कैंपस जैसी पढ़ाई और अवसर देना चाहते हैं। इसी दिशा में हमने एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन ऑफ मुंबई के साथ भी समझौता किया है, ताकि छात्रों को टेक स्टार्टअप्स और इंडस्ट्री से जुड़ने का मौका मिले

वहीं, इलिनोइस टेक के वाइस प्रेसिडेंट मल्लिक सुंदरम ने कहा, 'हम अमेरिका और दूसरे देशों से प्रोफेसरों की भर्ती कर रहे हैं। साथ ही ऐसे भारतीय शिक्षकों को भी जोड़ रहे हैं, जिन्होंने अमेरिकी विश्वविद्यालयों से पढ़ाई की है, ताकि छात्रों को भारत में भी वही माहौल और पढ़ाई मिल सके, जो हमारे विदेशी कैंपस में मिलती है।'

बहुत कमाल की हैं ये 5 डिग्रियां, इनके आगे एआई भी फेल

अगले 10 सालों तक नौकरी की नहीं होगी टेंशन

डिजिटल युग में सिर्फ कंप्यूटर साइंस की डिग्री को करियर की सिक्योरिटी मानना गलत है. टेक्नोलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है. जो कोडिंग आज पॉपुलर है, मुमकिन है कि अगले 2 साल में उसकी जगह कोई नया एआई टूल आ जाए. पढ़ाई पर लाखों खर्च कर रहे पेरेंट्स और स्टूडेंट्स डरे हुए हैं. उनका सबसे बड़ा डर यही है कि 4 साल बाद इस डिग्री की मार्केट में कोई वैल्यू बचेगी या नहीं.

यहीं पर काम आता है 'फ्यूचर-प्रूफ' करियर का कॉन्सेप्ट. इसका मतलब है ऐसी डिग्रियां और स्किल्स चुनना, जिनकी जरूरत आने वाले समय में घटने के बजाय और ज्यादा बढ़ने वाली है. कंप्यूटर साइंस की दुनिया बहुत बड़ी है और इसके अंदर कुछ ऐसी खास ब्रांचेस हैं, जो कम से कम अगले 10-15 सालों तक जॉब मार्केट पर राज करने वाली हैं. अगर आप इस साल बीटेक इन कंप्यूटर साइंस करने वाले हैं तो उसकी 5 सबसे हॉट और सिक्योर ब्रांचेस के बारे में जान लें. इससे मंदी और एआई के खतरों के बीच भी करियर सेफ रहेगा.

कंप्यूटर साइंस की 5 स्पेशलाइजेशन

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग बहुत विविध कोर्स है. इस डिग्री के 4 सालों में कई तरह के कॉन्सेप्ट पढ़ाए जाते हैं. आप उनमें से किन्हीं ऐसे विषय में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं, जो

भविष्य के लिहाज से सिक्योर माने जाते हों. स्पेशलाइजेशन चुनने में गलती होने पर आपकी 4 साल की मेहनत बर्बाद हो जाएगी और आगे नौकरी ढूंढने में भी परेशानी आ सकती है.

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम तो इसी का होना था. चैटजीपीटी, सेल्फ-ड्राइविंग कार और रोबोट्स की दुनिया अब हकीकत बन चुकी है. AI-ML की डिग्री सिखाती है कि मशीनों को इंसानों की तरह समझदार कैसे बनाया जाए. आने वाले 10 सालों में हर छोटी-बड़ी कंपनी अपने बिजनेस में एआई का इस्तेमाल करेगी. ऐसे में एआई इंजीनियर, रिसर्चर और डेटा मॉडलर की डिमांड ट्रेंड में रहेगी.

2. साइबर सिक्योरिटी और एथिकल हैकिंग

जैसे-जैसे दुनिया ऑनलाइन हो रही है, वैसे-वैसे Digital Thefts, डेटा लीक और हैकिंग के मामले बढ़ रहे हैं. किसी भी बैंक, सरकारी संस्था या कंपनी के लिए डेटा ही सबसे कीमती होता है. साइबर सिक्योरिटी में डिग्री लेने वाले प्रोफेशनल्स का काम इसी डेटा को सुरक्षित रखना है. इस फील्ड में एआई आने के बाद भी इंसानी दिमाग की जरूरत रहेगी क्योंकि हैकर्स से निपटने के लिए स्मार्ट और रियल-टाइम फैसले लेने होते हैं.

3. डेटा साइंस और बिग डेटा एनालिटिक्स

इन दिनों डेटा की तुलना सोने से की जाती है. आप दिनभर इंटरनेट पर क्या सर्च करते हैं, क्या खरीदते हैं- यह सब डेटा है. कंपनियां इस डेटा को समझकर अपनी बिजनेस स्ट्रेटेजी बनाती हैं. डेटा साइंस की डिग्री में इसी भारी-भरकम डेटा को एनालाइज करना और उसमें से काम की बातें निकालना सिखाया जाता है. जब तक इंटरनेट रहेगा, डेटा जनरेट होता रहेगा और डेटा साइंटिस्ट की नौकरी पर कभी आंच नहीं आएगी.

4. क्लाउड कंप्यूटिंग और डेवऑप्स

अब डेटा कंप्यूटर की हार्ड डिस्क या पेन ड्राइव में सेव नहीं होता है. नेटफ्लिक्स की फिल्में हों या ऑफिस का काम, सब 'क्लाउड' (इंटरनेट सर्वर) पर चल रहा है. क्लाउड कंप्यूटिंग और डेवऑप्स के जरिए सॉफ्टवेयर बनाने और उसे चलाने का प्रोसेस ऑटोमेटिक बनाया जाता है. एमेजॉन AWS, माइक्रोसॉफ्ट एज्योर और गूगल क्लाउड जैसी कंपनियों के आने से इस फील्ड में नौकरियों की बाढ़ आ गई है.

5. ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

ज्यादातर लोग ब्लॉकचेन को सिर्फ 'बिटकॉइन' या क्रिप्टो करेंसी से जोड़कर देखते हैं. लेकिन इसका इस्तेमाल इससे कहीं ज्यादा है. ब्लॉकचेन डिजिटल ट्रांजैक्शन को सिक्योर और ट्रांसपेरेंट बनाती है. आने वाले समय में बैंकिंग, हेल्थकेयर, सप्लाई चेन और वोटिंग सिस्टम तक में ब्लॉकचेन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाला है. इसलिए ब्लॉकचेन डेवलपर और आर्किटेक्ट की डिमांड और सैलरी, दोनों ही आसमान छूने वाली हैं.

दुनिया के किन शहरों में रहते हैं सबसे ज्यादा बिलियनेयर?

भारत के तीन शहरों के भी हैं नाम, देखिए पूरी लिस्ट

दुनिया में सबसे ज्यादा बिलियनेयर न्यूयॉर्क में रहते हैं।

नई दिल्ली,28 जून (एजेंसियां)। क्या आप जानते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा बिलियनेयर किस शहर में रहते हैं? हुरून ग्लोबल रिच लिस्ट, 2026 के मुताबिक अमेरिका के न्यूयॉर्क में दुनिया के सबसे ज्यादा 146 बिलियनेयर रहते हैं। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है।

दुनिया की टॉप 100 कंपनियों में आधी से ज्यादा इसी देश की हैं। लेकिन चीन में भी अब अरबपतियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। दुनिया के जिन 32 शहरों में सबसे ज्यादा बिलियनेयर रहते हैं, उनमें से 18 एशिया में हैं। इसमें चीन की हिस्सेदारी 34 फीसदी है। न्यूयॉर्क के बाद सबसे ज्यादा 132 बिलियनेयर चीन के शेनजेन में रहते हैं। चीन का शंघाई 120 और बीजिंग में 107 बिलियनेयर का ठिकाना है। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में 102 बिलियनेयर रहते हैं जबकि भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में रहने वाले बिलियनेयर्स की संख्या 95 है। इसके बाद हॉन्ग कॉन्ग (88), सैन फ्रांसिस्को (86), मॉस्को (82) और चीन के हेंगजू (65) का नंबर है।भारत की राजधानी दिल्ली में 64 बिलियनेयर रहते हैं। इसके बाद सिंगापुर (59), ताइपे (51), पेरिस (44), साओ पाउलो (41), ग्वांगझू (41), लॉस एंजिलिस (40) और बैंकॉक (40) का नंबर है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में 32, जापान के टोक्यो में 31, तुर्की के इस्तांबुल में 31 और भारत की आईटी कैपिटल बेंगलुरु में 30 बिलियनेयर रहते हैं। स्टॉकहोम में 29, मिलान में 28, टोरंटो में 26, मेलबर्न में 24 और दुबई में 24 बिलियनेयर हैं।

100 और 200 रुपए के नोटों का नया ट्रेंड

घरों में जमा करने लगे लोग, इसके पीछे क्या है कारण?

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। हाल के दिनों में 100 और 200 रुपये के नोटों को लेकर एक नया ट्रेंड देखने को मिला है. लोग पहले के मुकाबले अपने घरों में ज्यादा नकद पैसे रखने लगे हैं. यहां हम 500-2000 की बात नहीं कर रहे हैं. देखा जा रहा है कि 100- 200 जैसे छोटे नोटों की मांग बढ़ गई है. इसका मतलब ये नहीं है कि बाजार में नोटों की कोई कमी है, बल्कि कई लोग एहतियात के तौर पर अपने पास ज्यादा कैश रखना पसंद कर रहे हैं.

कैश क्यों रख रहे हैं लोग?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लोगों ने सावधानी के तौर पर नकदी अपने पास रखना शुरू किया है. ऐसे समय में कई लोग डिजिटल पेमेंट के साथ-साथ कुछ नकद राशि भी घर में रखना सुरक्षित मानते हैं. एक्सपर्ट्स की माने तो जब दुनिया में आर्थिक या भू-राजनीतिक अनिश्चितता बढ़ती है, तो लोग अपनी जरूरतों के लिए पहले से कैश रखने लगते हैं.

कोविड के बाद लोग हुए अलर्ट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में लोगों के पास मौजूद नकदी में बढ़ोतरी की रफ्तार कोविड-19 महामारी के बाद सबसे तेज रही है. इससे पता चलता है कि एहतियात के तौर पर कैश रखने की प्रवृत्ति फिर से बढ़ रही है. हालांकि, इसका ये बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि बैंकिंग सिस्टम या डिजिटल भुगतान पर लोगों का भरोसा कम हुआ है. यूपीआई और डिजिटल ट्रांजैक्शन लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके साथ लोग थोड़ी नकदी भी अपने पास रखना पसंद कर रहे हैं.

क्या 100- 200 की कमी है?

इस सवाल का सीधा जवाब है, नहीं. फिलहाल 100 और 200 रुपये के नोटों की कोई ऑफिशियल कमी नहीं बताई गई है. भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकिंग सिस्टम में भरपूर करेंसी है. बढ़ती मांग का कारण सिर्फ लोगों की एहतियात के तौर पर नकदी रखने की आदत माना जा रहा है.

क्या घर में कैश रखना चाहिए?

रोज के काम और जरूरतों के लिए तो कैश रखना ही चाहिए. इसके अलावा इमरजेंसी जैसी स्थिति के लिए भी सीमित मात्रा में नकदी रखना सही रहता है. लेकिन बहुत ज्यादा कैश घर में रखना सुरक्षित नहीं माना जाता है. आप अपने पैसे बैंक अकाउंट या ऑनलाइन बैंकिंग में ही रखें.

तमिलनाडु में जमीन की कीमत न्यूयॉर्क के बराबर

क्या भ्रष्टाचार की वजह से बढ़ रही है कीमतें: श्रीधर वेम्बू?

नई दिल्ली,28 जून (एजेंसियां)। ग्लोबल टेक्नोलॉजी कंपनी जोहो के फाउंडर और सीईओ श्रीधर वेम्बू का कहना है कि देश में राजनीतिक भ्रष्टाचार की वजह से रियल एस्टेट की कीमतें बढ़ रही हैं। इससे तमिलनाडु जैसे अर्बनाइज्ड स्टेट्स में लिविंग कॉस्ट बढ़ रही है और जन्म दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि हमारे शहरी इलाकों में जमीन की कीमत हमारी प्रति व्यक्ति जीडीपी के हिसाब से होनी चाहिए। देश में जमीन की कीमत और प्रति व्यक्ति जीडीपी का अनुपात शायद भारत में दुनिया में सबसे अधिक है।

वेम्बू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत में प्रति व्यक्ति आय का स्तर बहुत कम होने के बावजूद, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहरों में जमीन की कीमत न्यूयॉर्क के बराबर है। उन्होंने इसके लिए राजनीतिक भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक भ्रष्टाचार का बहुत सारा पैसा रियल एस्टेट में लगाया जाता है। इससे रियल एस्टेट की कीमतें बढ़ती हैं जो आगे चलकर हर चीज पर असर डालती हैं।उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार केवल रियल एस्टेट तक ही सीमित नहीं हैं। प्राइवेट स्कूलों के लिए रेगुलेटरी नियमों को लागू करने में भ्रष्टाचार से स्कूल की फीस बढ़ जाती है। इसी तरह हेल्थकेयर में ऐसी ही समस्याओं से मेडिकल खर्च बढ़ जाता है। रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन की ज्यादा कीमतों की वजह से रिटेलर्स को ज्यादा किराया देना पड़ता है। इससे घर के सामान की कीमतें भी बढ़ जाती हैं। वेम्बू का कहना है कि मकान, शिक्षा, हेल्थकेयर और घर के सामान की कीमत अब ज्यादा है। बढ़ते खर्च के व्यापक सामाजिक और डेमोग्राफिक नतीजे होते हैं। आम आदमी पर आर्थिक बोझ और बढ़ जाता है। इसका नतीजा यह हो रहा है कि युवा शादी टाल रहे हैं, बच्चे पैदा करने में देरी करते हैं या कम बच्चे पैदा करते हैं। इसका सीधा असर हमारी डेमोग्राफिक्स पर पड़ता है।जोहो के फाउंडर ने कहा कि देश के कई हिस्से इस समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन देश के सबसे ज्यादा अर्बनाइज्ड स्टेट्स में से एक तमिलनाडु पर इसका खास असर पड़ा है।

रेलवे की बड़ी पहल: जम्मू मंडल ने 5 दिनों में चेन्नई और कोलकाता भेजा 9 टन से ज्यादा कश्मीरी पलम, चेरी और लीची

जम्मू ,28 जून (एजेंसियां)। कश्मीर के मौसमी फलों की मार्केटिंग व मार्केट पहुंच को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल ने बड़ी पहल करते हुए पिछले पांच दिनों में पार्सल सेवा के माध्यम से 9 टन से अधिक ताजा प्लम (आलूबुखारा) चेन्नई और कोलकाता भेजा है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार चेरी और लीची की सफल ढुलाई के बाद अब प्लम की खेप को देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाना कश्मीर के बागवानी उत्पादों के परिवहन की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शुक्रवार को श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रेलवे स्टेशन से 284 पैकेट, लगभग 3 टन ताजा प्लम चेन्नई के लिए रवाना किए गए। इससे पहले 22 से 25 जून के बीच जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से 587 पैकेट, करीब 6.1 टन प्लम कोलकाता भेजा जा चुका है। जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि कटड़ा और जम्मू तवी से प्लम की सफल लोडिंग विभाग के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि चेरी और लीची के बाद अब प्लम की ढुलाई यह साबित करती है कि रेलवे की पहल कश्मीर के बागवानों को सीधे देश के प्रमुख बाजारों से जोड़ रही है। उन्होंने बताया कि रेलवे त्वरित बुकिंग, सुरक्षित परिवहन और समयबद्ध डिलीवरी सुनिश्चित कर रहा है, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल रहा है। उन्होंने व्यापारियों और बागवानों से रेलवे की पार्सल सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जम्मू मंडल की पार्सल सेवा कश्मीर के बागवानों को राष्ट्रीय बाजार से सीधे जोड़ रही है। चेरी और लीची के बाद प्लम की लगातार ढुलाई इस बात का प्रमाण है कि जल्दी खराब होने वाले फलों के परिवहन के लिए रेलवे सबसे विश्वसनीय और किफायती माध्यम बनकर उभर रहा है।

मालदा के आमों की इटली और मिडिल ईस्ट में डिमांड बढ़ी

दुनिया तक पहुंच रही 'फलों के राजा' की मिठास

कोलकाता, 28 जून (एजेंसियां)। पिश्चिम बंगाल के मालदा के आम उद्योग के लिए एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर, ज़िला प्रशासन ने आईसीएआर-सीएसआईएसएच केवीके मालदा और अन्य अहम सहयोगियों के साथ मिलकर बेहतरीन क्वालिटी वाले आमों का अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में निर्यात सफलतापूर्वक शुरू किया है।

इससे ग्लोबल बागवानी के नक्शे पर जिले की स्थिति और मजबूत हुई है। अमृतरी, इंग्लिश बाजार से 1,500 किलोग्राम बेहतरीन क्वालिटी वाले आम्रपाली आमों की एक खेप संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात के लिए रवाना की गई।इसके अलावा, जीएपी-आधारित आम क्लस्टर के तहत उगाए गए लखनभोग और निर्यात-योग्य अन्य बेहतरीन किस्मों को भी मिलान (इटली) और मिडिल ईस्ट के कई देशों सहित अंतरराष्ट्रीय जगहों पर भेजा गया। कुल मिलाकर, लगभग 6 मीट्रिक टन आमों का निर्यात किया गया है। यह ध्यान देने वाली बात है कि मालदा ज़िला प्रशासन ने 'आमार मालदा' पहल शुरू की है, जिसके तहत आम से जुड़ी सभी गतिविधियों को एक ही मंच पर लाने की कोशिश की जा रही है। इन कोशिशों के अच्छे नतीजे मिल रहे हैं। यह कामयाबी ज़िला प्रशासन द्वारा आईसीएआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर सबट्रॉपिकल हॉर्टिकल्चर के कृषि विज्ञान केंद्र , मालदा के साथ मिलकर बढ़ावा दी गई जीएप-आधारित आम क्लस्टर पहल के तहत हासिल की गई है। किसानों ने वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित 'अच्छे कृषि अभ्यास' अपनाए। इनमें फलों की बैगिंग, कीट और बीमारी का इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट, संतुलित पोषक तत्वों का इस्तेमाल, कैनोपी मैनेजमेंट, बाग की सफाई और फसल कटाई से पहले और बाद में बेहतर हैंडलिंग शामिल थी। इन तरीकों से कड़े अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी स्टैंडर्ड्स का पालन सुनिश्चित हुआ, जिससे मालदा के आम ग्लोबल लेवल पर कॉम्पिटिटिव बन गए।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन--	04-52 बजे
चंद्र	धनु	मे	कर्क----	07-04 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह----	09-36 बजे
बुध	कर्क	मे	कन्या--	11-22 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला----	13-28 बजे
शुक्र	कर्क	मे	वृश्चिक--	15-38 बजे
शनि	मीन	मे	धनु----	17-52 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर----	19-57 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ----	21-48 बजे
			मीन----	23-26 बजे
			मेष----	01-02 बजे
			वृष----	02-52 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर **,** ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-47**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -49**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - द्वितीय ज्येष्ठ सोमवार **29 June 2026**
तिथि - शुक्ल पक्ष पूर्णिमा **04-26** तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - मूल **04-03** रात्रि तक उप पूर्वाषाढा
योग. - शुक्ल **14-26** तक उप ब्रह्म
करण - विष्टी **16-17** तक उप बव

विशेष: पूर्णिमा व्रतं,भद्रा **16-17** तक वट सावित्री व्रत पूर्ण,कबीर जं

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-25 से 09-03 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05-46 - 07-25	शुभ	चंचल	18-49 - 20-15	शुभ
काल	07-25 - 09-03	अशुभ	रोग	20-15 - 21-37	अशुभ
शुभ	09-03 - 10-41	शुभ	काल	21-37 - 22-58	अशुभ
रोग	10-41 - 12-20	अशुभ	लाभ	22-58 - 00-20	शुभ
उत्पात	12-20 - 13-58	अशुभ	उत्पात	00-20 - 01-41	अशुभ
चंचल	13-58 - 15-36	शुभ	शुभ	01-41 - 03-03	शुभ
लाभ	15-36 - 17-15	शुभ	अमृत	03-03 - 04-25	शुभ
अमृत	17-15 - 18-49	शुभ	चंचल	04-25 - 05-46	शुभ

पटाखों के बाजार में चीन को धूल चटाने की तैयारी, शिवकाशी को ग्लोबल हब बनाने का रोडमैप तैयार!

शिवकाशी , 28 जून (एजेंसियां)। भारत में कोई भी त्योहार या जश्न हो, आसमान में रंग-बिरंगी आतिशबाजी के बिना अधूरा सा लगता है। ये जो पटाखे हमारे चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, उनका 90 फीसदी हिस्सा तमिलनाडु के एक छोटे से शहर शिवकाशी में बनता है। साठ के दशक में अपनी औद्योगिक तरक्की के कारण देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से 'कुट्टी जापान' (छोटा जापान) का खिताब पाने वाला यह शहर अब एक नई उड़ान भरने को तैयार है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व में राज्य सरकार शिवकाशी को पटाखों का ग्लोबल हब बनाना चाहती है, ताकि दुनिया के बाजार पर राज करने वाले चीन को सीधी टक्कर दी जा सके।

6000 करोड़ का कारोबार, फिर भी चीन से पीछे क्यों?

शिवकाशी में 1,200 से अधिक पटाखा फैक्टरियां हैं और इस उद्योग का अनुमानित आकार करीब 6,000 करोड़ रुपये है। इसके बावजूद, वैश्विक बाजार के 90 प्रतिशत हिस्से पर चीन का कब्जा है। चीन का केवल एक शहर लिउयांग दुनिया भर में 70 प्रतिशत पटाखे निर्यात करता है। एक समय था जब भारत से भी भारी मात्रा में पटाखे विदेशों में जाते थे, लेकिन पिछले दो दशकों में इसमें भारी गिरावट आई है। तमिलनाडु फायरवर्क्स एंड एमोर्सेस मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पी। गणेशन बताते हैं कि अब ग्लोबल शिपिंग नेटवर्क पर चीनी निर्यातकों का दबदबा है। भारतीय निर्माताओं को विदेशों में माल भेजने के लिए शिपिंग कंटेनर और कार्गो स्पेस मिलना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा, पटाखा उद्योग को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 'रेड कैटेगरी' में रखा गया है, जिससे निर्माताओं को कई तरह की प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ता है।

शिवकाशी ग्लोबल हब बनने के लिए तैयार

सुप्रीम कोर्ट की पाबंदियों से कारोबार पर असर

शिवकाशी के लिए चीन की दीवार फांदना इतना आसान नहीं है। निर्यात बढ़ाने से पहले इस उद्योग को कई नियामक और कानूनी चुनौतियों से पार पाना होगा। सबसे बड़ी समस्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा बेरियम नाइट्रेट के इस्तेमाल पर लगाई गई अंतरिम रोक है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए यह कदम उठाया गया था। बेरियम नाइट्रेट एक अहम रसायन है, जिसका इस्तेमाल 60 प्रतिशत पटाखों को बनाने में होता था। इसके साथ ही, लड़ी वाले पटाखों पर भी प्रतिबंध है, जिनकी कुल उत्पादन में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। इसका सीधा मतलब है कि उद्योग का 80 प्रतिशत पोर्टफोलियो सीधे तौर पर प्रभावित हुआ है। ठंडे देशों में निर्यात होने वाले पटाखों के लिए जरूरी 'पोटेशियम परक्लोरेट' का परमिट भी केवल कुछ ही बड़ी इकाइयों को मिलता है।

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

कुछ बड़ी चीजे आपके कार्य क्षेत्र में आपका इंतजार कर रही है । आपको कुछ समय से अपने कार्य के प्रति प्रशंसा नहीं मिल रही थी ,ये पूरी तरह से आज गायब हो जाएगा और आपको उच्च वेतन और अधिक भत्तों के साथ एक दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है जो आपकी सोच से परे थी , हालांकि इस नौकरी के लिए आपका स्थानांतरण हो सकता है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

कुछ परिवर्तन आपके कार्यस्थल में होने की संभावना है। वे पहली बार में हतोत्साहित लग सकते है, लेकिन जल्द ही वे आप के लिए नए अवसर को खोलेंगे , लेकिन इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आपको साहस और विश्वास की छलांग लगाने की आवश्यकता पड़ेगी । ये उद्यम आपको जोखिम भरा लग सकता है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

दिन की शुरुआत में ही अपने सभी कार्य खत्म करने की कोशिश करे ! आपको दिन के उत्तरार्द्ध में काम करने का मौका नहीं मिलेगा । किसी भी क्रय या विक्रय में सावधानी बरते अन्यथा आप धोखाधड़ी के शिकार हो सकते है । आपको अपनी इच्छा शक्ति पर एक मजबूत नियंत्रण करना होगा , ताकि आप अपने खर्च को संतुलित कर पाए ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपका भाग्य आपके वित्तीय उपक्रम को पूरा समर्थन दे रहा है एवं आपकी नौकरी भी काफी अच्छी है परन्तु आपको अपने धन पर ध्यान रखने की जरुरत है जैसे की हम सब जानते है की पैसे पेड पर नहीं उगते है। आपके अपव्यय करने की आदत से आपको अपने निकट के व्यक्तियों से आलोचना सुननी पड़ती है ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

चीजें आपके अनुसार कार्य नहीं कर रही है जैसे की अपने योजना बनाई थी , लेकिन आपको इस कारण से आक्रामक नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे आपके सारे प्रयास बर्बाद हो सकते हैं। कार्य में प्रगति के लिए आपको धैर्य की आवश्यकता होगी लेकिन ये इतनी आसानी से आपको नहीं मिलेगा ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज कुछ प्रमुख व्यय के लिए आप योजना बनाने के लिए जा रहे हैं लेकिन इस खर्चे पर आपकी नजर रहेगी । आज का दिन वित्तीय योजना बनाने के लिए एकदम सही है और कुछ कार्य जो की कुछ समय से अधूरे थे उन्हें पूरा करना का भी उचित समय है । आज आप अपनी बचत और परिसंपत्तियों की एक पूरी सूची के साथ बैठे और उन्हें व्यवस्थित करे।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

कुछ समय से आप झूठ बोल रहे है । आज आप आय के नए तरीकों का लाभ उठाने के लिए अपने निर्णय में नयापन ला सकते हैं। आप में अपनी ताक़त या कुर्सी का आनंद लेने के लिए दीवानापन रहेगा और वह काफी सशक्त होगा । आपकी वित्तीय स्थिति किसी भी अन्य दिन की तरह सामान्य रहेगी ।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

अगर आप इसे बारे में सतर्क और जागरूक रहे की दूसरे क्या कर रहे हैं , तो आप अपने व्यक्तिगत काम में बेहतर तरीके से सुधार कर सकते हैं। उनकी चिंताओं को समझने की कोशिश करे और एक तारतम्य स्थापित करे की आप क्या चाहते है और उन्हें क्या चाहिए । अतीत में की गई निवेश की गलतियाँ का भुगतान अब आपको करना पड़ सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सूरज, हवा और पानी से बनने वाली बिजली पर संकट

क्या डूब जाएंगे भारत के 267 जीडब्ल्यू क्षमता वाले प्रोजेक्ट?

नई दिल्ली,28 जून (एजेंसियां)। भारत में प्लान्ड अधिकतर रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) प्राजेक्ट पर साल 2030 तक गंभीर जलवायु जोखिमों का खतरा मंडरा रहा है।

ज्यूरिख ग्रुप की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत की लगभग 90 प्रतिशत प्रस्तावित ग्रीन एनर्जी साइट्स गंभीर पर्यावरण संकट की चपेट में आ सकती हैं। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चूंकि इनमें से कई प्रोजेक्ट अभी योजना या निर्माण के चरण में हैं। इसलिए समय रहते इन्हें सुरक्षित और मजबूत बनाने का यह एक बेहतरीन अवसर है। ज्यूरिख ग्रुप ने भारत के 10 राज्यों में फैली 871 प्रस्तावित रिन्यूएबल एनर्जी साइट का अध्ययन किया, जिनकी कुल क्षमता लगभग 267 गीगावाट है। अध्ययन के अनुसार 90% साइटें साल 2030 तक उच्च या अत्यधिक भौतिक जलवायु जोखिम का सामना कर रही हैं। इनमें से 66% साइटों को 2030 तक अत्यधिक गंभीर श्रेणी में रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह घबराने का कारण नहीं है, बल्कि अभी कदम उठाने का समय है। चूंकि ये प्रोजेक्ट्स शुरुआती चरण में हैं, इसलिए सबसे कम लागत में इनके डिजाइन में बदलाव कर इन्हें जलवायु-अनुकूल बनाया जा सकता है।

कुल क्षमता का सबसे बड़ा हिस्सा (लगभग 70%) सौर ऊर्जा का है। इसमें 182,286 मेगावाट क्षमता वाले 593 प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। सौर ऊर्जा के लिए ओलावृष्टि सबसे बड़ा खतरा है। ओले गिरने से न केवल सोलर पैनल के शीशे टूटते हैं, बल्कि उनमें ऐसे छुपे हुए दोष आ जाते हैं जो बाद में बिजली उत्पादन को कम कर देते हैं।

पाइपलाइन में 44,177 मेगावाट क्षमता के 230 पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट्स हैं। इनके लिए तेज चक्रवाती हवाएं, बाढ़ और मानसून के बदलते पैटर्न सबसे बड़ा खतरा हैं।

हाइड्रो प्रोजेक्ट्स की संख्या सबसे कम (48 प्रोजेक्ट्स, 40,188 मेगावाट) है, लेकिन इनके बुनियादी ढांचे पर वित्तीय जोखिम सबसे ज्यादा है।रिपोर्ट के अनुसार अब पुराने जल विज्ञान के आंकड़ों के भरोसे भविष्य के हाइड्रो प्रोजेक्ट्स नहीं बनाए जा सकते क्योंकि नदियों का प्रवाह तेजी से बदल रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि इन प्रोजेक्ट को सुरक्षित कैसे बनाया जाए। इसके लिए कई सुझाव दिए गए हैं। कुछ इस प्रकार हैं: योजना के स्तर पर ही जलवायु जोखिमों की अनिवार्य स्क्रीनिंग की जाए। सबसे संवेदनशील प्रोजेक्ट्स का 'स्ट्रेस टेस्ट' किया जाए।

उपकरणों की खरीद के समय ही विशिष्ट खतरों से निपटने की तकनीक को शामिल किया जाए। ग्रिड और एसेट दोनों के तालमेल को मजबूत किया जाए। प्रोजेक्ट्स को सुरक्षित बनाने के वित्तीय फायदे दिखाकर वैश्विक निवेश को आकर्षित किया जाए।

अगर कुल पूंजीगत व्यय का मात्र 2 प्रतिशत हिस्सा इन परियोजनाओं को सुरक्षित और मजबूत बनाने में लगाया जाए, तो गंभीर नुकसान के जोखिम को 75 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। यह निवेश भविष्य में होने वाले नुकसान की तुलना में 38 गुना अधिक बचत देगा।

11896 टिकट बुकिंग और 73 लाख की कमाई

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के दक्षिण रेलवे ने सबको पीछे छोड़ा

नई दिल्ली,28 जून (एजेंसियां)। वंदे भारत एक्सप्रेस लगातार यात्रियों की पसंद बनती जा रही है। दक्षिणी रेलवे की ट्रेनों में तिरुवनंतपुरम-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 20632) कमाई के मामले में सबसे आगे रही है। अगस्त से अक्टूबर 2025 के बीच इस ट्रेन ने करीब 73.35 लाख रुपये का राजस्व कमाया और दक्षिणी रेलवे की सभी वंदे भारत सेवाओं में पहला स्थान हासिल किया। दक्षिणी रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को जोड़ने वाली 24 वंदे भारत ट्रेनों में इस रूट की कमाई सबसे ज्यादा रही।

बुकिंग में भी बनाया नया रिकॉर्ड

तिरुवनंतपुरम-मंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस में इस अवधि के दौरान सबसे ज्यादा 11,896 टिकट बुकिंग हुईं। वहीं दूसरी ट्रेनों की बुकिंग इससे काफी कम रही। चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल वंदे भारत ट्रेन में 2832 बुकिंग हुईं। वहीं कोयंबटूर-बेंगलुरु छावनी वंदे भारत ट्रेन में बुकिंग की संख्या 835 रही। इससे साफ है कि तेज रफ्तार, आरामदायक सफर और बेहतर सुविधाओं के कारण वंदे भारत की मांग लगातार बढ़ रही है।

यात्रियों और कमाई दोनों में बड़ा उछाल

दक्षिणी रेलवे की वंदे भारत ट्रेनों ने पिछले कुछ सालों में शानदार प्रदर्शन किया है। 2024-25: यात्रियों की संख्या 54.12 लाख थी और कमाई 540.65 करोड़ रुपये रही थी। 2025-26: वंदे भारत ट्रेनों से करीब 77.38 लाख यात्रियों ने सफर किया और रेलवे को 803.86 करोड़ रुपये की कमाई हुई। 2026-27: शुरुआती दो महीनों (अप्रैल-मई 2026) में ही वंदे भारत ट्रेनों ने 15.21 लाख यात्रियों को सफर कराया और करीब 162.96 करोड़ रुपये की कमाई की।

कई रूट पर 100% से ज्यादा ऑक्युपेंसी

मंगलुरु-तिरुवनंतपुरम, चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल और कासरगोड-तिरुवनंतपुरम जैसे रूटों पर वंदे भारत ट्रेनों में सीटों की मांग इतनी ज्यादा है कि कई बार 100% से ज्यादा ऑक्युपेंसी दर्ज की जा रही है। यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए दक्षिणी रेलवे ने करंट टिकट बुकिंग की सुविधा को आसान बनाया है। अब यात्री ट्रेन चलने से सिर्फ 15 मिनट पहले तक खाली सीटों की बुकिंग कर सकते हैं। यह सुविधा शुरुआती स्टेशन के साथ-साथ रास्ते के स्टेशनों से भी उपलब्ध है। पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसे कुछ ट्रेनों में शुरू किया गया था, जिसके बाद यात्रियों की संख्या और रेलवे की कमाई दोनों में बढ़ोतरी देखी गई।

सीकर के मास्टर प्लान को लेकर गरमाई सियासत

यूडीएच मंत्री खर्रा और पीसीसी चीफ डोटासरा आमने-सामने

सीकर, 28 जून (एजेंसियां)। दो साल सियासत में उलझे शिक्षानगरी सीकर के मास्टर प्लान को लेकर यूडीएच मंत्री व पीसीसी चीफ आमने-सामने हो गए है। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि मास्टर प्लान का दर्द सिर्फ कांग्रेसियों के पेट में हो रहा है। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान की चिन्ता भूमाफियाओं को सबसे ज्यादा है। खर्रा ने कहा कि पिछली सरकार ने मास्टर प्लान के नाम पर पाप करने का काम किया था। अब भाजपा की सरकार तो इस पाप को धोने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के लिए टीम काम कर रही है।

गोविंद सिंह डोटासरा और मंत्री झाबर सिंह खर्रा

इधर, शाम को छात्र संवाद कार्यक्रम के बाद पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि मास्टर प्लान यदि सीकर की जनता नहीं चाहती तो फिर सरकार निरस्त क्यों नहीं कर देती। उन्होंने कहा कि यूडीएच मंत्री ने पहले मास्टर प्लान को सही कराने के नाम पर एक साल तक रोके रखा। जब संतुष्ट हुए होंगे तभी तो खुद ने नगर परिषद में मास्टर प्लान के प्रारूप का प्रकाशन किया था। जब जनता ने विरोध किया तो खुद के समय हुए पाप का दोष कांग्रेस पर डाल रहे है। वहीं नीट परीक्षा मामले में भी दोनों नेताओं ने एक दूसरे को घेरा।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने कहा कि यूआइटी की ओर से विकसित की जाने वाली कॉलोनियों को जल्द धरातल पर लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले महीने तक इन कॉलोनियों को मंजूरी दिलाने का पूरा प्रयास है। नगर परिषद में खाली जमीन होगी तो वहां भी आवासीय कॉलोनी विकसित की जाएगी। खर्रा ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की भर्ती के लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है। पहले अनुभव के आधार पर यह भर्ती होनी थी, लेकिन विवाद होने से रोक दिया था। अब अक्टूबर में नए सिरे से भर्ती कराई जाएगी।

इधर पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा कि भाजपा पहले सीकर नगर परिषद को नगर निगम बनाने की बातें करती थी दो साल में तो बनी नहीं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार आने पर सीकर की संभाग, नगर निगम व नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग पूरी होगी। उन्होंने कहा कि जब मास्टर प्लान ही नहीं लाना तो फिर शहरी सीमा में 80 गांव-ढाणियों को क्यों जोड़ा गया।

2 कोचिंग स्टूडेंट ने दी जान

जेईई छात्रा ने फ्लाईओवर से लगाई छलांग, तो नीट छात्र ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

कोटा, 28 जून (एजेंसियां)। देश की कोचिंग नगरी कोटा में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो कोचिंग छात्रों की आत्महत्या के मामलों से सनसनी फैल गई। एक ओर जेईई की तैयारी कर रही 17 वर्षीय छात्रा ने फ्लाईओवर से छलांग लगा दी, वहीं दूसरी ओर नीट अभ्यर्थी ने हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। दोनों मामलों में पुलिस जांच कर रही है।

विज्ञान नगर थाना अधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि बिहार के अररिया जिले की रहने वाली 17 वर्षीय छात्रा जनवरी में कोटा आकर एक निजी कोचिंग संस्थान से जेईई की तैयारी कर रही थी और पीजी में रहती थी। शनिवार रात करीब 12 बजे वह कोटा-झालावाड़ रोड स्थित श्रीजी हॉस्पिटल के सामने फ्लाईओवर पर पहुंची और वहां से छलांग लगा दी। राहगीरों की सूचना पर पुलिस उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंची, जहां रविवार सुबह करीब 8 बजे उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। शव को एमबीएस अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। परिजनों के कोटा पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस छात्रा के पीजी, कोचिंग और मोबाइल की जांच कर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

उधर, बोरखेड़ा थाना क्षेत्र के कोरल पार्क कोचिंग एरिया स्थित गोयल रेजिडेंसी हॉस्टल में झारखंड निवासी 21 वर्षीय अलवीन कुमार ने शुक्रवार शाम करीब 7 बजे कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह पिछले एक वर्ष से कोटा में रहकर निजी कोचिंग संस्थान से नीट की तैयारी कर रहा था।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया और कमरे को सील कर जांच शुरू कर दी। एएसआई करतार सिंह ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद पोस्टमार्टम कर शव सौंपा जाएगा। दोनों मामलों में आत्महत्या के कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

इससे पहले इसी महीने उत्तर प्रदेश के रहने वाला 17 साल के एक छात्र ने जवाहर नगर पुलिस स्टेशन इलाके के राजीव गांधी नगर में हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। आर्यन ओझा यूपी के संत कबीर नगर का रहने वाला था और कोटा में जेईई की तैयारी कर रहा था।

खौलते पानी से झुलसी रेशु गुप्ता पर 'सरकारी राहत के छींटे', एक कांस्टेबल लाइन हाजिर

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। जयपुर के जगतपुरा इलाके में मुख्यमंत्री के वीआईपी काफिले के लिए रास्ता साफ कराने के दौरान मोमोज वेंडर महिला पर खौलता पानी गिरने का मामला सुर्ख़ियों में है। इस हादसे को लेकर जनता में उपजे भारी आक्रोश के बाद आखिरकार सरकार और पुलिस हरकत में आई है। पीड़िता के परिवार की आजीविका को दोबारा पटरी पर लाने और उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार ने मुफ्त इलाज के साथ-साथ स्थायी रोजगार की व्यवस्था शुरू कर दी है।

हादसे के बाद सबसे बड़ा संकट पीड़िता रेशु गुप्ता (27 वर्ष) के परिवार के सामने रोजी-रोटी का खड़ा हो गया था। इसे

देखते हुए जयपुर ग्रेटर नगर निगम और राज्य सरकार ने राहत पैकेज जारी किया है। राज्य सरकार ने स्पष्ट रूप से घोषणा की है कि अस्पताल में रेशु गुप्ता के इलाज और सर्जरी का जितना भी खर्च आएगा, वह पूरा का पूरा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

इसके साथ ही, परिवार को तात्कालिक राहत के रूप में आर्थिक सहायता राशि दी जा रही है और भविष्य में आजीविका चलाने के लिए जयपुर शहर के एक अच्छे लोकेलिटी में जयपुर डेयरी का बूथ आवंटित करने की प्रक्रिया को तुरंत शुरू कर दिया गया है।

मामले की गंभीरता और मानवाधिकारों से जुड़े इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा संज्ञान लिए जाने के बाद प्रशासनिक मशीनरी ने त्वरित एक्शन लिया।

संबंधित पुलिसकर्मी लाइन हाजिरः पुलिस विभाग ने शुरुआती जांच में सुरक्षा व्यवस्था के दौरान संवेदनहीनता बरतने वाले संबंधित पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है और मामले की उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी है।

फर्जी नंबर प्लेट लगी क्रेटा कार नहर में गिरी, डमी नोट और दस्तावेज बरामद

गाड़ी मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

हनुमानगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में भिरानी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान छानीबड़ी माइनर से एक संदिग्ध क्रेटा कार बरामद की है। घटना के बाद से ही कार चालक मौके से फरार है। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली, तो उसमें से चार अलग-अलग नंबर प्लेट, भारी मात्रा में बच्चों के खेलने वाले डमी नोट, एक मोबाइल फोन और गाड़ी के कई फर्जी व असली दस्तावेज बरामद हुए हैं। पुलिस ने कार के वास्तविक मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भिरानी थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि शुक्रवार शाम को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक क्रेटा कार बेहद तेज गति और लापरवाही से चलते हुए छानीबड़ी माइनर में गिर गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इसके बाद हाइड्रा जेसीबी की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद कार को नहर से बाहर निकाला गया। हादसे के वक्त कार पर हरियाणा के रजिस्ट्रेशन वाली नंबर प्लेट एचआर-76 एफ-1857 लगी हुई थी, जो जांच में पूरी तरह संदिग्ध पाई गई। जब पुलिस ने कार के इंजन और चेसिस नंबर की बारीकी से जांच की, तो वाहन का वास्तविक पंजीकरण नंबर एचआर-20 एआर-7159 निकलकर सामने आया। प्रारंभिक जांच में साफ हो गया है कि आरोपी किसी आपराधिक साजिश को अंजाम देने या टोल-नाकों और पुलिस को चकमा देने के लिए गाड़ी पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर घूम रहे थे।

इंस्टाग्राम से कर रहा था देश का सौदा, सुरक्षा एजेंसियों ने पकड़ा रंगे हाथ, पाक आतंकी शहजाद भट्टी का कनेक्शन

हनुमानगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने हनुमानगढ़ से एक बार फिर पाकिस्तानी गैंगस्टर-आतंकी शहजादभट्टी का कनेक्शन सामने आया है। 20 साल के एक युवक को पाकिस्तानी गैंगस्टर-आतंकी शहजादभट्टी के साथ सोशल मीडिया के जरिए संपर्क रखने और संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों के अनुसार आरोपी की पहचान हनुमानगढ़ टाउन के कृष राय उर्फ शान के तौर पर हुई है। साथ ही उसे थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ़्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर कई दिनों से इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के ज़रिए भट्टी के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि उसने कथित तौर पर हनुमानगढ़ टाउन और रायसिंहनगर थाने के वीडियो और अवस्थिति की जानकारी भट्टी के साथ साझा की

पाकिस्तानी आंतकी शहजाद भट्टी का स्लीपर सेल कृष राय राजस्थान से गिरफ्तार

थी। उन्होंने कहा कि आरोपी की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद 24 जून को मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पाकिस्तान में रहने वाला भट्टी कथित तौर पर भारत में नेटवर्क बनाने और संपर्क बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करता है। पुलिस के अनुसार आरोपी कृष राय मूल रूप से बिहार के दरभंगा का रहने वाला है लेकिन उसका परिवार कई साल से हनुमानगढ़ में रह रहा है। उसने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने यह भी बताया कि इस साल की शुरुआत में दो अन्य लोगों को भी भट्टी के संपर्क में रहने के आरोप में अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया था। आंतकी भट्टी के संपर्क सामने आने के बाद अजमेर के बुक्क अली अकबर की गिरफ्तारी हुई थी। बुक्क अली अकबर को पुलिस ने आरडीएक्स के साथ गिरफ्तार किया था। राजस्थान में पाक आंतकी भट्टी कैसे अपने अपराध का साम्राज्य बढ़ाने में लगा है, उस पूरे नेटवर्क को खंगालने में पुलिस और अन्यय सुरक्षा एजेंसियां लगी हुई है।

जूते-चप्पल के गोदाम में दर्दनाक हादसा

लिफ्ट टूटने से एक मजदूर की मौत, एक घायल

अजमेर, 28 जून (एजेंसियां)। किशनगढ़ तेजा चौक सिंधी कॉलोनी क्षेत्र में जूते चप्पल के एक गोदाम की लिफ्ट अचानक टूट जाने से उसमें दो मजदूर फंस गए. इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों ने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के बाहर हंगामा शुरू कर दिया. उनकी मांग है कि मृतक के बच्चों को उचित मुआवजा दिया जाए. साथ ही लिफ्ट टूटने में किसकी लापरवाही रही, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए. मृतक युवक दाधीच कॉलोनी किशनगढ़ का रहने वाला पारसमल पुत्र मांगीलाल उम्र 47 साल था. पारसमल के समाज के नागरिक जगदीश जीनगर ने बताया कि मृतक पारसमल पिछले 6 महीने से तेजा चौक पर जूते चप्पल के गोदाम में काम करता था. अन्य मजदूर शुभम के साथ घर जाने के लिए गोदाम से निकल रहा था और वे लिफ्ट में बैठकर नीचे के फ्लोर पर आ रहे थे. इस दौरान लिफ्ट टूट गई. इसमें पारस और शुभम दोनों घायल हो गए.

एसएचओ सुरेंद्र सिंह ने बताया कि घायलों को पहले किशनगढ़ के यज्ञ नारायण अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से पारसमल को गंभीर घायल अवस्था में अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रेफर किया गया. यहां रात को 2:15 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया, जबकि शुभम का इलाज किशनगढ़ के यज्ञनारायण अस्पताल में जारी है. पारसमल की मौत के बाद मृतक के परिजन रविवार सुबह अस्पताल के बाहर धरना-प्रदर्शन करते लगे. परिजनों ने मृतक पारसमल के बच्चों को उचित मुआवजा देने की मांग शुरू कर दी. मदनगंज पुलिस मामले की जांच कर रही है.

जेल से रिहाई का जश्न पड़ा भारी, हिस्ट्रीशीटर कबीर संजरी 10 साथियों संग फिर गिरफ्तार, 3 कारें जब्त

झालावाड़, 28 जून (एजेंसियां)। झालावाड़ में जेल से रिहा होने के बाद गैंगस्टर स्टाइल में शक्ति प्रदर्शन करना एक हिस्ट्रीशीटर और उसके साथियों को बेहद भारी पड़ गया। सोशल मीडिया पर रील और वीडियो वायरल कर आमजन में दहशत फैलाने की कोशिश के आरोप में झालावाड़ की कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर कबीर संजरी सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई तीन कारों को भी जब्त कर लिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, झालावाड़ के नला मोहल्ला निवासी हिस्ट्रीशीटर कबीर संजरी बीते 24 जून को जिला कारागृह से रिहा हुआ था। कबीर की रिहाई के वक्त उसे लेने के लिए करीब 20 से 25 साथी कई चार पहिया वाहनों के साथ जेल के मुख्य द्वार पर पहुंच गए। वहां सभी ने मिलकर एक बड़ा काफिला तैयार किया और शक्ति प्रदर्शन शुरू कर दिया।

आरोपी गिरफ्तार

जेल से निकलने के बाद कबीर संजरी को साथ लेकर वाहनों का यह काफिला शहर के प्रमुख और व्यस्त बाजारों से गुजरा। इस दौरान युवकों द्वारा जमकर नारेबाजी की गई और तेज गति तथा लापरवाही से वाहन चलाए गए।

इस पूरे घटनाक्रम का बकायदा वीडियो और रील बनाई गई, जिसे बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि इस वीडियो को वायरल करने का मुख्य उद्देश्य अपराधी छवि और गैंग का प्रभाव दिखाकर जनता के बीच डर का माहौल पैदा करना था।

सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद झालावाड़ एसपी अमित कुमार ने मामले को गंभीरता से लिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचंद मीणा और वृत्ताधिकारी हर्षराज सिंह खरेड़ा के सुपरविजन में कोतवाली थाना प्रभारी मुकेश कुमार मीणा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने वायरल वीडियो के आधार पर हुड़दंग करने वाले आरोपियों की पहचान की और शुक्रवार को दबिश देकर 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

सोशल मीडिया के जरिए अपराध का महिमामंडन करने, हथियारों का प्रदर्शन करने या गैंग की छवि बनाकर दहशत फैलाने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे तत्वों के खिलाफ पुलिस की सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

फोटोशूट में दिखा मॉडल्स का आत्मविश्वास

मिस राजस्थान की टॉप 28 गर्ल्स ने दिए पोज

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। मॉडलिंग की दुनिया में केवल खूबसूरती ही नहीं, बल्कि कैमरे के सामने खुद को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना भी एक कला है। चेहरे के भाव, आंखों की अभिव्यक्ति, बॉडी लैंग्वेज, सही एंगल, आकर्षक पोज और कैमरे से जुड़ाव ही किसी मॉडल को फोटोजेनिक बनाता है। इसी कला की परख के लिए मिस राजस्थान 2026 के अंतर्गत मिस फोटोजेनिक राउंड का आयोजन सीकर रोड स्थित आर. चंद्रा पैलेस में किया गया, जहां टॉप फाइनलिस्ट ने अपने स्टाइल, आत्मविश्वास और कैमरा प्रेजेंस से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

फ्यूजन ग्रुप और रूवी डिजिटल के सहयोग से आयोजित इस विशेष फोटोशूट में प्रतिभागियों ने कैमरे के सामने प्रोफेशनल मॉडल्स की तरह अलग-अलग पोज दिए।

किसी ने स्माइल के जरिए अपनी सहजता दिखाई, तो किसी ने आंखों के एक्सप्रेशन और कॉन्फिडेंस से तस्वीरों में अलग पहचान बनाई। फोटोशूट के दौरान प्रतिभागियों को यह भी सिखाया गया कि कैमरे के सामने कैसे खड़ा होना है, चेहरे के भाव किस तरह बदलने हैं, हाथों और शरीर की मुद्रा कैसे रखनी है और किस तरह हर क्लिक में अपनी पर्सनैलिटी को उभारना है।

1.72 करोड़ रुपए के साइबर फ्रॉड का आरोपी गिरफ्तार

प्रोडक्ट खरीदे बिना ही रिवॉर्ड एप में सेंध लगाई; अब तक 5 पकड़े

दौसा, 28 जून (एजेंसियां)। एशियन पेंट्स के मास्टरस्ट्रोक रिवॉर्ड ऐप में तकनीकी सेंध लगाकर करीब 1 करोड़ 72 लाख 86 हजार 297 रुपए की साइबर ठगी करने के मामले में दौसा साइबर थाना पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के साथ ही मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले गिरफ्तार चारों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है, जबकि पुलिस अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

11 अगस्त को सामने आया था मामला

पुलिस के अनुसार, एशियन पेंट्स लिमिटेड के एजीएम ने 11 अगस्त 2025 को साइबर थाने में

रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि कंपनी के मास्टरस्ट्रोक रिवॉर्ड प्रोग्राम में तकनीकी खामी का फायदा उठाते हुए आरोपियों ने बिना कोई उत्पाद खरीदे ट्रायल एंड एरर पद्धति से फर्जी क्यूआर कोड जनरेट किए और रिवॉर्ड सिस्टम का दुरुपयोग कर कंपनी को 1.72 करोड़ रुपए से अधिक का आर्थिक नुकसान पहुंचाया।

एसपी पीयूष दीक्षित के निर्देशन में साइबर थाना पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। साइबर क्राइम के पुलिस उपाधीक्षक बृजेश मीना के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए सोनू सैनी (23) निवासी काला काकरा वाली ढाणी, लालसोट को गिरफ्तार किया।

पहले चार लोगों की होगी चुकी है गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि इससे पहले अनिल कुमार सैनी, विष्णु कुमार सैनी, रिकु सैनी और राहुल सैनी को गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपी सोनू सैनी से गिरोह के अन्य सदस्यों और साइबर ठगी के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर इस मामले में आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

स्लीपर सेल बबीता की फ्रेंड लिस्ट में 370 लोग शामिल

तीन आतंकियों के सीधे संपर्क में थी बबीता

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड की गिरफ्त में आई स्लीपर सेल बबीता धाकड़ के मामले चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। एटीएस की पूछताछ में पता चला है कि बबीता धाकड़ पाकिस्तान के तीन खतरनाक आतंकियों के सीधे संपर्क में थी। इन तीनों में एक आतंकी कंधार विमान हाईजैक के मास्टरमाइंड का जीजा भी शामिल है। सात दिन की रिमांड के बाद बबीता को अब जेल भेज दिया गया है लेकिन रिमांड के दौरान हुई पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि स्लीपर सेल बबीता आतंकी कारी जरार, यूसुफ अजहर और अबू उबेदाह के सीधे संपर्क में थी। यूसुफ अजहर कंधार विमान हाईजैक के मास्टरमाइंड रहे मसूद अजहर का जीजा है। आतंकी कारी जरार भी जैश ए मोहम्मद का एक कमांडर है और बेहद क्रूर आतंकी

जयपुर स्लीपर सेल बबीता धाकड़ को लेकर नए खुलासे

है। वह नवंबर 2016 को जम्मू के नगरोटा में सेना के कैंप पर हुए आतंकी हमले का मुख्य साजिशकर्ता है। उस आत्मघाती हमले में भारतीय सेना के 7 जवान शहीद हो गए थे।

सूत्रों के हवाले से जानकारी मिली है कि सोशल मीडिया के जरिए बबीता कई आतंकी संगठनों के सदस्यों के संपर्क में आई। आतंकी अबू उबेदाह ने उसे अपने जाल में फंसा लिया था। बबीता का ऐसा ब्रेन वॉश किया गया कि वह धर्म परिवर्तन कर अबू उबेदाह से शादी करने को तैयार हो गई। शादी के लिए ही वह पाकिस्तान जाने का प्लान बना चुकी थी। नवंबर 2026 तक डंकी रूट से पाकिस्तान जाने का प्लान बनाया था लेकिन इससे पहले ही एटीएस ने उसे गिरफ्तार करके पूरे प्लान पर पानी फेर दिया।

बबीता ने सोशल मीडिया पर अलग अलग फर्जी नाम से अकाउंट बना रखे थे। एक अकाउंट का नाम था 'दुनिया धोखेबाज'। इस 'दुनिया धोखेबाज' अकाउंट के जरिए जो सोशल मीडिया ग्रुप बना रखा था। उस ग्रुप में कुल 370 लोग जुड़े हुए थे। एटीएस की एसपी मनीष त्रिपाठी बबीता की फ्रेंड लिस्ट में शामिल लोगों की तस्दीक कर रहे हैं। पता लगाया जा रहा है क्या राजस्थान या अन्य राज्यों का कोई पुरुष और महिला तो इस लिस्ट में शामिल नहीं है। रविवार 21 जून को एटीएस की टीम ने सवाई माधोपुर निवासी बबीता को जयपुर के वाटिका स्थित उसके मकान से गिरफ्तार किया था। कोर्ट में पेश कर उसे 7 दिन के रिमांड पर लिया गया था। रिमांड अवधि पूरी होने पर शनिवार 27 जून को फिर से कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने बबीता को जेल भेजने के आदेश दिए। कोर्ट के आदेश के बाद उसे जयपुर के सेंट्रल जेल में भेज दिया गया है।

पी.वी. नरसिम्हा राव की दूरदृष्टि पर आधारित है आज का समृद्ध भारत : राज्यपाल

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के आर्थिक सुधारों के शिल्पी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित पी.वी. नरसिम्हा राव की 105वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि आज का समृद्ध भारत उन्हीं की दूरदृष्टि और आर्थिक नीतियों की नींव पर खड़ा है। यह जयंती समारोह पी.वी. नरसिम्हा राव मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा रविवार शाम भव्य रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वार्षिक सम्मान समारोह में रक्तदान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों, शिक्षण संस्थानों, कॉर्पोरेट संगठनों और व्यक्तियों को राज्यपाल द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि तेलंगाना की धरती पर जन्मे पंडित पी.वी. नरसिम्हा राव न केवल एक कुशल राजनेता थे, बल्कि बहुभाषाविद, लेखक और दूरदर्शी नेता भी थे। उन्होंने कहा कि जब देश कठिन आर्थिक परिस्थितियों से गुजर रहा था, तब पी.वी. नरसिम्हा राव ने आर्थिक सुधारों की शुरूआत कर भारत को नई दिशा दी।

उन्होंने यह भी कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता का सबसे बड़ा उदाहरण है और इसे किसी प्रयोगशाला में तैयार नहीं किया जा सकता, यह केवल निस्वार्थ मानवीय भावनाओं से ही संभव है। उन्होंने सभी से पंडित पी.वी. नरसिम्हा राव के आदर्शों के अनुरूप ज्ञान, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त मुरली मोहन, तथा ट्रस्ट के संस्थापक डॉ.एन.वी. सुधा किरण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

युवक ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पहाड़ीशरीफ क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवक द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, युवक अपने जन्मदिन पर मोटरसाइकिल उपहार में न मिलने से नाराज था। मृतक की पहचान पहाड़ीशरीफ के मनखाल निवासी बाकी अखिल उर्फ पतराम (20) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अखिल ने अपने माता-पिता से जन्मदिन पर मोटरसाइकिल देने की मांग की थी, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण परिवार ने उसे कुछ दिनों बाद बाइक खरीदने का आश्वासन दिया था। पुलिस ने बताया कि माता-पिता के काम पर जाने के बाद अखिल ने कथित तौर पर घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का कहना है कि वह जन्मदिन पर बाइक न मिलने के कारण मानसिक तनाव में आ गया था। पहाड़ीशरीफ पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर बी. दयाकर रेड्डी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

भारत विमेंस टी-20 वर्ल्डकप से बाहर

ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया, कप्तान हरमनप्रीत की फिफ्टी काम नहीं आई

लंदन, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय विमेंस टीम टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। लॉर्ड्स में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर की अर्धशतकीय पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 170 रन बनाए। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़कर तेज शुरूआत दिलाई। शेफाली 34 और स्मृति 38 रन बनाकर आउट हुईं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 27 गेंदों में 56 रन की पारी खेली। उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हरमनप्रीत ने जेमिमा रोड्रिग्स (34 रन, रिटायर्ड आउट) के साथ तीसरे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सोफी मोलिन्यू पर लगातार तीन छक्के जड़कर भारत का स्कोर 170 रन तक पहुंचाया। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत खराब रही। रेणुका सिंह ने पहले ही ओवर में जॉर्जिया वॉल को आउट कर दिया। इसके बाद श्री चरणी ने फीबी लिचफील्ड और दीप्ति शर्मा ने बेथ मूनी का विकेट लेकर भारत को मुकाबले में बनाए रखा। हालांकि एलिस पेरी और एश्ले गार्डनर ने चौथे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी कर मैच का रुख ऑस्ट्रेलिया की ओर मोड़ दिया। पेरी ने 56 रन की पारी खेली। गार्डनर 53 रन बनाकर नाबाद रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने 19 ओवर में 4 विकेट पर 172 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया।

आयरलैंड ने पहली बार भारत को सीरीज हराया

दूसरा टी-20 मुकाबला 1 रन से जीता, टीम इंडिया ने 3 साल बाद सीरीज गंवाई

बेलफास्ट, 28 जून (एजेंसियां)। आयरलैंड ने इतिहास रचते हुए पहली बार मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में आयरलैंड ने भारत को 1 रन से हराकर 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली।

इसके साथ ही भारतीय टीम को लगभग तीन साल बाद किसी टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 में वेस्टइंडीज ने 3-2 से हराया था। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। टीम की ओर से हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। भारत की ओर से डेब्यू कर रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

155 रन के टारगेट के जवाब में भारतीय टीम शुरूआत से ही दबाव में आ गई। पहले ही ओवर में जय मूंदड़ा ने संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा को गोल्डन डक पर आउट कर दिया। इसके बाद भी भारतीय बल्लेबाज लगातार विकेट गंवाते रहे। तिलक वर्मा ने 55 रन की पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से उन्हें कोई बड़ा साथ नहीं मिला और भारत 1 रन से मुकाबला हार गया।

पीडीएस चावल तस्करी पर सख्ती के बावजूद गिरोह सक्रिय

राजनीतिक संरक्षण और मिलीभगत के आरोप

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित चावल की अवैध हेराफेरी पर कार्रवाई तेज किए जाने के बावजूद तस्करी करने वाले गिरोह कथित तौर पर अपना नेटवर्क जारी रखे हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, इन गिरोहों ने राजनीतिक संरक्षण और कथित आधिकारिक सहयोग का एक मजबूत नेटवर्क तैयार कर लिया है, जिससे बार-बार की जा रही छापेमारी और प्रवर्तन अभियानों के बावजूद यह अवैध कारोबार जारी है। एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि पुलिस के कुछ वर्गों, स्थानीय राजनीतिक नेताओं और पीडीएस चावल माफिया के बीच कथित सांठगांठ ने शहर में इस अवैध व्यापार को मजबूती दी है।

हाल ही में किशनबाग के एक पीडीएस चावल तस्कर के साथ एक पुलिस निरीक्षक की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग ने जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि संबंधित निरीक्षक ने कथित तस्कर को अपने घर पर एक समारोह में आमंत्रित किया था और उससे लाभ प्राप्त किए थे। इसी तरह चंद्रयानगुट्टा, वट्टेपल्ली, बालापुर और भवानीनगर क्षेत्रों से भी तस्करों और कुछ स्थानीय नेताओं के बीच मिलीभगत के आरोप सामने आए हैं, जहां कथित रूप से रिश्वत और प्रभाव के जरिए अवैध कारोबार चलाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, पीडीएस चावल की तस्करी दो प्रमुख तरीकों से की जाती है। पहले तरीके में उचित मूल्य दुकानों के संचालक लाभार्थियों का चावल अपने पास रख लेते हैं, जिसे बाद में तस्करों को बेच दिया जाता है। दूसरे तरीके में झुग्गी क्षेत्रों में सक्रिय युवक लाभार्थियों से सीधे चावल खरीदकर इसे तस्करों तक पहुंचाते हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि बालापुर, बहादुरपुरा, राजेंद्रनगर, फलकनुमा, चदरघाट, पहाड़ीशरीफ, तल्लाबकट्टा और भवानीनगर जैसे क्षेत्रों से बड़े सिंडिकेट संचालित होते हैं, जबकि नागोले, घाटकेसर और मीरपेट में भी ऐसी गतिविधियां देखी गई हैं। सूत्रों के अनुसार, गिरोह झुग्गी इलाकों में घरों और छोटी दुकानों को अस्थायी गोदाम के रूप में इस्तेमाल करते हैं और फिर चावल को बड़े बाहरी गोदामों में भेजकर अन्य राज्यों तक तस्करी करते हैं। बताया जाता है कि प्रत्येक ट्रक में लगभग 14 टन चावल होता है, जिससे एक ट्रिप में करीब 13 से 15 लाख रुपये तक का लाभ कमाया जाता है। इन नेटवर्कों में युवाओं को प्रतिदिन लगभग 500 रुपये देकर काम पर लगाया जाता है। अधिकारियों का मानना है कि यदि इस कथित गठजोड़-तस्करों, राजनीतिक संरक्षण और कुछ अधिकारियों को नहीं तोड़ा गया तो यह नेटवर्क आगे चलकर अन्य संगठित अपराधों जैसे मादक पदार्थ तस्करी में भी इस्तेमाल हो सकता है।

सिकंदराबाद रेलवे डिवीजन में सुरक्षा बढ़ी

सौर ऊर्जा चालित सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद से होकर यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संवेदनशील स्थानों पर सौर ऊर्जा से संचालित सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। यह कदम चलती ट्रेनों पर पत्थरबाजी और रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से उठाया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, सिकंदराबाद रेलवे डिवीजन में तीन ऐसे स्थानों की पहचान की गई है जहां पहले पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इन क्षेत्रों में अब आधुनिक निगरानी प्रणाली स्थापित की गई है।

चूंकि कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति अस्थिर रहती है, इसलिए आरपीएफ ने सौर ऊर्जा आधारित कैमरों का विकल्प चुना है, जो दिन-रात स्वतंत्र रूप से कार्य कर सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कैमरे ऊंचे खंभों पर लगाए गए हैं, जिससे रेलवे ट्रैक और आसपास के क्षेत्रों पर व्यापक निगरानी संभव हो सकेगी।

इन सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से ट्रैक के आसपास की गतिविधियों की लगातार रिकॉर्डिंग की जाएगी। आरपीएफ इन फुटेज की निगरानी कर पत्थरबाजी, अनधिकृत प्रवेश, चोरी और अन्य असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों की पहचान करेगा। साथ ही, यह रिकॉर्डिंग जांच और कानूनी कार्रवाई में महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में भी उपयोग होगी। अधिकारियों ने बताया कि सिकंदराबाद के आसपास सुनसान क्षेत्रों से गुजरने वाली ट्रेनों पर बार-बार होने वाले हमलों को देखते हुए यह कदम आवश्यक था। ऐसे हमलों से न केवल कोचों की खिड़कियों को नुकसान पहुंचता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। रेलवे ने चेतावनी दी है कि चलती ट्रेनों पर पत्थरबाजी या रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यादगिरिगुट्टा और श्री कनक दुर्गा मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़

हैदराबाद/विजयवाड़ा, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के यादाद्री भुवनगिरी जिले स्थित यादगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में रविवार के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई।

छुट्टी के दिन बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे पूरे मंदिर परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बन गया। श्रद्धालुओं को सामान्य दर्शन के लिए लगभग दो घंटे और विशेष प्रवेश दर्शन के लिए लगभग एक घंटे तक कतारों में प्रतीक्षा करनी पड़ी। कई भक्तों ने अर्चित सेवाओं (भुगतान आधारित धार्मिक अनुष्ठानों) में भाग लेकर अपनी मनोकामनाएं पूर्ण कीं। मंदिर परिसर के विभिन्न हिस्सों नित्य कल्याणम क्षेत्र, लड्डू प्रसाद काउंटर, सत्यनारायण स्वामी व्रत मंडपम, पहाड़ी पर स्थित कल्याण कट्टा (मुंडन केंद्र), पुष्करिणी (मंदिर तालाब) और वाहन पार्किंग क्षेत्रों में भारी भीड़ देखी गई।

इसी तरह आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा स्थित इंद्रकीलाद्री पहाड़ी पर स्थित श्री कनक दुर्गा मंदिर में भी रविवार के कारण श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लगातार छुट्टियों के चलते सुबह 7 बजे से ही भक्तों की संख्या में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं कीं। कतार व्यवस्था की निगरानी डीईओ किशोर कुमार, एईओ चंद्रशेखर, वेंकट रेड्डी और रमेश बाबू द्वारा की गई। भीड़ बढ़ने पर सुबह 10:30 बजे से मंदिर के अंदर दर्शन अस्थायी रूप से रोक दिए गए तथा सभी प्रकार के वीआईपी दर्शन 10:30 बजे से 2:30 बजे तक पूरी तरह बंद कर दिए गए। इसके चलते सामान्य श्रद्धालुओं को सुगम और शीघ्र दर्शन प्राप्त हुए। दोपहर 2:30 बजे के बाद भीड़ धीरे-धीरे कम होने लगी। ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और श्रद्धालुओं से बातचीत कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। सहायक आयुक्त रंगाराव ने भी कर्मचारियों के साथ मिलकर कतार व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। मंदिर प्रशासन और अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से भारी भीड़ के बावजूद दर्शन व्यवस्था शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया।

सीएम के दौरे से पहले बीआरएस और युवा कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारी

नालगोंडा, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के रविवार को जिले के दौरे से पहले नालगोंडा जिले में राजनीतिक हलचल तेज हो गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कुछ युवा कांग्रेस नेताओं को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लिया और गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, छठी मंडल के बीआरएस पार्षद कंदारू प्रवीण रेड्डी, 24वीं मंडल के पार्षद जी. राजशेखर गौड़, बीआरएस अल्पसंख्यक विंग के युवा अध्यक्ष ओवैस शाह, मोहम्मद कासिम, बेरी नागराजू सहित कई नेताओं को हिरासत में लिया गया है। इसी तरह बीआरएस छात्र संगठन ने कांग्रेस सरकार द्वारा युवाओं से किए गए वादों, विशेषकर नौकरी अधिसूचनाओं को लेकर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की थी और मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान प्रदर्शन की तैयारी कर रहे थे। सूचना के अनुसार, मिरयालगुडा द्वितीय नगर पुलिस ने रविवार तड़के करीब 4 बजे बीआरएसवी के कुछ नेताओं को एहतियातन हिरासत में लिया। नगरपालिका सदन के नेता इलियास खान और बीआरएसवी के राज्य सचिव मोहम्मद शोएब ने सरकार की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि बीआरएस लोकतांत्रिक तरीके से विरोध कर रही थी, लेकिन सरकार विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेकर आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। इसी बीच मुनुगोडे क्षेत्र में पुलिस ने युवा कांग्रेस नेता जांगिली नागराजू को भी हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि कुछ युवा कांग्रेस नेता मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों के दौरान तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे थे, जिसके चलते उन्हें एहतियातन पुलिस ने पकड़ लिया।

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर की 55वीं वार्षिक आमसभा संपन्न

व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए नई कार्ययोजना तैयार

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) हैदराबाद चैप्टर, तेलंगाना राज्य की 55वीं वार्षिक आमसभा (एजीएम) रविवार को हैदराबाद प्रेस क्लब में "व्यावसायिक उत्कृष्टता की ओर प्रयास" विषय के साथ आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यदागिरि कंभमपाटी ने की। अपने स्वागत भाषण में डॉ. कंभमपाटी ने वर्ष 2025-26 के दौरान चैप्टर की गतिविधियों की जानकारी देते हुए सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि सदस्यों के सक्रिय योगदान के कारण देहरादून में आयोजित 47वें अखिल भारतीय जनसंपर्क सम्मेलन में हैदराबाद चैप्टर को 'सर्वश्रेष्ठ चैप्टर' तथा 'सर्वश्रेष्ठ सचिव' पुरस्कार प्राप्त हुए। आमसभा में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। श्रीकर रेड्डी (सीईओ, पीआर सूत्र) ने उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया। डॉ. भिक्षा केथावत (प्रेक्स, आकाशवाणी) को कार्यकारिणी समिति का सदस्य बनाया गया। अंतरराष्ट्रीय इल्युजनिस्ट डॉ. सामला वेणु एम को राष्ट्रीय परिषद का नया सदस्य मनोनीत किया गया, जिससे चैप्टर में राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की संख्या बढ़कर सात हो गई। पूर्व अध्यक्ष प्रमोद राव को सलाहकार नामित किया गया। सदस्यता विस्तार अभियान के तहत "ईच वन ब्रिंग वन" पहल को जारी रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही नए सदस्यता शुल्क का 50 प्रतिशत हिस्सा चैप्टर के कोष (कॉर्पस फंड) में जमा कर वित्तीय मजबूती प्रदान करने का फैसला किया गया। बैठक में हैदराबाद स्थित समाचार भवन, मसाब टैंक, प्रेस अकादमी, चैपल रोड तथा अन्य उपयुक्त स्थानों पर चैप्टर के लिए कार्यालय स्थापित करने की संभावनाओं पर भी चर्चा की गई। वर्ष 2026-27 के लिए कई नई पहल की घोषणा की गई। पीआरएसआई स्टूडेंट फोरम के तहत 13 शिक्षण संस्थानों में व्याख्यान और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके लिए पहले ही समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। "पीआर फ्रॉम बोर्ड रूम टू क्लास रूम" कार्यक्रम के अंतर्गत जुड़वां शहरों के तीन विद्यालयों के साथ एमओयू किए गए हैं तथा विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम भी प्रारंभ हो चुके हैं। पूर्व अध्यक्ष परिषद (पास्ट चेयरपर्सन्स काउंसिल) की ओर से संस्था के पांच बार अध्यक्ष रहे दिवंगत एन.एल. नरसिम्हा राव की स्मृति में स्मारक व्याख्यान आयोजित करने का निर्णय लिया गया। परिषद के सदस्य वाई. बाबजी ने जनजागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान वाई. बाबजी के संपादन में प्रकाशित जनवरी-जून 2026 की 'पब्लिक रिलेशंस वॉयस' का 74वां अंक चैप्टर के अध्यक्ष और सचिव ने जारी किया। सदस्यों ने चौथे तेलंगाना जनसंपर्क सम्मेलन के सफल आयोजन की भी सराहना की। चैप्टर के सचिव के. राजेश ने वर्ष 2025-26 की वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने चैप्टर की विभिन्न गतिविधियों में प्रमुख सहयोगी एवं प्रायोजक के रूप में एनएमडीसी के योगदान की विशेष सराहना की। आमसभा का समापन तेलंगाना में जनसंपर्क पेशे को क्षमता निर्माण, उद्योग जगत से बेहतर समन्वय तथा डिजिटल-प्रथम संचार व्यवस्था के माध्यम से नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के संकल्प के साथ हुआ।

डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव की दो पुस्तकों का लोकार्पण

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने हैदराबाद के एग्जीबिशन ग्राउंड्स में आयोजित भाजपा बूथ अध्यक्ष विजय संकल्प सम्मेलन के दौरान तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव द्वारा लिखित दो महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, सांसद श्रीमती डी.के. अरुणा, ईटेला राजेंद्र, कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी, भाजपा विधायक दल के नेता अलेटी महेश्वर रेड्डी, विधान परिषद सदस्य मल्का कोमुरैया एवं अंजी रेड्डी, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती ए. रेखा शर्मा सहित अनेक राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा पार्टी नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पूर्व नगरसेवक जामबाग राकेश जयसवाल भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की बैठक में भाग लेने के लिए जुलूस के साथ पहुंचे।

सिगाची विस्फोट पीड़ितों के समर्थन में बीआरएस का सरकार और प्रबंधन पर हमला

संगारेड्डी, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने सिगाची विस्फोट के पीड़ितों के साथ खड़े होकर मुआवजा जारी करने में सिगाची प्रबंधन की विफलता का मुद्दा उठाया और विस्फोट के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने विस्फोट के कुछ ही घंटों बाद घटनास्थल का दौरा कर पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की और सरकार तथा प्रबंधन से तत्काल मुआवजा घोषित करने व घायलों को हर संभव सहायता देने की मांग की। वी. अधर्श रेड्डी और जी. श्रीकांत गौड़ के नेतृत्व में बीआरएस नेताओं ने 30 जुलाई को विस्फोट के एक महीने बाद कैंडललाइट रैली निकालकर पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की थी। पार्टी नेताओं का कहना है कि वे लगातार पीड़ित परिवारों के संपर्क में रहे और हर स्तर पर उनका मार्गदर्शन करते रहे।

बताया गया कि पिछले एक वर्ष में बीआरएस नेता विभिन्न स्थानों पर पीड़ितों से मिलते रहे हैं और उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाते रहे हैं। हरीश राव ने जुलाई 2025 में पीड़ित परिवारों के साथ संगारेड्डी कलेक्ट्रेट का दौरा कर वादा किए गए मुआवजे की तत्काल रिहाई और उद्योग के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई थी। उन्होंने पूरे वर्ष इस मुद्दे पर लगातार बयान देते हुए सरकार से मुआवजा प्रक्रिया तेज करने की अपील की। बीआरएस विधायकों ने भी राज्य विधानसभा में कई बार इस मामले को उठाकर सिगाची प्रबंधन और सरकारी व्यवस्था की विफलता पर सवाल खड़े किए। इसी क्रम में हरीश राव और अन्य बीआरएस नेता 30 जून को पाशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में हैं, जिसमें पीड़ितों को न्याय और मुआवजा दिलाने में सरकार की कथित विफलता को प्रमुख मुद्दा बनाया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

चंपत राय अयोध्या से हटेंगे...

सूत्रों के मुताबिक, संगठन और सरकार के दबाव में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा से इस्तीफा लिया गया। ये दोनों इस्तीफा देने को तैयार ही नहीं थे। जिस दिन इस्तीफा देना था, उसी दिन आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल का अयोध्या दौरा था।

इसको देखते हुए इस मामले में सबको चुप रहने के निर्देश दिए गए, ताकि इस इस्तीफे की क्रेडिट किसी भी तरह से केजरीवाल के खाते में जाने से रोका जा सके। हालांकि, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार और मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा इसके संकेत दे चुके थे। फिर भी स्पष्ट स्वीकार करने में झिझक रहे थे। डॉ. अनिल मिश्रा ने भी मीडिया से बातचीत में इस्तीफे की बात से इनकार किया था।

जस्टिस माहेश्वरी...

जजों के तबादले और उनकी पदोन्नति का फैसला भी यही कॉलेजियम लेता है। इस व्यवस्था में केंद्र सरकार की भी अपनी भूमिका होती है। सरकार कॉलेजियम की सिफारिशों को पुनर्विचार के लिए वापस भेज सकती है। हालांकि, नियम के मुताबिक यदि कॉलेजियम दोबारा वही नाम भेज दे, तो सरकार को उसे स्वीकार करना होता है। लेकिन कई बार सरकार फाइलों को रोक लेती है या उन पर जवाब नहीं देती है।जस्टिस पी एस नरसिम्हा का सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उनका जन्म तीन मई 1963 को हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने हैदराबाद के निजाम कॉलेज से अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और लोक प्रशासन में ट्रिपल मेजर की डिग्री ली। इसके बाद साल 1988 में दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई पूरी की। इसी साल उन्होंने वकील के रूप में अपना पंजीकरण कराया। उन्होंने शुरूआत में हैदराबाद की निचली अदालतों, ट्रिब्यूनल और हाई कोर्ट में वकालत की। इसके बाद वह सुप्रीम कोर्ट आ गए।

उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में कई ऐतिहासिक संवैधानिक पीठों के सामने जजों की मदद की। वह जस्टिस चिन्नप्पा रेड्डी आयोग के वकील भी रहे। साल 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता का दर्जा दिया। साल 2014 में वह देश के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) बने। इस दौरान उन्होंने एनजेएसी जैसे बड़े मामलों में अदालत की सहायता की।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

सोजन ने तोड़ा अंजू जॉर्ज का 22 साल पुराना रिकॉर्ड

6.88 मीटर की छलांग लगाकर रचा इतिहास; एशिया की टॉप-8 जम्पर्स में शामिल

भुवनेश्वर, 28 जून (एजेंसियां)। केरल की लंबी कूद खिलाड़ी एंसी सोजन ने भारतीय एथलेटिक्स में इतिहास रच दिया। उन्होंने नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 6.88 मीटर की छलांग लगाकर अंजू बॉबी जॉर्ज का 22 साल पुराना नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में 25 साल की एंसी ने यह रिकॉर्ड अपने पांचवें प्रयास में बनाया। उन्होंने अंजू बॉबी जॉर्ज के 6.83 मीटर को पीछे छोड़ा। यह उन्होंने 2004 एथेंस ओलिंपिक में बनाया था। यह भारतीय एथलेटिक्स के सबसे पुराने रिकॉर्ड्स में से एक था।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने 2004 एथेंस ओलिंपिक में 6.83 मीटर की छलांग लगाकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। इसके बाद दो दशकों तक कोई भी भारतीय महिला इस रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सकी।

अंजू 2003 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट भी थीं। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स की पहचान माना जाता था। अब एंसी ने उसे अपने नाम कर लिया है।

एंसी सोजन एशियन गेम्स 2023 लॉन्ग जम्प में सिल्वर भी जीत चुकी है

6.88 मीटर की छलांग के साथ एंसी एशियाई इतिहास की 8वीं बेस्ट महिला लॉन्ग जम्पर बन गई हैं। इतना ही नहीं, पिछले 20 साल में 6.85 मीटर से ज्यादा छलांग लगाने वाली वह सिर्फ दूसरी एशियाई महिला हैं। यह प्रदर्शन इस साल होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप से पहले भारत के लिए भी बड़ी उम्मीद लेकर आया है।

नेवी को रिप्रेजेंट करने वाली एंसी पिछले कुछ सालों से लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने 2023 एशियन गेम्स में सिल्वर जीता था। इसके बाद 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी सिल्वर अपने नाम किया था।

इस साल रांची में हुए फेडरेशन कप में उन्होंने 6.76 मीटर की छलांग लगाकर अपना बेस्ट प्रदर्शन किया था। उसी दौरान उन्होंने एशियन गेम्स के लिए क्वालिफिकेशन मार्क भी हासिल कर लिया था। अब उन्होंने अपना ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुधारते हुए नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया।

पिछले साल एंसी हार्मोनल समस्या के कारण वजन बढ़ने से जूझ रही थीं। उन्होंने बताया था कि वजन कम करना उनके लिए काफी मुश्किल हो गया था। इसके बावजूद उन्होंने खान-पान पर नियंत्रण रखा और कड़ी मेहनत जारी रखी।

एंसी ने कहा था- अगर अच्छा प्रदर्शन करना है तो त्याग और अनुशासन जरूरी है। मेरे कोच अनूप जोसेफ ने मुझे यही समझाया। ट्रेनिंग में किए गए बदलाव का फायदा अब दिख रहा है।

इंटर-स्टेट चैंपियनशिप के चौथे दिन सिर्फ एंसी ही नहीं, पुरुषों की हाई जंप में सर्वेश कुशारे ने भी तेजस्विन शंकर का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस तरह टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय एथलेटिक्स में दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने।

सर्वेश ने 2.31 मीटर की शानदार छलांग लगाकर यह उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही वे 2.30 मीटर को पार करने वाले पहले भारतीय हाई जम्पर बन गए। इससे पहले तेजस्विन शंकर ने 2018 में 2.29 मीटर का जम्प लगाया था। सर्वेश ने 2026 एशियाई खेलों के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

टेस्ट में छठे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड-ब्रेक

जंगू और चेज ने 401 रन जोड़े, विंडीज की पारी 626/9 पर डिक्लेयर; श्रीलंका 15/1

एंटीगुआ, 28 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के आमिर जंगू और कप्तान रोस्टन चेज ने टेस्ट क्रिकेट में छठे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड ब्रेक किया। दोनों ने मिलकर 603 गेंद पर 401 रन बनाए। इस जोड़ी ने इंग्लैंड के बेन स्टोक्स और जॉनी बेयरस्टो के 10 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ा।

इस रिकॉर्ड पार्टनरशिप के दम पर वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ एंटीगुआ में चल रहे इस मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने अपनी पहली पारी 626/9 के स्कोर पर डिक्लेयर की। इतना ही नहीं, तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका को दूसरी पारी में एक झटका भी दे दिया। ओपनर पाथुम निसांका 3 रन बनाकर आउट हुए। फिलहाल, श्रीलंका का स्कोर 15/1 है। निशान मदुष्का 2 और कसुन रजिता 4 रन पर नाबाद हैं।

जंगू और चेज की जोड़ी ने वेस्टइंडीज से किसी भी विकेट की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी की। दोनों ने ब्रायन लारा और रेडली जैकब्स का 282 रन का रिकॉर्ड तोड़ा।

वेस्टइंडीज ने 271 के स्कोर से दिन की शुरुआत की। 78 से आगे खेल रहे आमिर जंगू ने 233 और 42 रन से आगे खेलते हुए कप्तान रोस्टन चेज 194 रन की शतकीय पारियां खेलीं। जंगू और चेज ने अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी पार किए।

चोटिल शाई होप के स्थान पर टीम में शामिल किए गए जंगू ने लगभग पूरे दिन श्रीलंकाई गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। दोहरा शतक पूरा करने के बाद मैदान और ड्रेसिंग रूम से उन्हें जोरदार तालियां मिलीं। कप्तान रोस्टन चेज ने 194 रन की धैर्यपूर्ण और शानदार पारी खेली। वह अपने पहले टेस्ट दोहरे शतक से सिर्फ छह रन दूर रह गए। उन्हें सोनल दिनूषा ने बोल्ड किया।

श्रीलंका के मिलन रथनायके ने इस रिकॉर्ड साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने जंगू को कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने पारी में 124 रन देकर पांच विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर सोनल दिनूषा ने दो विकेट तो लिए, लेकिन 234 रन भी खर्च किए।

वेस्टइंडीज ने 626 रन पर पारी घोषित की। जवाब में श्रीलंका की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और पाथुम निसांका दूसरे ओवर की पहली गेंद पर जयडेन सील्स का शिकार बन गए। दिन का खेल समाप्त होने तक वेस्टइंडीज पूरी तरह मैच पर हावी नजर आया और चौथे दिन जीत की मजबूत स्थिति में पहुंच गया।

मेसी लगातार 7 वर्ल्डकप मैच में गोल करने वाले फुटबॉलर

अर्जेंटीना ने जॉर्डन को 3-1 से हराया, रोनाल्डो के पुर्तगाल ने कोलंबिया से ड्रॉ

वाशिंगटन, 28 जून (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी लगातार 7 वर्ल्ड कप मैच में गोल करने वाले दुनिया के पहले फुटबॉलर बने हैं। वे रविवार को ग्रुप जे के मुकाबले में जॉर्डन के खिलाफ सब्स्टिट्यूट के रूप में उतरे और 80वें मिनट में फ्री किक पर गोल दागा। मेसी को 20 साल बाद अर्जेंटीना की स्टार्टिंग-11 में जगह नहीं मिली है। इससे पहले 30 जून 2006 को होस्ट जर्मनी के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में ऐसा हुआ था।

मेसी के इस गोल की मदद से अर्जेंटीना ने डलास स्टेडियम में खेले गए मैच में जॉर्डन को 3-1 से हराया। इस जीत से अर्जेंटीना की टीम ग्रुप जे के टॉप पर रहकर नॉकआउट राउंड में पहुंची। टीम ने अपने लीग स्टेज में अपने तीनों मुकाबले जीते और 9 अंक हासिल किए। अल्जीरिया और ऑस्ट्रिया का मैच 3-3 की बराबरी पर रहा।

यह मेसी के करियर का 72वां और अर्जेंटीना के लिए 12वां फ्री किक गोल था। वर्ल्ड कप में यह उनका दूसरा फ्री-किक गोल रहा। इसके साथ ही वे पेले, रिवेलिनो, तेओफिलो कुबिलास, बर्नार्ड जेंघिनी और डेविड बेकहम के बाद वर्ल्ड कप में दो फ्री-किक गोल करने वाले प्लेयर्स के क्लब में शामिल हो गए।

मेसी के अब इस वर्ल्ड कप में छह गोल हो चुके हैं। वे गोल्डन बूट की रेस में सबसे आगे हैं। किलियन एमबाप्पे, विनीसियस जूनियर और एरलिंग हालैंड से दो गोल आगे हैं। इतना ही नहीं, मेसी ने वर्ल्ड कप करियर में 19वां गोल दागा है। उन्होंने मेंस वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के रिकॉर्ड को और बेहतर किया।

मेसी के अलावा जियोवानी लो सेल्सो ने 19वें मिनट में फ्री-किक पर गोल करके अर्जेंटीना को 1-0 की बढ़त दिलाई। फिर लाउतारो मार्टिनेज ने 31वें मिनट में पेनाल्टी को गोल में बदल हाफ टाइम से पहले बढ़त को दोगुना कर दिया। दोनों खिलाड़ियों का यह विश्व कप में पहला गोल रहा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में मैदान पर आए मौसा अलतमारी ने 55वें मिनट में गोल कर जॉर्डन की वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन अर्जेंटीना ने मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही जॉर्डन की टीम तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो गई।

स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल ने फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में प्रवेश कर लिया। मियामी स्टेडियम में रविवार को पुर्तगाल ने कोलंबिया के साथ गोल रहित ड्रॉ खेला। ग्रुप-के मैच में कोलंबिया ने इंजरी टाइम पर डेविनसन सांचेज ने हेडर के जरिए गोल दागा, लेकिन उनके ऑफ साइड होने पर रेफरी ने इसे अमान्य कर दिया। टीम ने पहली बार वर्ल्ड कप में गोल रहित ड्रॉ खेला है। मैच के पहले ही मिनट में लुइस डियाज के डिफ्लेक्टेड शॉट पर जॉन कॉर्डोबा का हेडर गोल पोस्ट के ऊपर से निकल गया। फिर कॉर्डोबा ने ब्रूनो फर्नांडीस को पछाड़ते हुए एक और मौका बनाया, लेकिन पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने शानदार बचाव किया।

पुर्तगाल के गोलकीपर डियोगो कोस्टा ने छह बेहतरीन सेव करते हुए टीम को गोल खाने से बचाया। दोनों टीमों ने मिलकर गोल पर 36 प्रयास किए, लेकिन कोई भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। डियागो कोस्टा को सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

52 साल बाद वर्ल्ड कप में लौटी कांगो डीआर ने उज्बेकिस्तान को 3-1 असे हराकर पहली बार वर्ल्ड कप के नॉकआउट (राउंड ऑफ 32) में जगह बना ली। अटलांटा स्टेडियम में उज्बेकिस्तान के कप्तान एल्डोर शोमुरोदोव ने 10वें मिनट में गोलकीपर के ऊपर से लॉब शॉट खेलकर गोल किया और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ के 68वें मिनट में अब्दुकोदिर खुसानोव ने योआने विसा को पेनल्टी बॉक्स में गिरा दिया, जिस पर रेफरी ने पेनल्टी दी। विसा ने खुद पेनल्टी लेकर गोल स्कोर 1-1 किया। 78वें मिनट में मेशाक एलिया के शॉट पर डिफ्लेक्शन मिलने के बाद फिस्टन मायेले ने कांगो को 2-1 की बढ़त दिला दी। इंजरी टाइम में योआने विसा ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दागकर 3-1 की जीत पक्की कर दी।

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड पर 204 रन की बढ़त बनाई

रचिन रवींद्र फिफ्टी बनाकर नाबाद लौटे, इंग्लैंड 354 रन पर सिमटा

नॉटिंघम, 28 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड पर 204 रन की बढ़त हासिल कर ली है। ट्रेंट ब्रिज में स्टंप्स तक कीवियों ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 120 रन बना लिए हैं। रचिन रवींद्र फिफ्टी बनाकर नाबाद हैं।

इससे पहले इंग्लैंड पहली पारी में 354 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड को पहली पारी के आधार पर 84 रन की बढ़त मिली। कीवियों ने पहली पारी में 438 रन बनाए थे।

दूसरी पारी में न्यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने सिर्फ 12 रन पर ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए पहले ही ओवर में टॉम लैथम (4 रन) और पांचवें ओवर में डेवोन कॉन्वे (5 रन) को आउट किया।

रचिन रवींद्र

इसके बाद रचिन रवींद्र ने पहले हेनरी निकोल्स और फिर डेरिल मिचेल के साथ मिलकर पारी को संभाला। रवींद्र ने लगातार दूसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाया। इससे पहले उन्होंने द ओवल टेस्ट में 76 रन बनाए थे। दिन का खेल समाप्त होने तक वह 60 रन और डेरिल मिचेल 26 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

इंग्लैंड 354 पर ऑलआउट, नाथन स्मिथ को 4 विकेट

223/2 के स्कोर से दिन की शुरुआत करने वाली इंग्लिश टीम ने आखिरी 8 विकेट 131 रन बनाने में गंवा दिए। जैकब बेथेल (74 रन) और जो रूट (21 रन) पिछले दिन के स्कोर में इजाफा नहीं कर सके।

बेथेल को विल ओरूर्क ने टॉम लैथम के हाथों कैच कराया। जबकि रूट को नाथन स्मिथ ने एलबीडब्ल्यू किया। ऐसे में हैरी ब्रूक (58 रन) ने अर्धशतक लगाकर टीम को 300 पार पहुंचाया।

इंग्लैंड के सभी विकेट पेसर्स ने लिए। नाथन स्मिथ ने 4 विकेट झटके। जबकि, विल ओरूर्क और जैक फाउलकेस को 3-3 विकेट मिले।

शुभमन गिल पर चढ़ा फुटबॉल विश्वकप का फीवर!

यूएस में ब्राजील के दिग्गज रोनाल्डिन्हो के साथ आए नजर

न्यूयॉर्क, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में फीफा विश्व कप 2026 के दौरान ब्राजील के फुटबॉल दिग्गज रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की और उनकी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। वहीं, 46 वर्षीय रोनाल्डिन्हो के इटली के क्लब रावेना से जुड़ने के बाद उनके एक बार फिर पेशेवर फुटबॉल खेलने की संभावना भी चर्चा में है।

भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अमेरिका में ब्राजील के महान फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो से मुलाकात की। यह मुलाकात अमेरिका में खेले जा रहे फीफा विश्व कप 2026 के दौरान हुई, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से कर रहे हैं। शुभमन गिल ने इस खास मुलाकात की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा की, जिसमें वह ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर और 2002 फीफा विश्व कप विजेता रोनाल्डिन्हो के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद क्रिकेट और फुटबॉल प्रशंसकों के बीच यह काफी चर्चा का विषय बन गई।

शुभमन गिल हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए नजर आए। भारत ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम की और कप्तान के तौर पर यह गिल की पहली वनडे सीरीज जीत रही। गिल ने दो पारियों में 232 रन बनाए, जिसमें 154 रन की शानदार पारी भी शामिल रही। बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। इस सीरीज के दौरान गिल ने वनडे क्रिकेट में 3,000 रन और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 7,000 रन का आंकड़ा भी पार कर लिया। दूसरी ओर, ब्राजील के दिग्गज फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो एक बार फिर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 46 वर्षीय रोनाल्डिन्हो ने इटली के सीरी-सी क्लब रावेना के साथ करार किया है। हालांकि शुरुआत में क्लब प्रबंधन ने साफ किया था कि उनकी भूमिका केवल मार्केटिंग और प्रमोशनल गतिविधियों तक सीमित रहेगी। लेकिन बाद में क्लब के उपाध्यक्ष अरिएदो ब्राइडा ने उनके मैदान पर उतरने की संभावना से भी इनकार नहीं किया।

रोनाल्डिन्हो के साथ शुभमन गिल

आयुष म्हात्रे ने विराट कोहली से की मुलाकात

बोले- लीजेंड के साथ बातचीत कभी नहीं भूलूंगा; बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर पहुंचे थे विराट

बेंगलुरु, 28 जून (एजेंसियां)। अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने वाले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे ने विराट कोहली से मुलाकात की। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मुलाकात के बाद 17 साल के बल्लेबाज ने विराट के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, एक दिग्गज के साथ हुई यह बातचीत कभी नहीं भूलूंगा।

विराट इंग्लैंड के खिलाफ 14 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले फिटनेस टेस्ट के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली घरेलू वनडे सीरीज नहीं खेल सके थे।

कोहली को आईपीएल 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। हालांकि उन्होंने चोट के बावजूद नाबाद 75 रन बनाए और आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया।

अब उनकी इंग्लैंड दौरे पर होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में वापसी तय मानी जा रही है। हालांकि अंतिम फैसला फिटनेस टेस्ट के बाद होगा।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले आयुष म्हात्रे का आईपीएल 2026 भी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बीच में ही खत्म हो गया था। बाहर होने तक वह टीम के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 6 पारियों में 201 रन बनाए। उनका औसत 33.50 और स्ट्राइक रेट 177.87 रहा। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक लगाए और उनका बेस्ट स्कोर 73 रन रहा।

आयुष म्हात्रे और विराट कोहली

मुंबई के आयुष ने अब तक 7 लिस्ट-ए मैचों में 458 रन बनाए हैं। उनका औसत 65.42 है, जिसमें 2 शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

19 टी-20 मुकाबलों में उन्होंने 47.87 की औसत और 176.09 की स्ट्राइक रेट से 766 रन बनाए हैं। उनके नाम 2 शतक और 4 अर्धशतक हैं।

वहीं 13 फर्स्ट क्लास मैचों की 22 पारियों में उन्होंने 660 रन बनाए हैं। उनका औसत 30 का है, जिसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं।

म्हात्रे की कप्तानी में भारत ने इस साल अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीता। उन्होंने टूर्नामेंट के 7 मैचों में 214 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 3 अर्धशतक निकले। बल्लेबाजी के अलावा उन्होंने अपनी ऑफ स्पिन से 7 विकेट भी लिए।

37 साल के विराट कोहली अब सिर्फ वनडे क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल से 2024 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद और टेस्ट क्रिकेट से मई 2025 में संन्यास लिया था।

विराट वनडे की 299 पारियों में 14,797 रन बना चुके हैं। उनका औसत 58.71 है। उनके नाम रिकॉर्ड 54 शतक और 77 अर्धशतक हैं। उनका बेस्ट स्कोर 183 रन है।

पिछले एक साल में विराट ने 16 वनडे मैचों में 891 रन बनाए हैं। उनका औसत 68.53 और स्ट्राइक रेट 98.45 रहा। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 5 अर्धशतक लगाए। उनका बेस्ट स्कोर 135 रन रहा। उन्होंने पिछले साल भारत को चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में भी अहम भूमिका निभाई।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से उन्होंने 9 मैचों में 616 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 88 और स्ट्राइक रेट 106.39 रहा। उन्होंने 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाए। इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी पिछली वनडे सीरीज में भी वह भारत के लिए सबसे ज्यादा 240 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे।

बिना वार्म-अप टूर्नामेंट के खिताब बचा पाएंगे यानिक सिनर?

जोकोविच जैसा इतिहास दोहराने की तैयारी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। विंबलडन के मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर ने अपने खिताब की रक्षा करने से ठीक पहले एक बड़ा बयान दिया है। सिनर का मानना है कि ग्रास-कोर्ट के किसी वॉर्म-अप टूर्नामेंट में हिस्सा न लेने के उनके फैसले से उनकी खिताबी रक्षा पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह और उनकी टीम ने इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप के लिए पिछले कुछ हफ्तों में खुद को जितना संभव हो सके, उतने बेहतरीन तरीके से तैयार किया है।

ऑल इंग्लैंड क्लब में अपनी प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी ने बताया कि आखिर क्यों उनका यह अलग रवैया उन्हें सोमवार को मियोमिर केकमानोविच के खिलाफ होने वाले पहले दौर के मुकाबले के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रखता है।

पिछले सीजनों के विपरीत, सिनर इस बार ग्रास कोर्ट पर बिना कोई प्रतिस्पर्धी मैच खेले लंदन पहुंचे हैं, लेकिन इतालवी खिलाड़ी का मानना है कि इससे उन्हें केवल अपनी तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली है। सिनर ने कहा कि मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मेरा मानना है कि ग्रास एक बिल्कुल अलग सतह है। आप यहां आकर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं। इसके साथ ही, यदि आप यहां आने से पहले कोई टूर्नामेंट खेलते हैं और वह वैसा नहीं जाता जैसा आप चाहते थे, तो आप मन में कुछ संशय लेकर यहां आते हैं। यदि आप कोई टूर्नामेंट नहीं खेलते हैं, तो आपके पास ऐसे कोई संशय नहीं होते, आप बस जाते हैं और खेलते हैं।

एक हार और तीन खिलाड़ियों का संन्यास, 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ मिली विदाई

खेल डेस्क, 28 जून (एजेंसियां)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने आखिरी ग्रुप मैच में इंग्लैंड के हाथों मिली 9 विकेट की करारी शिकस्त के साथ ही न्यूजीलैंड का वर्ल्ड कप का सफर खत्म हो गया। लंदन के द ओवल मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में मिली हार न सिर्फ कीवी टीम के लिए निराशाजनक रही, बल्कि इससे न्यूजीलैंड क्रिकेट के एक ऐतिहासिक और सुनहरे युग का भी अंत कर दिया। टीम की तीन महान दिग्गज खिलाड़ी सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और ली ताहूहू इस मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हो गईं। हालांकि, यह इन दिग्गजों के लिए वो विदाई नहीं थी जिसकी उन्होंने उम्मीद की थी, लेकिन तीनों का करियर बेमिसाल और ऐतिहासिक रहा। सोफी डिवाइन, सूजी बेट्स और ली ताहूहू ने इस टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले ही संन्यास का ऐलान कर दिया था। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट को बुलंदियों पर पहुंचाने वाली इन तीनों खिलाड़ियों के आंकड़े उनकी महानता को बयां करते हैं।सूजी बेट्स न्यूजीलैंड क्रिकेट इतिहास की सबसे महान और सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी के रूप में रिटायर हो रही हैं। बेट्स ने अपने 370 इंटरनेशनल मैचों के करियर में रिकॉर्ड 10,721 रन बनाए हैं, जो एक महारिकॉर्ड है।

टीम की तीन महान दिग्गज खिलाड़ी

अपने 20 साल लंबे ऐतिहासिक इंटरनेशनल करियर में सोफी डिवाइन ने भी न्यूजीलैंड के लिए कुल 317 मुकाबले खेले। इस दौरान उन्होंने वनडे में 4279 रन और टी20 में 3817 रन बनाए। जिसमें कई मैच विनिंग पारियां भी शामिल रहीं। इसके साथ-साथ उन्होंने 241 विकेट भी चटकाए, जिसके चलते उनकी गिनती सबसे सफल ऑलराउंडर्स में भी की जाती है। दूसरी ओर, कीवी टीम की अहम तेज गेंदबाज रहीं ली ताहूहू ने 15 साल लंबे इंटरनेशनल करियर में कुल 207 मैचों में टीम का प्रतिनिधित्व किया और 225 विकेट चटकाए।

पिछली सरकारों ने तेलंगाना को भारी कर्ज में डुबो दिया : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने 13,000 करोड़ रुपये की सड़क सुधार परियोजना का शुभारंभ किया

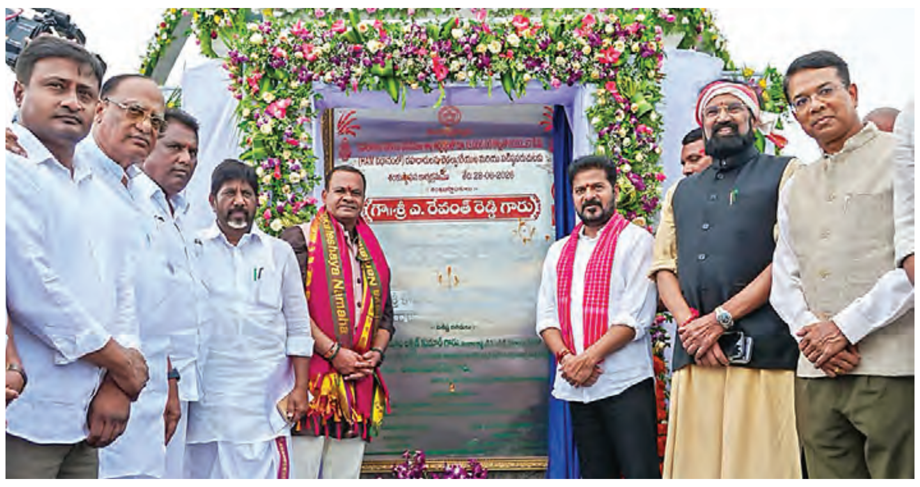

सड़क विकास परियोजना के लिए आधारशिला का अनावरण करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री उत्तम कुमार, भट्टी विक्रमार्क आदि नेतागण।

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए एक बड़े कदम के तहत, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को नालगोंडा जिले में एक विशाल सड़क विकास परियोजना के लिए आधारशिला का अनावरण किया। इस परियोजना का उद्देश्य राज्य भर में कुल 6,092.37 किलोमीटर की दूरी को कवर करने वाली 441 महत्वपूर्ण सड़कों का विस्तार और सुदृढ़ीकरण करना है। हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल (एचएम) के तहत कार्यान्वित की जा रही इस विशाल अवसंरचना परियोजना की अनुमानित लागत 13,006.27 करोड़ है। आधिकारिक समारोह नालगोंडा जिले के कनागल मंडल मुख्यालय में बाजार परिसर के निकट नालगोंडा-देवराकोंडा सड़क पर आयोजित किया गया। सड़क नेटवर्क के विस्तार के साथ-साथ, मुख्यमंत्री ने नालगोंडा नगर निगम के लिए एक महत्वपूर्ण पेयजल योजना के पहले चरण की आधारशिला भी रखी। 83 करोड़ रुपये के बजट वाली इस नगरपालिका परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र की बढ़ती शहरी आबादी के लिए स्वच्छ जल की उपलब्धता और उपयोगिता पाइपलाइनों में उल्लेखनीय सुधार करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नलगोंडा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार 13 हजार करोड़ रुपये की लागत से 6,300 किलोमीटर आर एंड बी सड़कों के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर रही है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान कोण्डा लक्ष्मण बापूजी और कोमटिरेड्डी जैसे नेताओं ने त्याग किया, जिन्होंने राज्य के लिए अपनी मंत्री पद की कुर्बानी दी। उन्होंने कहा कि कोमटिरेड्डी ने तेलंगाना आंदोलन के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया और आमरण अनशन तक किया। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि त्याग का गलत अर्थ निकालकर राजनीतिक लाभ लिया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन में पापुलर विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार और कर्ज का बोझ बढ़ाया गया, जिससे राज्य पर भारी आर्थिक दबाव आया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस नेता ने कहा कि पिछली सरकारों ने तेलंगाना को भारी कर्ज में डुबो दिया, जबकि वर्तमान सरकार विकास और कल्याण योजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए 1.56 लाख करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यक्रम चलाए हैं, जिसमें ऋण माफी, किसान भत्ता और बोनस शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि 80 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद कर राज्य ने रिकॉर्ड बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र में बड़े सुधार कर रही है, जिसमें सरकारी स्कूलों में नर्सरी से 12वीं तक की शिक्षा व्यवस्था शामिल है, ताकि गरीब और पिछड़े वर्ग के बच्चों को बेहतर अवसर मिल सकें। उन्होंने यह भी कहा कि 30 महीनों में 70,000 सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं, जिससे युवाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि एसएलबीसी परियोजना को वर्षों तक अनदेखा किया गया, जबकि वर्तमान सरकार इसे तेजी से पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मूसी नदी के प्रदूषण को रोकने और उसके पुनरुद्धार के लिए व्यापक योजना बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार दलितों, आदिवासियों और गरीबों के लिए आवास और बिजली जैसी योजनाओं पर काम कर रही है, जिसमें लाखों लोगों को घर और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसी सुविधाएं दी गई हैं। उन्होंने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कुछ लोग झूठ फैलाकर जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता सब जानती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में कांग्रेस ही सत्ता में बनी रहेगी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, अदलुरी लक्ष्मण कुमार, सांसद रघुवीरा रेड्डी, विधायक जयवीर रेड्डी, बतुला लक्ष्मा रेड्डी, बालू नाइक और एमएलसी नेल्लिकंती सत्यम भी उपस्थित थे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आज विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 28 से 30 जून तक तेलंगाना के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राज्य में आयोजित विभिन्न संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों में भाग लेंगे। 29 जून को उनके कार्यक्रमों का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया गया है। भाजपा के अनुसार, नितिन नवीन के दौरे के दौरान तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं तेलंगाना प्रभारी सुनील बंसल, राज्य सह-प्रभारी अभय पाटिल, सांसद रेखा शर्मा, भाजपा विधायक दल के नेता एलेटी महेश्वर रेड्डी, भाजपा विधान परिषद दल के नेता ए.वी.एन. रेड्डी सहित सांसद, विधायक, विधान पार्षद और पार्टी के वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। 29 जून को सुबह 10 बजे नितिन नवीन घाटकेसर स्थित विज्ञान भारती इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीबीआईटी) परिसर में आयोजित छात्र एवं युवा सम्मेलन में भाग लेंगे। इसके बाद सुबह 11 बजे भुवनगिरि में उनका स्वागत किया जाएगा। दोपहर 12:50 बजे वह वारंगल स्थित भद्रकाली माता मंदिर में दर्शन करेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे हनमकोंडा के एक होटल स्थित अशोका कन्वेंशन हॉल में जनजातीय समुदाय के नेताओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। शाम 4 बजे वारंगल के आर्ट्स कॉलेज ग्राउंड्स में संयुक्त वारंगल जिले के भाजपा पोलिंग बूथ अध्यक्षों एवं उससे ऊपर के पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित करेंगे। यात्रा मार्ग हैदराबाद से वीबीआईटी होते हुए भुवनगिरि तक रहेगा तथा वापसी भुवनगिरि से हैदराबाद होगी।

इमारत से गिरने से सुरक्षा गार्ड की मौत

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स क्षेत्र में रविवार तड़के एक इमारत से गिरने के बाद एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान उपेंद्र सिंह (22) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से हरियाणा का रहने वाला था और वर्तमान में बंजारा हिल्स में रह रहा था। वह गच्चीबावली स्थित एक कंपनी में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात ड्यूटी से लौटने के बाद वह अपने आवास पर गया था, जहां बाद में उसका शव जमीन पर मिला। इमारत के चौकीदार ने घटना की सूचना उसकी पत्नी को दी और बताया कि वह कथित तौर पर सातवीं मंजिल से गिर गया है। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि उपेंद्र सिंह नशे की हालत में इमारत की छत पर गया था और वहां से फिसलकर नीचे गिर गया। हालांकि, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

मन की बात देश को सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा देने वाला कार्यक्रम : राव

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने रविवार को नामपल्ली स्थित तेलंगाना भाजपा राज्य कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 135वें एपिसोड के सामूहिक श्रवण कार्यक्रम में भाग लिया।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए एन. रामचंदर राव ने कहा कि इस एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षा और विमानन क्षेत्रों में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने योग की वैश्विक सफलता का उल्लेख करते हुए नागरिकों से जल संरक्षण और सतत जीवनशैली को अपनाने में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। साथ ही देशभर में जमीनी स्तर पर हो रहे प्रेरणादायी नवाचारों की भी सराहना की। रामचंदर राव ने कहा कि 'मन की बात' को सुनना हमेशा एक प्रेरणादायक अनुभव होता है, क्योंकि यह समाज और राष्ट्र की सेवा में असाधारण कार्य कर रहे सामान्य नागरिकों की प्रेरक कहानियों को देश के सामने लाता है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम सेवा, नवाचार, समर्पण और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी सकारात्मक कहानियों के माध्यम से देशभर के लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। यह कार्यक्रम नागरिकों को प्रेरित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनभागीदारी को भी बढ़ावा देता है।

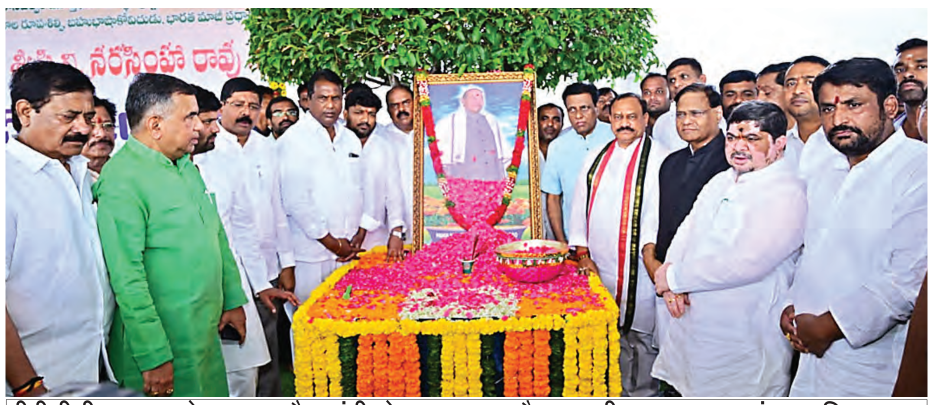

टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, मंत्री पोन्नम प्रभाकर और अड्लुरी लक्ष्मण राव, सांसद अनिल यादव, सरकारी सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल, एआईसीसी सचिव रुद्रराजू और अन्य लोगों ने पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव की 105वीं जयंती के मौके पर पी.वी. घाट, हैदराबाद में उन्हें श्रद्धांजलि दी।

आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में राष्ट्रीय कॉन्स-एंडो सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज (एसीडीएस), सिकंदराबाद के कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स विभाग द्वारा राष्ट्रीय कॉन्स-एंडो सम्मेलन 'कैलिडोस्कोप-5 2के26' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में देशभर से एंडोडॉन्टिक्स क्षेत्र के विशेषज्ञों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में एसीडीएस की प्राचार्य डॉ. ममता कौशिक ने मुख्य अतिथियों डॉ. संजय तिवारी, अध्यक्ष, राष्ट्रीय दंत आयोग तथा डॉ. दिव्येंदु मजूमदार, पूर्व अध्यक्ष, डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया सहित सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय दंत आयोग के अध्यक्ष डॉ. संजय तिवारी ने महाविद्यालय की सराहना करते हुए देशभर में छात्र-केंद्रित और छात्र-अनुकूल सम्मेलनों एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। सम्मेलन में 171 प्रतिनिधियों ने भाग लिया तथा लगभग 100 वैज्ञानिक शोधपत्रों और पोस्टर प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया। इन प्रस्तुतियों में वर्तमान शोध, क्लीनिकल नवाचारों तथा साक्ष्य-आधारित उपचार रणनीतियों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। देश के प्रतिष्ठित दंत चिकित्सा संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने रिस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री और एंडोडॉन्टिक्स के उभरते सिद्धांतों एवं नवीन प्रगतियों पर व्याख्यान दिए। साथ ही विभिन्न विषयों पर आयोजित संवादात्मक चर्चाओं ने अकादमिक विचार-विमर्श को नई दिशा प्रदान की। सम्मेलन के दौरान डेंटल फोटोग्राफी, इंडायरेक्ट कंपोजिट रिस्टोरेशन तथा माइक्रोस्कोपिक एंडोडॉन्टिक्स विषयों पर व्यावहारिक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिससे प्रतिभागियों के व्यावहारिक कौशल को सुदृढ़ करने में मदद मिली। इसके अतिरिक्त अंतर-महाविद्यालयी क्विज प्रतियोगिता का आयोजन कर विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। सम्मेलन का समापन भव्य वैलेडिक्टरी समारोह के साथ हुआ, जिसमें सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र, पोस्टर एवं क्विज प्रस्तुति के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आर्मी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज ने गुणवत्तापूर्ण दंत शिक्षा, शोध और क्लीनिकल उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया।

जम्मू-कश्मीर में संसदीय स्थायी समिति की बैठक में शामिल हुए सांसद वड्डीराजू रविचंद्र

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के अध्ययन दौरे के तहत गुलमर्ग (गौरीमार्ग) में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। यह बैठक समिति के अध्यक्ष सुनील दत्तात्रेय तटकरे की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में बीआरएस संसदीय दल के उपनेता एवं राज्यसभा सांसद वड्डीराजू रवींद्रचंद्र, सांसद मुथिलेश कुमार, डॉ. वी. शिवदासन, के. आर. एन. राजेश कुमार, प्रभु भाई नागरभाई वासवा सहित कई अन्य सदस्य और तेल एवं गैस कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान देश में आयात किए जा रहे कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव, उनके स्थिरीकरण एवं नियंत्रण, ईंधन में मिलावट की रोकथाम तथा उपभोक्ताओं को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सांसद वड्डीराजू रवींद्रचंद्र ने इस अवसर पर अधिकारियों को कई सुझाव दिए और तेल एवं गैस आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, संभावित खामियों को दूर करने तथा सुरक्षा मानकों को मजबूत करने पर जोर दिया। यह बैठक गुलमर्ग के प्रमुख पर्यटन स्थल में आयोजित होने के कारण विशेष रूप से चर्चा का विषय रही, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े नीतिगत और व्यावहारिक पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया।

12 वर्षीय छात्र की डूबने से मौत

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुथबुल्लापुर क्षेत्र के अंतर्गत बाचुपल्ली झील में रविवार को तैरने के दौरान एक 12 वर्षीय बालक की डूबने से मौत हो गई। इस घटना से इलाके में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान चरण के रूप में हुई है, जो निजामपेट के राजीव गांधी नगर का निवासी था और पांचवीं कक्षा में अध्ययनरत था। पुलिस के अनुसार, बालक झील में तैरने के लिए गया था, तभी वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना की जानकारी मिलते ही बाचुपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।

मुआवजा न मिलने का आरोप

सरकार और प्रबंधन पर गंभीर सवाल

संगारेड्डी, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर सिगाची विस्फोट के पीड़ितों से किए गए वादों को पूरा न करने के आरोप लगे हैं। विपक्षी आरोपों के अनुसार, चुनावी वादों के साथ-साथ इस औद्योगिक हादसे में प्रभावित परिवारों को दिया गया आश्वासन भी अब तक अधूरा है। मुख्यमंत्री ने दामोदर राजनरसिम्हा, जी. विवेकानंद और अन्य मंत्रियों के साथ 1 जुलाई को घटना स्थल का दौरा किया था।

यह दौरा उस विस्फोट के बाद हुआ था जिसमें 54 कर्मचारियों की मौत और 28 लोग घायल हुए थे। उस समय सरकार ने मृतकों के परिजनों को 1 करोड़ रुपये, गंभीर घायलों को 10 लाख रुपये और मामूली घायलों को 5 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की थी। हालांकि, एक वर्ष बीत जाने के बाद भी पीड़ित परिवारों का आरोप है कि न तो सिगाची प्रबंधन और न ही सरकार ने वादे के अनुरूप पूरा मुआवजा जारी किया है। घायलों के लिए उपचार सहायता और वेतन भुगतान का आश्वासन भी अधूरा बताया जा रहा है।

पीड़ितों का कहना है कि कई लोग अब भी निजी खर्च पर इलाज कराने को मजबूर हैं, जबकि मुआवजे की राशि और पूर्व में मिले भुगतान पहले ही समाप्त हो चुके हैं। काम बंद होने के कारण प्रभावित कर्मचारी आजीविका संकट का सामना कर रहे हैं। परिजनों ने संगारेड्डी कलेक्ट्रेट सहित विभिन्न कार्यालयों में प्रजावाणी के दौरान कई बार शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका आरोप है कि मामले की जानकारी मुख्यमंत्री तक पहुंचने के बावजूद कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

सूत्रों के अनुसार, विशेषज्ञ समिति ने सिगाची प्रबंधन को सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार ठहराया था, लेकिन अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई नहीं की गई है। बीडीएल भानूर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज होने के बाद कंपनी के शीर्ष अधिकारी की गिरफ्तारी हुई थी, जिन्हें बाद में जमानत मिल गई। पीड़ित परिवारों का यह भी आरोप है कि विस्फोट के बाद सरकारी निर्देशों के बावजूद उनके बच्चों को आवासीय विद्यालयों में दाखिला नहीं मिल सका। वहीं श्रम अधिनियम के तहत ग्रेच्युटी और अन्य लाभ भी नहीं दिए गए। पीड़ितों ने मुख्यमंत्री से 30 जून को विस्फोट स्थल पर अधिकारियों और प्रबंधन के साथ समीक्षा बैठक आयोजित कर मुआवजे और अन्य लंबित लाभों के शीघ्र निपटारे की मांग की है।

मल्काजगिरी पुलिस और एमकेएससी ने 'मार्गदर्शक' प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी पुलिस और मलकाजगिरी सिक्योरिटी काउंसिल (एमकेएससी) के सहयोग से मी सुरक्षा फ्लैगशिप पहल के तहत मार्गदर्शक ओरिएंटेशन प्रोग्राम के पहले बैच की शुरुआत की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों तथा अन्य कमजोर वर्गों को समय पर संस्थागत सहायता उपलब्ध कराना और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम पुलिस आयुक्त बी. सुमति के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में टी. उषा रानी, उप पुलिस आयुक्त, महिला सुरक्षा विंग एवं एमकेएससी संयोजक; लता राम सुब्रमण्यम, पूर्व संयुक्त सचिव, महिला फोरम; नंदिता नारायण, संयुक्त सचिव, महिला फोरम, अर्चना मन्ने, मुख्य समन्वयक, महिला फोरम, पी. पद्मावती, सखी ओएचसी पहली और दूसरी सपोर्ट एजेंसी, मेडचल जिला तथा एम. सावित्री, एसोसिएट डायरेक्टर, एमकेएससी सहित कई अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अधिकारियों ने अपने संबोधन में महिला सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया और बताया कि प्रशिक्षित मार्गदर्शक जरूरतमंद व्यक्तियों को सही समय पर पुलिस, कानूनी सेवाओं, काउंसलिंग केंद्रों और आपातकालीन सहायता से जोड़ने में सेतु का कार्य करेंगे। इस पहल के तहत मार्गदर्शकों को महिलाओं की सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने का भी दायित्व सौंपा जाएगा। यह कार्यक्रम पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर आधारित है, जिसमें पुलिस और नागरिक समाज मिलकर एमकेएससी के माध्यम से सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और जरूरतमंदों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने का कार्य करेंगे।

'मन की बात' देश को दिशा देने वाला प्रभावशाली मंच : जी. किशन रेड्डी

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को सिकंदराबाद के बौद्ध नगर डिवीजन स्थित वैभव फंक्शन हॉल में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 135वें 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण किया। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुबह 11 बजे 'मन की बात' का लगातार प्रसारण एक विशिष्ट और साहसिक पहल है।

गृहप्रवेश समारोह पर 40-50 हथियारबंद लोगों का हमला

हैदराबाद, 28 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेडिपल्ली क्षेत्र के बोडुप्पल में रविवार तड़के एक गृहप्रवेश समारोह के दौरान करीब 40 से 50 हथियारबंद लोगों की भीड़ ने कथित तौर पर घर में घुसकर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम तीन लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लाठी, पत्थर और अन्य हथियारों से लैस भीड़ ने देवेंद्र नगर कॉलोनी में नवनिर्मित मकान में चल रहे कार्यक्रम में अचानक धावा बोल दिया और वहां मौजूद लोगों (जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे) पर हमला किया। हमलावरों ने घर के बाहर खड़ी गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया। घटना में कई लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने पर मेडिपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.